राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- सम्मान और सुरक्षा के लिए शिक्षा जरूरी - 12

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को - 12

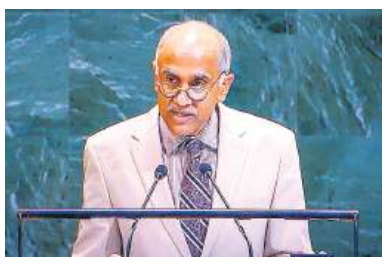

यूक्रेन युद्ध के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ के देशों पर डाल रहे हैं असर - 13

यूएस ओपन में सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत - 14

आज का मौसम

33.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.51

सूर्यास्त 06.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 01:41 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 सितंबर 2025, वर्ष 4, अंक 17, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

फर्जीवाड़ा को लेकर सेबी ने किया आगाह

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को निवेशकों को आगाह किया कि वे सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर उसके नाम से प्रसारित हो रहे धोखाधड़ी वाले संदेशों और सूचनाओं को लेकर सतर्कता बरतें। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे ऐसे संदेशों के आधार पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने या धनराशि देने से बचें। सेबी ने कहा कि उसके संज्ञान में कई ऐसे मामले आए हैं जिनमें धोखेबाजों ने सेबी अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने के साथ प्रतीक चिह्न (लोगो), लेटरहेड और मुहर का दुरुपयोग किया तथा फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर संदेश भेजे।

वैष्णो देवी यात्रा 11वें दिन भी स्थगित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर के लिए यात्रा शुक्रवार को लगातार 11वें दिन भी स्थगित रही। 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद यात्रा स्थगित कर दी गई थी। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि दस दिन की भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद मौसम में काफी सुधार हुआ है और धूप निकली है, लेकिन अधिकारियों ने अभी तक यात्रा को फिर से शुरू करने पर कोई फैसला नहीं लिया है। इस बीच, माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर जम्मू और कटरा के बीच शुरू की गई लोकल ट्रेन सेवाएं निलंबित रहीं।

छह माओवादियों पर प्राथमिकी दर्ज

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू में पुलिसकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ के संबंध में तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के छह सदस्यों के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि इस मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, टीएसपीसी के स्वयंभू जोनल कमांडर शशिकांत गंझू, कार्यकर्ता मुखदेव यादव, उमेश सिंह खरवार, रोहिणी गंझू, कुलदीप और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल गांव में गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित टीएसपीसी संगठन के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के इंजन में आई खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

- विमान को इंदौर में एहतियातन उतारा गया, सभी 161 यात्री सुरक्षित

दिल्ली से इंदौर आ रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को एक इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना के बाद यहां देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर शुक्रवार को एहतियातन उतारा गया और इसमें सवार सभी 161 यात्री सुरक्षित हैं।

हवाई अड्डे के निदेशक विपिनकांत सेठ ने बताया कि इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने पर हमने तमाम एहतियात बरतते हुए इस वायुयान को इंदौर के हवाई अड्डे पर सुबह 09:55 बजे उतारा। निर्धारित समय के मुताबिक इस विमान को सुबह 09:35 बजे इंदौर हवाई अड्डे पर उतरना था। उन्होंने बताया कि उड़ान संख्या आईएक्स 1028 वाले इस विमान का चालक दल और इसमें सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान के पायलट ने एटीसी को पैन-पैन संकेत भेजा जिसके बाद एसओपी के तहत हवाई अड्डे पर अग्निशमन और चिकित्सा के इंतजाम किए गए।

हमने भारत-रूस को चीन के हाथों खो दिया : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- टैरिफ वॉर के बीच एससीओ समिट के बाद नरम पड़े अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर
- ट्रुथ सोशल पर लिखा- चीनी राष्ट्रपति पुतिन और किंग जोंग के साथ रच रहे साजिश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) को लेकर भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में संभवतः सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। साथ में उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो! ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में खटास आ गई है,पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत पर निशाना साधने के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है।

अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का लगाया आरोप

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति पर पुतिन और उत्तर कोरिया के किम जोंग उन के साथ मिलकर अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कृपया व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं दें, क्योंकि आप अमेरिका के खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

भारत ने पीटर नवारो की टिप्पणियां की खारिज

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को गलत और भ्रामक बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने नवारो द्वारा दिए गए गलत और भ्रामक बयानों को देखा है और हम उन्हें स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पिछले सप्ताह, नवारो ने भारत पर क्रेमलिन के लिए तेल धन शोधन केन्द्र होने का आरोप लगाया था। भारत रूसी हथियार खरीदना जारी रखे हुए है, जबकि उसने अमेरिकी रक्षा कम्पनियों से संवेदनशील सैन्य प्रौद्योगिकियों को स्थानांतरित करने और भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया था।

आतंकवादी कहीं भी होगा, उसे ढूंढ़कर मारा जाएगा: चौहान

सीडीएस बोले- युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता

- गोरखपुर में भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी में रखे विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध में सफलता प्राप्त करने के लिए सरप्राइज एक महत्वपूर्ण फैक्टर होता है। भारतीय सेनाओं ने हर बार दुश्मन को सरप्राइज कर अपना टारगेट पूरा किया। आतंकवादी कहीं भी हो, उसे ढूंढ़कर मारा जाएगा। उन्होंने आने वाले समय में नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी की जरूरत भी गिनाई। कहा कि युद्ध व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।

गोरखपुर में शुक्रवार को भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि समग्र रूप से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए तीन घटक भूमि की सुरक्षा, विचारधारा की सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण होते हैं। कहा कि सैन्य तत्परता के लिए रक्षा संसाधनों, अनुसंधान एवं विकास के साथ रणनीतिक संस्कृति अहम होती है। जनरल चौहान ने एक जर्मन विद्वान के उद्धरण के हवाले से कहा कि अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में युद्ध, राजनीति का ही विस्तार है। सैन्य क्षमता की मजबूती इस बात पर भी निर्भर होती है कि किसी राष्ट्र ने शांतिकाल में रक्षा क्षेत्र में कितना खर्च किया। सीडीएस ने बताया कि उरी सर्जिकल स्ट्राइक में भारत ने जमीन के रास्ते जाकर आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया, बालाकोट में एयर स्ट्राइक का सहारा लिया जबकि पहलगाम हमले के बाद लो एयर स्पेस, ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। बालाकोट हमले के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ने अलग अलग सीख ली। पाकिस्तान ने एयर डिफेंस पर ध्यान दिया तो भारत ने लंबी दूरी तक हमला करने वाले हथियारों पर। सीडीएस ने यह भी कहा कि 'न्यू नॉर्मल' नीति ऐसी स्थिति होती है जो संकट खत्म होने के बाद बनती है। जैसे कोविड के बाद वर्क फ्रॉम होम और नोटबंदी के बाद डिजिटल लेनदेन की अभ्यस्तता। पर, न्यू नॉर्मल में यह स्पष्ट है कि आतंकवाद और बातचीत, व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते।

ऑपरेशन सिंदूर में कम थी आमने-सामने की लड़ाई

सीडीएस चौहान ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व से सैन्य बलों को दिशा मिलती है। ऑपरेशन सिंदूर में नेतृत्व से क्लियर कट दिशानिर्देश था कि आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाना है, नागरिक ठिकानों को नहीं। दुश्मन के किसी भी उकसावे पर सेना को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दी गई थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद सिर्फ बदला लेना नहीं था, धैर्य का स्तर भी बढ़ाना था। ऑपरेशन सिंदूर ऐसा पहला युद्ध तहस जिसमें दुश्मन से आमने सामने की लड़ाई काफी कम थी। इसमें न फ्रंट था और न रियर। ऑपरेशन सिंदूर अभी ऑफिशियली टर्मिनेट नहीं किया गया है।

सीमा विवाद राष्ट्र की सुरक्षा में पहली चुनौती

सीडीएस ने कहा कि भारत में राष्ट्र की सुरक्षा की पहली चुनौती सीमा विवाद की है। पाकिस्तान और चीन से हुई लड़ाइयां सीमा विवाद का ही परिणाम हैं। पाकिस्तान की तरफ से प्रॉक्सी वार, पड़ोसी देशों में अस्थिरता और युद्ध के बदलते स्वरूप अन्य चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप अब विकेंद्रित होता जा रहा है। भविष्य में नई तकनीकी आधारित, रोबोटिक्स और मानवरहित युद्ध हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में बाढ़, नोएडा के सेक्टरों में घुसा पानी

बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही

- दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही
- हिमाचल में 350 श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टरों से निकाला गया

नई दिल्ली, एजेंसी

नोएडा में यमुना नदी के उफान के कारण जलमग्न हुआ क्षेत्र।

बारिश के कारण पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। यमुना का उफनता पानी दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में तबाही मचा रहा है। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जिससे यहां कई इलाकों में बाढ़ की चपेट में आ गए। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भर गया। उत्तर दिल्ली के मजनू का टीला की तंग गलियों में पानी घुस आया, जिससे दर्जनों घर और दुकानें जलमग्न हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

यमुना नदी में आई बाढ़ ने फरीदाबाद में भारी तबाही मचाई है और बाघपुर के मोहना पुल के पास सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। फरीदाबाद और पलवल जिलों के 20 से अधिक गांवों के लोगों का उत्तर प्रदेश में आवागमन बंद हो गया है। इन गांवों को उत्तर प्रदेश के जेवर से जोड़ने वाले मोहना पुल की सड़कें क्षेत्र में बाढ़ के कारण ध्वस्त हो गई हैं।

वहीं पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। हिमाचल में मणिमहेश यात्रा मार्ग पर फंसे करीब 350 श्रद्धालुओं को भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों के जरिए भरमौर से चंबा पहुंचाया गया। चंबा जिले के विभिन्न भागों में, विशेषकर भरमौर विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों तीर्थयात्री अब भी फंसे हुए हैं। इस विधानसभा क्षेत्र का अगस्त के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश के कारण हुए कई भूस्खलनों और अचानक आई बाढ़ की वजह से सड़क संपर्क टूट गया है। चंबा के उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि वायुसेना के दो हेलीकॉप्टरों को सेवा में लगाया गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का भी अनिल अंबानी पर धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसबीआई, बीओआई भी पूर्व में लगा चुके हैं आरोप

एसबीआई और बैंक ऑफ इंडिया के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने दिवालिया रिलायंस कम्युनिकेशंस के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला घोषित किया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे बैंक ऑफ बड़ौदा से दो सितंबर को एक पत्र मिला जिसमें कंपनी एवं उसके प्रवर्तक अनिल अंबानी के ऋण खाते को धोखाधड़ी वाला वर्गीकृत करने के उसके फैसले की जानकारी दी गई है।

इसमें कहा गया कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये और 862.50 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा स्वीकृत की थी। ऋणदाताओं के पत्र के अनुसार, कुल 2,462.50 करोड़ रुपये में से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपये बकाया थे। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने कहा कि इस खाते को पांच जून 2017 से एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है। रिलायंस कम्युनिकेशंस कॉर्पोरेट दिवाला समाधान कार्यवाही से गुजर रही है और कंपनी को अपने नियंत्रण में लेने तथा अपनी देनदारियों को चुकाने के लिए उपयुक्त व्यक्ति की तलाश है। बैंक ने पत्र में कहा कि वर्तमान में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित कोई सक्रिय समाधान योजना नहीं है। धोखाधड़ी की घोषणा फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट में निष्कर्षों/टिप्पणियों पर आधारित है और यह वर्गीकरण न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने कहा कि बीओबी की कार्रवाई 12 साल से भी अधिक पुराने मामलों से संबंधित है।

बीओबी की कार्रवाई से कारोबार पर असर नहीं

नई दिल्ली। रिलायंस पावर ने कहा कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) की कार्रवाई का उसके कारोबारी संचालन और वित्तीय प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। शेयर बाजार को बताया कि वह एक अलग और स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाई है, जिसका रिलायंस कम्युनिकेशंस से कोई व्यावसायिक या वित्तीय संबंध नहीं है।

विस्फोटक के साथ 14 अतंकियों के मुंबई में घुसने की धमकी

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को एक संदेश मिला जिसमें दावा किया गया है कि 14 आतंकवादी 400 किलोग्राम आरडीएक्स के साथ शहर में घुस आए हैं और उन्होंने इसे वाहनों में रख दिया है, एक अधिकारी ने बताया कि गणेश उत्सव के 10वें दिन अनंत चतुर्दशी के लिए पुलिस सुरक्षा इंतजाम कर रही है, इस बीच यातायात पुलिस नियंत्रण कक्ष को गुरुवार को व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर धमकी भरा संदेश मिला। संदेश भेजने वाले ने इसमें 'लश्कर-ए-जिहादी'' नामक संगठन का नाम लिखा है। उसने दावा किया कि 14 आतंकवादी शहर में घुस आए हैं और 34 वाहनों में 400 किलोग्राम आरडीएक्स रखा है, जिससे देश दहल जाएगा।

बंदरों ने 2 माह के बच्चे को पानी भरे ड्रम में डाला, मौत

(मछरेहटा) सीतापुर। सूरजपुर गांव में पलंग पर सो रहे दो महीने के बच्चे का शव ड्रम में मिला। घटना के समय बच्चे की मां नहाने गई हुई थी। परिजनों का दावा है कि बंदरों के झुंड ने बच्चे को पलंग से उठाकर पानी भरे नीले ड्रम में डाल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मछरेहटा थाना क्षेत्र के सूरजपुर निवासी अनुज कुमार के मुताबिक गांव में पिछले कई दिनों से बंदरों के झुंड उत्पात मचा रहे हैं।

- परिजनों का दावा- चारपाई पर सोते समय उठाकर ले गए थे बंदर

घटना के समय वह गांव में मजदूरों से निर्माण कार्य को लेकर बातचीत करने निकला था। पत्नी सविता पलंग पर दो माह के बच्चे को सुलाकर नहाने चली गईं। तभी बंदरों का झुंड नीचे उतरा ओर बच्चे को ड्रम भरे पानी में डुबो दिया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

60 करोड़ की धोखाधड़ी में शिल्पा और राज के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर

मुंबई। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एलओसी जारी किया, क्योंकि शिल्पा और उनके पति अंतर्राष्ट्रीय यात्राएं करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू थाने में एक कारोबारी से ऋण-सह-निवेश सौदे में कथित तौर पर लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था।

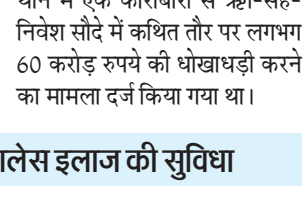

पहल | शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी की ऐतिहासिक घोषणा, शिक्षामित्र, अनुदेशक और रसोइयों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा

प्रदेश के नौ लाख शिक्षकों को मिलेगा कैशलेस इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के शिक्षकों को ऐतिहासिक सौगात दी। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के सभी शिक्षकों को अब कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना का लाभ बेसिक, माध्यमिक, सहायता प्राप्त और उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को भी मिलेगा।

उन्होंने विपक्ष के तमाम दुष्प्रचारों पर प्रहार करते हुए कहा कि एक समिति शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय पर विचार कर रही है।

लखनऊ के लोकभवन सभागार में इस्लामिया गर्ल्स इंटर कालेज बरेली की प्रधानाचार्या चमन जहां को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था लगभग नौ लाख परिवारों को राहत देगी और शिक्षकों को इलाज के लिए अब आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तय समय सीमा में इस सुविधा को लागू किया जाए। लोक भवन में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने चयनित शिक्षकों को सम्मानित कर टैबलेट वितरित किए और स्मार्ट क्लास का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षा को नई दिशा देने का कार्य तेजी से हो रहा है। प्रदेश के 2204 विद्यालयों को टैबलेट, और 1236 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की शुरुआत हो चुकी है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी बोर्ड परीक्षाएं नकल के लिए कुख्यात थीं। लेकिन आज सीसीटीवी निगरानी, पारदर्शिता और समयबद्ध परिणाम के चलते यूपी बोर्ड देश के श्रेष्ठ बोर्डों में गिना जाने लगा है। उन्होंने कहा कि एक माह में परीक्षा परिणाम देना अब यूपी की पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत प्रारंभ की गई 'बाल वाटिका' में अब तक 5000 केंद्रों पर 25,000 बच्चों का नामांकन हो चुका है। इसे पोषण मिशन और आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ा गया है, ताकि बच्चे शिक्षा के साथ स्वस्थ भी रहें। 'निपुण भारत मिशन' के तहत बच्चों की भाषा और गणितीय दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

शिक्षामित्रों के मानदेय पर विचार

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्मिक शिक्षा अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं, ऐसे में सरकार उनके हितों की अनदेखी नहीं कर सकती।

नवाचार करने वाले शिक्षकों का होगा प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के अधिकारियों से कहा कि शिक्षकों के नवाचारों को प्रकाशित कर स्कूलों तक पहुंचाया जाए। इससे अन्य शिक्षक भी प्रेरित होंगे और सरकारी विद्यालयों की छवि बदलेगी। उन्होंने कहा कि आज कई सरकारी स्कूल कॉन्वेंट स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार,6 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

प्रतापगढ़ के धार्मिक स्थलों का होगा विकास

अमृत विचार, लखनऊ : धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के विकास के लिए प्रतापगढ़ में 8 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन योजनाओं के तहत जिले के प्रमुख मंदिरों, धामों और बौद्ध स्थलों के आसपास पर्यटक सुविधाओं का विस्तार और विकास किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि स्वीकृत विकास कार्यों में नगर पालिका बेल्हा, सुगता नन्द बौद्ध बिहार, राम जानकी मंदिर, ग्राम सभा बुआपुर (रूपपुर), बौद्ध बिहार, बाबा घुईसरनाथ धाम, मां दुर्गा मंदिर, नरसिंह धाम मंदिर (गंगा तट), बाबा अवधेश्वरनाथ धाम मंदिर (गंगा तट) तथा मां ज्वाला देवी धाम सिद्धपीठ शामिल हैं। प्रत्येक धार्मिक स्थल को पर्यटन विकास के लिए एक-एक करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।

आज कई बड़ी सौगात देंगे सीएम योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को परिवहन विभाग के जरिए प्रदेशवासियों को कई सौगातें देंगे। आयोजन शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में होगा। कार्यक्रम में परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह भी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1.5 लाख जनसेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की भी शुरुआत करेंगे। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सरल परिवहन हेल्पलाइन 149 की भी करेंगे। आईआईटी खड़गपुर, परिवहन विभाग, परिवहन निगम व सीएससी के मध्य एमओयू होगा। इसके अलावा कई अन्य सुविधाओं का लोकार्पण करेंगे।

मेरे वाहन पर आठ लाख का जुर्माना : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस पर जनता से वसूली करने का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि मेरी गाड़ी का ओवर स्पीड में आठ लाख रुपये का चालान कर दिया है। सपा अध्यक्ष शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से जो गाड़ी हमें दी गई है, वो चलने की हालत में नहीं है। भाजपा सरकार जनता से वसूली कर रही है। बिना सुविधाएं जमकर टैक्स वसूला जा रहा है।

मतदेय स्थलों पर अब लंबी नहीं होगी मतदाताओं की लाइन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रत्येक मतदेय स्थल पर 1500 मतदाताओं के मानक को कम कर किया 1200
- मतदाता सूची भी बड़ी नहीं होगी और सत्यापन व रखरखाव हो जाएगा आसान
- 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का शत प्रतिशत सत्यापन हो

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रति मतदेय स्थल पर 1500 मतदाताओं के मानक को कम कर अब 1200 मतदाता कर दिया है। इससे अब चुनाव के दिन मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की भीड़ कम होगी और लंबी लाइनें नहीं लगेंगी। अब चुनाव के दौरान मतदाता मतदेय स्थल पर ज्यादा देर तक प्रतीक्षा किए बगैर आसानी से अपना मत डाल सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस बाबत जानकारी साझा करते हुए कहा कि मतदाता सूची भी बड़ी नहीं होगी और बीएलओ के लिए मतदाता सूची का सत्यापन एवं रखरखाव करना आसान हो जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी मतदेय स्थलों पर न्यूनतम आश्वासित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, जिसमें पीने का साफ पानी, महिला एवं पुरुष मतदाताओं के लिए अलग-अलग शौचालय, पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था, मतदेय स्थल पर पर्याप्त बिजली की व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं की व्हीलचेयर के लिए मतदेय स्थल पर स्थायी रैम्प उपलब्ध हो।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

उन्होंने कहा कि 83 साल की आयु से अधिक उम्र के सभी वयोवृद्ध मतदाताओं का शत प्रतिशत सत्यापन कराया जाय, जिससे ऐसे मतदाताओं की वास्तविक संख्या का पता चल सके, जिससे वर्ष 2027 के चुनाव में घर पर रहकर वोट डालने के लिए पात्र अधिकतम मतदाताओं की संख्या का सही आंकलन किया जा सके।

त्रुटिरहित सूची समेत महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश

अमृत विचार : आगामी विधान सभा निर्वाचन के मद्देनजर मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित एवं शुद्ध बनाने की कवायद तेज होने वाली है। आयोग ने मतदाता सूचियों में मतदाताओं की धुंधली, काली, अस्पष्ट तथा मानक के अनुरूप न पाये जाने वाली फोटो को यथाशीघ्र हटा कर उनके स्थान पर स्पष्ट व मानकानुसार फोटो अपलोड करने और दोहरी प्रविष्टियों को हटाने व मतदाताओं के मकान संख्या को सही से अंकित कराये जाने के निर्देश दिये। दरअसल, वर्तमान मतदाता सूचियों में मतदाताओं के नामों में त्रुटि होने, मतदाता की फोटो त्रुटिपूर्ण होने, मकान नम्बर की जगह शून्य दर्ज होने जैसे उदाहरण सामने आए हैं, ऐसे में सभी बीएलओ को ऐसी त्रुटियों को सही कराने के लिए मतदाताओं से फार्म-8 भरवाकर एक माह के भीतर मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिये। खासकर अयोध्या जिले के लिए यह भी कहा गया है कि जनसंख्या के लिंगानुपात के अनुरूप मतदाता सूची में महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ायी जाए।

17 तक कर सकेंगे दावे और आपत्तियां

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि मऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से सम्बन्धित सभी मतदाता अपना नाम मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उप्र. लखनऊ की वेबसाइट (ceouttarpradesh.nic.in) पर देख सकते हैं। जो व्यक्ति अर्हता तिथि 1 जुलाई को या उससे पूर्व अर्ह हो चुके हैं और उनका नाम किसी कारणवश प्रकाशित आलेख्य नामावली में अभी शामिल नहीं हो पाया है, तो निर्वाचक नामावली में नाम शामिल किए जाने को अपना आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 356-मऊ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में दावे और आपत्तियां 17 सितम्बर तक प्राप्त की जाएंगी।

बलरामपुर और श्रावस्ती आईजीआरएस में अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : आईजीआरएस की अगस्त माह की रिपोर्ट में प्रदेशभर में बलरामपुर और श्रावस्ती ने बराबर अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि शाहजहांपुर ने दूसरा और हमीरपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। आईजीआरएस द्वारा हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और जन शिकायत की सुनवाई की रिपोर्ट जारी की जाती है। अगस्त माह की रिपोर्ट के अनुसार बलरामपुर और श्रावस्ती ने मानक पूर्णांक 140 के सापेक्ष 137 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह शाहजहांपुर ने दूसरा, हमीरपुर ने तीसरा और पीलीभीत ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं सोनभद्र पांचवें पायदान पर है। वहीं टॉप टेन जिलों में बरेली, अमेठी, हाथरस, औरैया और चंदौली शामिल हैं।

राज्य पुरस्कार से 81 शिक्षक सम्मानित

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने 2204 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को वितरित किए टैबलेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1236 स्कूलों में स्मार्ट क्लास से डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम

अमृत विचार : शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन में शुक्रवार को बेसिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े कुल 81 शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान प्रदेश के 2204 माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को टैबलेट भी वितरित किए गए, जबकि 1236 स्कूलों में स्मार्ट क्लास का लोकार्पण कर डिजिटल शिक्षा की ओर बड़ा कदम बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वाहक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को मंच मिलना चाहिए। उन्होंने एससीईआरटी द्वारा तैयार की गई बाल कहानी संग्रह 'गुल्लक', हस्त पुस्तिका 'बाल वाटिका', नवाचारों की पुस्तिका 'उद्गम' का विमोचन किया। साथ ही 'उद्गम' के डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत भी की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1236 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया और पांच विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को इस बाबत मंच से प्रमाण पत्र प्रदान किया। इनमें बांदा के अजय प्रकाश सिंह, गाजीपुर के दिनेश यादव, गोरखपुर की किरणमई तिवारी, ललितपुर की अंजना वर्मा और गोरखपुर से विश्वप्रकाश सिंह शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दीपक कुमार, महानिदेशक कंचन वर्मा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्मार्ट क्लास का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री गुलाब देवी और संदीप सिंह।

सम्मानित शिक्षक

- बेसिक शिक्षा : संतोष कुमार सिंह (भदोही), रेनू सिंह (मेरठ), मोहिनी श्रीवास्तव (लखीमपुर), डॉ. रीना मिश्रा (प्रयागराज), प्रमोद कुमार सिंह (गोरखपुर)
- माध्यमिक शिक्षा : रामप्रकाश गुप्त (हमीरपुर), कोमल त्यागी (गाजियाबाद), चमन जहां (बरेली), जंगबहादुर (जौनपुर), डॉ. वीरेन्द्र पटेल (गोरखपुर)

सम्मान कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

- बेसिक शिक्षा के 66 और माध्यमिक शिक्षा के 15 शिक्षक सम्मानित।
- चयनित शिक्षकों को 25,000 की धनराशि, प्रशस्ति पत्र, मां सरस्वती की प्रतिमा और शाल भेंट की गई।
- गुल्लक पुस्तक के जरिए नैतिक मूल्यों और ज्ञान को सहज रूप से बच्चों तक पहुंचाने का प्रयास।
- समर कैंप और पौधरोपण पर आधारित शैक्षिक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन हुआ।

बालिकाओं की शिक्षा प्राथमिकता : संदीप सिंह

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि स्मार्ट क्लास, आधुनिक पद्धतियों और समावेशी कंटेंट के जरिए सरकार हर बच्चे तक समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने में सफल हो रही है। बालिकाओं की शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शिक्षक जीवन का मार्गदर्शक : गुलाब देवी

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन का मार्गदर्शक होता है। योगी सरकार ने नकल पर पूरी तरह नियंत्रण पाया है, अब नकल माफिया को आजीवन कारावास तक का प्रावधान है।

दुष्टों के संहार से ही सुरक्षित रहेगा राष्ट्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने कहा- दुर्गति की ओर ले जाती है किसी भी राष्ट्र के भीतर की अराजकता

अमृत विचार : मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों के संरक्षण और दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है। सुरक्षा के माहौल में ही समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

वे शुक्रवार को गोरखपुर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों पर आयोजित संगोष्ठी श्रृंखला के पहले दिन 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई राष्ट्र वाह्य रूप से सुरक्षित हो और आंतरिक रूप से सुरक्षित न हो तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है। ऐसा अराजक राष्ट्र शीघ्र समाप्त होने के कगार पर होता है। पाकिस्तान इसी तरह के अराजक राष्ट्र का उदाहरण है। आंतरिक अराजकता से वह पूरी तरह खोखला हो चुका है। उन्होंने कहा कि अराजकता किसी भी राष्ट्र को दुर्गति की ओर ले जाती है। दुर्गति से अस्तित्व पर संकट होता है। भारत प्राचीनकाल से ही इस पर सजग और सतर्क रहा है।

हर समस्या का कराएंगे समाधान : योगी

अमृत विचार : गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि घबराइए मत, आपकी समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएंगे। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर बिना ब्रेक सफर

एनएचएआई ने तैयार की योजना, टोल प्लाजा से नहीं घटेगी रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

टोल दरें रहेंगी राष्ट्रीय राजमार्ग से अधिक

प्रस्तावित दरों के अनुसार, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली राष्ट्रीय राजमार्ग की तुलना में लगभग 25% अधिक होगी। इसका कारण है उच्च गुणवत्ता की सड़क और तेज गति की यात्रा।

वाहन श्रेणी	एकल यात्रा	वापसी यात्रा
लाइट मोटर वाहन	125	181
मिनी बस/हल्के वाहन	200	294
बस और ट्रक (2 एक्सेल)	413	619
थ्री एक्सेल वाणिज्य वाहन	450	675
ओवरसाइज वाहन	794	1187

एनएचआई सूत्रों के अनुसार, यह दरें (रुपये में) संभावित हैं और इन्हें नवाबगंज टोल प्लाजा की वर्तमान दरों के आधार पर तय किया गया है, जिसमें 25% अतिरिक्त शुल्क जोड़ा गया है। यदि यह शुल्क हटाया जाएं तो दोनों दरों में समानता आ सकती है।

इन 5 स्थानों पर होंगे टोल प्लाजा

- मीरनपुर पिनवट (लखनऊ से चढ़ने के लिए)
- आजाद नगर (कानपुर से चढ़ने के लिए)
- खंडदेव (प्राधिकरण टोल बिंदु - काम में विलंब के बाद गति)
- बनी (लखनऊ के पास इंटरसेक्शन)
- अमरसस गांव (उन्नाव-लालगंज के समीप)

यानी वाहन अगर एक्सप्रेसवे पर चढ़ेंगे या उतरेंगे तो उन्हीं पांच स्थानों पर टोल वसूली होगी। इससे बीच मार्ग पर न तो ट्रैफिक रुकेगा और न ही अनावश्यक विलंब होगा।

एनएचएआई ने जानकारी दी है कि 15 दिसंबर तक लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। ज्यादातर निर्माण कार्य हो चुका है, केवल कुछ छोटे पैच और बिजली विभाग की लो-टेंशन लाइन को हटाना बाकी है। यह कार्य 14 सितंबर से शुरू किया जाएगा।

जीएसटी जनता की संतुष्टि से बड़ा नहीं

वित्त मंत्री व जीएसटी काउंसिल के सदस्य सुरेश खन्ना ने जानकारी की साझा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- सरकार पैसे कमाने के लिए नहीं बैठी
- जीएसटी दरें कम होने से होंगे दूरगामी परिणाम

अमृत विचार : वित्त मंत्री व जीएसटी काउंसिल के सदस्य सुरेश कुमार खन्ना ने शुक्रवार को जीएसटी की दरें कम होने से राजस्व पड़ने वाले प्रभावों पर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इससे शुरुआत में राजस्व को चोट पहुंच सकती है, लेकिन दूरगामी परिणाम सुखद होंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की संतुष्टि से बड़ा जीएसटी नहीं है, क्योंकि सरकार पैसे कमाने के लिए नहीं बैठी है। लंबी अवधि में जीएसटी सुधारों से राज्य की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार होगा और रोजगार के भी नये अवसर सृजित होंगे। जीएसटी काउंसिल की बैठक से लौटने पर शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी में सुधार बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जरूरी था।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना।

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव आम आदमी के हित में की गई एक बड़ी राहत है। छोटे व्यापारियों को तीन दिन के अंदर रजिस्ट्रेशन देने की बात की गई है, जो एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि अनुभव बताते हैं कि जब-जब कर की दर में कमी की गई है, तब तब वस्तुओं एवं सेवाओं का वॉल्यूम बढ़ा है यानी मांग बढ़ी है। मांग बढ़ने से अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। एक तरफ इनकम टैक्स में बड़ी छूट देने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से आम आदमी एवं व्यापारी काफी प्रसन्न है और सभी ने इसे सराहा है।

काउंसिल ने यूपी सरकार के प्रस्तावों को स्वीकारा

वित्तमंत्री ने यह भी बताया कि जीएसटी काउंसिल ने यूपी सरकार के प्रस्तावों को स्वीकार किया है। विलासिता की वस्तुओं पर टैक्स बढ़ा है। सरकार नशाखोरी को हतोत्साहित करना चाहती है। काउंसिल की 11 घंटे तक चली बैठक के बाद सभी राज्यों ने जीएसटी में बदलाव को ध्वनिमत से स्वीकार किया। जीएसटी सुधार आम आदमी के हित में सरकार का बड़ा कदम है।

सरकार ने अगस्त में करों से 606 करोड़ ज्यादा कमाए

लखनऊ। वित्तमंत्री के मुताबिक राज्य सरकार को अगस्त में मुख्य कर व करेत्तर राजस्व से 16,575 .70 करोड़ रुपये मिले हैं। यह धनराशि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के अगस्त माह के मुकाबले 606 .05 करोड़ रुपये अधिक है। वर्ष 2024-25 के अगस्त माह में कुल 15,969 .65 करोड़ रुपये ही मिले थे। अगस्त में जीएसटी से 6,611 .59 करोड़, वैट से 2,659 .95 करोड़, आबकारी से 3,754 .43 करोड, स्टांप तथा निबंधन से 2,538 .00 करोड, परिवहन से 786 .87 करोड़ तथा भूतत्व व खनिकर्म से 224 .86 करोड़ रुपये मिले हैं। भूतत्व व खनिकर्म को छोड़ अन्य सभी मदों में अधिक राजस्व हासिल हुआ है।

विकसित भारत @2047 | जेवर बनेगा देश का सबसे बड़ा एयर कार्गो और एमआरओ हब

हर मंडल में एयरपोर्ट, हर शहर बनेगा स्मार्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 117 नए शहरी निकाय, 5 वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी के निर्माण का लक्ष्य

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित भारत @2047' के संकल्प को मिशन मोड में बदलते हुए उत्तर प्रदेश को एविएशन और शहरी विकास में भारत का नेतृत्वकर्ता बनाने का रोडमैप तैयार किया है। सरकार का फोकस है कि आने वाले 22 वर्षों में यूपी देश का लॉजिस्टिक और एविएशन पावर सेंटर तो बने ही, साथ ही दुनिया के सामने शहरी विकास का भी आदर्श मॉडल बनेगा। हर मंडल में इंटरनेशनल एयरपोर्ट, हर जिले में हवाई संपर्क होगा। 117 नए शहरी निकाय, 5 वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी बनाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि आने वाले 22 वर्षों में यूपी देश का लॉजिस्टिक और एविएशन पावर सेंटर बने। इसके लिए "एक मंडल, एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट" का संकल्प लिया गया है। इस समय प्रदेश में 4 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे संचालित हैं, जबकि जेवर में बन रहा पांचवां एयरपोर्ट एशिया के सबसे बड़े और अत्याधुनिक हवाई अड्डों में शामिल होगा। जेवर एयरपोर्ट न केवल यात्री सुविधाओं बल्कि कार्गो और ट्रांजिट हब के रूप में भी भूमिका निभाएगा। यहां एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सेंटर की स्थापना से प्रदेश को वैश्विक विमानन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। प्रदेश में अब तक 16 घरेलू हवाई अड्डे संचालित हो चुके हैं और 5 निर्माणाधीन हैं। 2017 से पहले बेहद सीमित एयर कनेक्टिविटी वाले यूपी ने बीते साढ़े 8 वर्षों में ऐतिहासिक उड़ान भरी है।

इसी तरह पिछले आठ वर्षों में 117 नए शहरी स्थानीय निकाय बनाए गए और 123 का विस्तार किया गया। स्मार्ट सिटी योजना से 17 जिलों में अत्याधुनिक सुविधाएं पहुंची हैं। इसके अलावा राज्य राजधानी क्षेत्र (SRC) का गठन लखनऊ और आस-पास के 5 जिलों को मिलाकर किया गया है, जिससे योजनाबद्ध विकास की नई मिसाल कायम हो रही है।

सरकार का जोर स्वच्छ पेयजल, 24 घंटे बिजली, पक्के मकान, मेट्रो, लाइट मेट्रो और वैज्ञानिक सीवेज प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं पर है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा निस्तारण और रिसाइकलिंग की आधुनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, गोरखपुर और वाराणसी बनेंगे वर्ल्डक्लास

रोडमैप में शहरी विकास को भी एक नया आयाम दिया गया है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक यूपी के हर शहर को स्मार्ट बनाना और पांच अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्मार्ट सिटीज़ तैयार करना है। लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।

> शहरी और हवाई विकास केवल ढांचा खड़ा करने की योजना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का मिशन है। सरकार का यह विज़न यूपी को निवेश, कनेक्टिविटी और जीवन स्तर के मामले में देश का नहीं, बल्कि दुनिया का नेतृत्वकर्ता बनाएगा।
>
> -मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ

17 नगर निगमों को 477 करोड़ जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ, कानपुर, बरेली समेत प्रदेश के 17 नगर निगमों को इस बार पंचम वित्त आयोग की सिफारिश पर 477 करोड़ सात लाख रुपये जारी हुए हैं। इस कड़ी में सबसे अधिक 72.72 करोड़ रुपये लखनऊ नगर निगम को जारी हुए हैं। वहीं कानपुर को 62.17 करोड़ और बरेली को 21.57 करोड़ रुपये, जारी हुए हैं। मेरठ को 30 करोड़ और सहारनपुर को 16.21 करोड़ रुपये जारी हुए हैं। इसी क्रम में गाजियाबाद को 39.89 करोड़ रुपये, प्रयागराज को 38.38 करोड़ रुपये, आगरा को 29.39 करोड़ रुपये, अलीगढ़ को 21.60 करोड़ रुपये, गोरखपुर को 20.59 करोड़ रुपये जबकि मुरादाबाद को 21.01 करोड़ रुपये जारी किए हैं। माना जा रहा है कि इस बार काफी राशि विकास कार्यों के लिए उपलब्ध होगी।

नए आठ लाख वृद्धा पेंशनरों का होगा सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अक्टूबर में आनी है वृद्धावस्था पेंशन, 15 दिन का समय
- ट्रांजेक्शन फेल 1.10 लाख पेंशनरों का भी होगा सत्यापन

अमृत विचार : प्रदेश में वृद्धा पेंशन की दूसरी किस्त आने से पहले 15 दिन में कुल 67.50 लाख लाभार्थियों का घर-घर पारदर्शिता से सत्यापन करना समाज कल्याण विभाग के लिए चुनौती से कम नहीं है। समय को देखते हुए इस वर्ष बढ़े आठ लाख लाभार्थी और पहली किस्त का ट्रांजेक्शन फेल होने वाले 1.11 लाख लाभार्थियों का सत्यापन कराया जाएगा।

वृद्धा पेंशन का मई और जून में सत्यापन कराकर कुल 67.50 लाख लाभार्थियों को जुलाई में पहली किस्त मिली थी। अब इन्हें दूसरी किस्त अक्टूबर में मिलेगी। इससे पहले 15 सितंबर तक सभी लाभार्थियों का सत्यापन कराने के निर्देश मिले हैं। ऐसे में समाज कल्याण विभाग इस वर्ष शामिल हुए नये आठ लाख लाभार्थियों का ही सत्यापन कराने की तैयारी में है, क्योंकि नये लाभार्थी एक वर्ष के अंतराल में जुड़े हैं और उनका सत्यापन शुरुआती दौर में हुआ था। वहीं, पहली किस्त 1.11 लाख लाभार्थियों के गलत खाता नंबर, एनपीसीआई व आधार से लिंक न होने के कारण ट्रांजेक्शन फेल हो गए। इन लाभार्थियों का भी सत्यापन प्राथमिकता पर किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में भाजपा के जिला मंत्री की मौत

रसूलाबाद। बिरहुन निवासी भाजपा के जिला मंत्री शिवपाल सिंह (62) शुक्रवार शाम झींझक से बाइक पर से घर जा रहे थे, तभी तरौली के पास ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस इलाज के लिए सीएचसी लाई, जहां ईएमओ डॉ. बृजेश कुमार ने हालत चिंताजनक देखते हुए हैलट कानपुर रेफर कर दिया। जिला मंत्री के मोबाइल पर संपर्क करने पर उनके बेटे दीपक ने शिवपाल सिंह का हैलट में निधन हो जाने की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक हरमीत सिंह ने बताया कि हादसे में मौत की जानकारी मिली है।

प्राथमिकता से होगा शिकायतों का निपटारा

शिवली। मैथा के नए उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडेय ने कहा कि आम लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता से निपटारा किया जाएगा। सरकार की नीतियों पर सहूलियत दी जाएगी। बुधवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह ने राजकुमार पांडेय को मैथा का नया एसडीएम बनाया था। देश दीपक सिंह को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट बनाया है। राजकुमार पांडेय इससे पहले अयोध्या में 4 वर्ष से तैनात थे।

परसौली की रामलीला में पहुंचीं राज्यमंत्री

रनियां। रिंद नदी के किनारे परसौली चौराहे के श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में गुरुवार रात रामलीला हुई। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने फीता काटा और राम दरबार की आरती उतारी। कलाकारों का अभिनय देख लोग रात भर डटे रहे। जनक विलाप में लोग भाव विभोर हो उठे। लक्ष्मण-परशुराम संवाद में तालियों के साथ जयकारे लगे। यहां पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी, भाजपा नेता अंशु तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुशवाहा, इंद्र बहादुर कुशवाहा, प्रधान संजय पांडेय, अंगनू दद्दा, रामजी कुशवाहा, भारत यादव, राजेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

टैबलेट मिलते ही खिल उठे छात्रों के चेहरे

रनियां। पंडित कुंदन लाल शुक्ल महाविद्यालय में शुक्रवार को टैबलेट पाकर स्नातक उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। संरक्षक लक्ष्मीकांत शुक्ल ने डिजिटल शिक्षा के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोविड की महामारी के बाद ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल लर्निंग में तेजी आई है। सरकार का यह कदम युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सीएसआईआर नेट में पाई कामयाबी

रसूलाबाद। सीएसआईआर नेट परीक्षा में अजनपुर इंदौती के पूर्व प्रधान राममूर्ति राजपूत के पुत्र प्रदीप राजपूत ने सफलता पाई है। प्रदीप झाऊलाल गजोधर प्रसाद पीजी महाविद्यालय में कार्यरत हैं। परीक्षा में सिर्फ छह फीसदी अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण हुए हैं। सफल होने वालों में अजनपुर इंदौती के रहने वाले प्रदीप राजपूत भी शामिल हैं। लाइफ साइंस की इस परीक्षा में वह बॉटनी (वनस्पति विज्ञान) से उत्तीर्ण हुए हैं।

शोभायात्रा के साथ महोत्सव का समापन

रसूलाबाद। कस्बे के धर्मगढ़ बाबा मंदिर में 10 दिवसीय गणेश महोत्सव के समापन दिवस पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें नगर के पुरुषों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यात्रा में अबीर गुलाल उड़ाने के साथ ही युवक और युवतियां डीजे की धुनों पर थिरकते नजर आए।

गूंजते रहे जयकारे

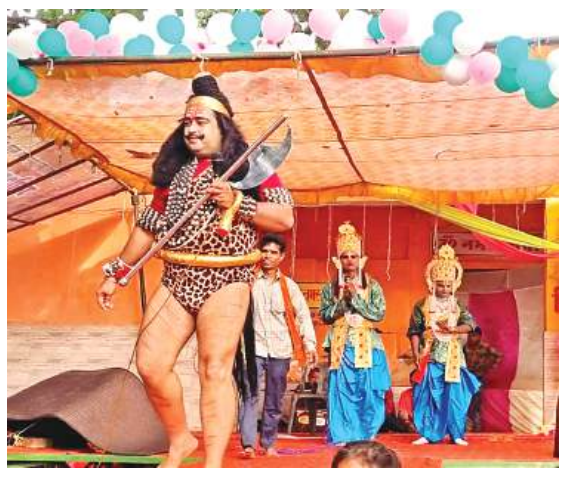

सिकंदरा के जवाहर नगर स्थित महाकालेश्वर मंदिर परिसर में गणेश महोत्सव के मौके पर गुरुवार की रात धनुष भंग लीला शुरू हुई, जिसमें शुक्रवार सुबह तक लक्ष्मण-परशुराम संवाद चला। इससे पहले श्री गणेश की महाआरती के साथ रामलीला की शुरुआत हुई। राजा जनक ने पुत्री सीता के स्वयंवर में शर्त रखी कि जो शिव धनुष उठा लेगा, उसे सीता जयमाला पहनाएंगी। कोई भी राजा धनुष को हिला तक नहीं सका तो जनक मायूस हो गए। गुरु विश्वामित्र के आदेश पर श्रीराम के धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढाते ही धनुष टूटकर दो खंडों में विभाजित हो गया। मंगल गीतों की गूंज के बीच सीता ने श्रीराम के गले में जयमाला पहनाई। धनुष टूटते ही परशुराम जनकपुरी पहुंचे और शिव धनुष को देखकर क्रोधित हुए। इसके बाद लक्ष्मण-परशुराम संवाद में जयकारे गूंजते रहे। • अमृत विचार

भांजे के प्यार में पागल मीना पति को धमकाती थी

अमृत विचार Follow UP

- 25 अगस्त को पंजाब जाते समय पति-पत्नी में हुआ था विवाद
- भांजे से फोन पर बात नहीं करने के वायदे पर गया था पंजाब

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: बहेलियन पुरवा मजरे बिरहुन में 31 अगस्त की रात एक साथ मामी-भांजे की मौत के मामले में पति सुखराम की जुबानी एक और कहानी सामने आई है। भांजे के प्यार में पागल मीना उर्फ मन्नू न सिर्फ अपने पति को दुत्कारती थी, बल्कि धमकाती भी थी। 25 अगस्त को पंजाब जाने से ठीक एक दिन पहले इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। दूसरे दिन सुखराम अपनी पत्नी के इस वायदे पर पंजाब चला गया था कि अब वह फोन पर भांजे से बात नहीं करेगी।

पत्नी और भांजे की मौत की खबर पाकर पंजाब से गांव आते समय बिल्हौर में ट्रेन से उतरने के बाद गिरकर जख्मी हुए सुखराम ने शुक्रवार को 'अमृत विचार' से खुलकर बातचीत की। बातचीत में यह बात भी सामने आई कि उसे अपनी पत्नी मीना उर्फ मन्नू और भांजे के बीच संबंधों की पूरी जानकारी थी, पत्नी की धमकियों से वह इतना भयभीत था कि खुलकर विरोध नहीं कर पाता था।

मीना उर्फ मन्नू।

जख्मी होने के बाद बहेलियन पुरवा वाले घर में दर्द से कराह रहे सुखराम ने उसकी पत्नी मीना के भांजे से काफी समय पहले से संबंध थे। वह जब भी इसका विरोध करता था तो पत्नी उसके साथ लड़ाई-झगड़ा और मारपीट करने पर आमादा हो जाती थी और धमकी देती थी कि अगर ज्यादा विरोध किया तो मैं तुम्हें भी मार दूंगी और खुद भी मर जाऊंगी। चार बच्चों की परवरिश को लेकर वह उसके आगे दब जाता था और चाहकर भी विरोध नहीं कर पाता था।

सुखराम ने बताया कि वह गंगा नगर पंजाब में रहकर काम करता है। 25 अगस्त को जब वह अपने काम पर गंगा नगर पंजाब जा रहा था, तब भी उसने पत्नी मीना उर्फ मन्नू को मना किया था कि वह मोबाइल फोन पर अब भांजे से बात न करें। इस पर पत्नी ने उसे धक्का दे दिया था, जिससे वह गिर गया था। मगर दूसरे दिन सुबह मीना ने उससे वायदा किया था कि अच्छा अब वह इंद्रेश को फोन नहीं करेगी और न ही बात करेगी। इसी वायदे पर वह पंजाब चला गया था। 31 अगस्त की शाम भांजे इंद्रेश के गांव आने पर पत्नी ने शाम लगभग 6-7 बजे फोन पर उसे इसकी जानकारी दी थी, लेकिन दूसरे दिन सुबह भतीजी मोहिनी ने पत्नी और भांजे के मरने की सूचना उसे फोन पर दी, तब वह यहां आया।

6 महीने से बढ़ गया था इंद्रेश का आना-जाना

उसने बताया कि गांव के किनारे वाला नया मकान बनने के पहले से कन्नौज जनपद के छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के निगोह गांव का रहने वाला उसका भांजा इंद्रेश बहेलियन पुरवा आता-जाता था। करीब 6 माह पहले जब उसने अपना मकान बनवाया, तब उसका आना-जाना ज्यादा बढ़ गया। नया मकान उसी के मौसेरे भाई विनोद कुमार ने बनाया था।

सुखराम बोला, अब केस लिखाने से क्या फायदा

पत्नी की हत्या और भांजे की मौत के बाद सुखराम का कहना है कि अब इंद्रेश के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने का फायदा ही क्या है। उसका कहना है कि जब पुलिस उसके पास आई तो वह होश में नहीं था। इंद्रेश के भाइयों की ओर से पोर्टल पर उसके विरुद्ध शिकायत किए जाने के बारे में उसने कहा कि उसे इसकी जानकारी नहीं है। उसने बताया कि इंद्रेश के दो भाई हेमराज और रावेश हैं। उसने बताया कि इंद्रेश का मोबाइल फोन पुलिस ले गई है। इंद्रेश का पिता मानसिंह फोन चलाना ही नहीं जानता है। उसके पास फोन नहीं है।

हादसे में महिला की मौत शव रौंदती रहीं गाड़ियां

शव बुरी तरह क्षत-विक्षत होने से शिनाख्त भी नहीं हो सकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- हाईवे पर विसायकपुर गांव के पास हुआ दर्दनाक हादसा
- महिला को रौंदने के बाद भाग निकला तेज रफ्तार वाहन

अमृत विचार: हाईवे पर जरा सी चूक में लोगों को जान से हाथ धोना पड़ रहा है। शुक्रवार की सुबह रनियां इलाके में सड़क पार कर रही महिला तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गई। कुछ देर तड़पने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव घंटों पड़ा रहा। इस दौरान कई वाहन उसके ऊपर से गुजर गए। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को उठाया और मर्चरी भेज दिया। महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

रनियां क्षेत्र में रायपुर से लेकर बारा टोल बैरियर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर हादसों से भरा है। थोड़ी सी असावधानी में लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। रनियां आबादी क्षेत्र में तो हालात बहुत ही खतरनाक हो चुके हैं। मंटोरा ओवरब्रिज से मयूर ओवरब्रिज तक करीब दो किलोमीटर में आए दिन सड़क हादसे होते हैं। पिछले सात-आठ सालों में यहां पैदल सड़क पार करते समय सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अनगिनत लोग अपाहिज हो चुके हैं। 2017 में यहां के लोगों ने एक हस्ताक्षर युक्त पत्र पीएमओ तक भिजवाया था, लेकिन एनएचएआई की लापरवाही से यहां ओवरब्रिज, एलीवेटेड पुल का निर्माण नहीं हो सका और सड़क हादसों में मौतों का आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है।

शुक्रवार की भोर हाईवे पर विसायकपुर के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने एक महिला को कुचल दिया और तेज रफ्तार से भाग निकला। महिला का शव काफी देर तक हाईवे पर ही पड़ा रहा और शव के ऊपर से वाहन गुजरते रहे, जिससे उसकी पहचान हो पाना मुश्किल हो गया। इस संबंध में रनियां इंस्पेक्टर शिवनारायण सिंह ने बताया कि शव को मर्चरी में रखवाया गया है, शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

ट्रेन में बिगड़ी हालत फिर थम गईं सांसें

पुखरायां। झांसी से कानपुर जा रही जन साधारण सुपर फास्ट ट्रेन में एक युवक की हालत बिगड़ गई। साथी ने झांसी कंट्रोल रूम को सूचना दी, लेकिन मदद मिलने से पहले उसकी सांसें थम गईं। पुखरायां स्टेशन पर ट्रेन से उतारने के बाद आरपीएफ ने एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया, जहां मृत घोषित कर दिया गया।

फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाना क्षेत्र के सिमौर निवासी लवकुश पुत्र जुग्गीलाल ने बताया कि वह गांव के गुलाब सिंह पुत्र छोटेलाल (30) के साथ में मुम्बई में राजगीरी का काम करता था। गुलाब के बीमार होने पर ट्रेन से घर छोड़ने जा रहा था। झांसी के पास गुलाब सिंह की हालत बिगड़ी और मौत हो गई। सूचना झांसी कंट्रोल रूम को दी। स्टेशन मास्टर वीके प्रजापति ने बताया कि झांसी कंट्रोल रूम की सूचना पर आरपीएफ कांस्टेबल हरपाल सिंह ने जन साधारण सुपर फास्ट ट्रेन मृत अवस्था में युवक को उतारकर एंबुलेंस से सीएचसी भेजा था।

राजपुर पीएचसी से जनरेटर गायब, खंगाले जाएंगे कैमरे

संवाददाता, राजपुर

- डिप्टी सीएमओ बोले, पता नहीं चलने पर होगी एफआईआर

अमृत विचार: राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का जनरेटर गायब है। अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। डिप्टी सीएमओ का कहना है कि जनरेटर का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले जाएंगे और अगर नहीं मिला तो पुलिस को तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। वह पीएचसी में एक्सपायरी दवाएं मिलने की जांच कर रहे हैं।

बुधवार को राजपुर पीएचसी की ओपीडी में कुत्ता बैठने की खबर दैनिक 'अमृत विचार' में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद डिप्टी सीएमओ/ पीएचसी के नोडल अधिकारी डॉ. आदित्य सचान ने गुरुवार को पीएचसी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी थी। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ को पीएचसी के शौचालय व परिसर के अलावा प्रमुख गेट के पास गंदगी का अंबार मिला था। इतना ही नहीं, प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के साथ जननी सुरक्षा वार्ड में भर्ती होने वाली महिलाओं के कक्ष में कुत्ता बैठा देख डिप्टी सीएमओ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी।

राजपुर पीएचसी के वार्ड में बैठा कुत्ता।

इसके बाद उन्होंने इमरजेंसी कक्ष में दवाइयों का निरीक्षण किया था, जिसमें एक्सपायरी डेट की दवाइयां मिली थीं। इमरजेंसी वार्ड में दो माह एक्सपायर एविल इंजेक्शन मिला था। सबसे खास बात यह है कि अस्पताल का सरकारी जनरेटर गायब था। डिप्टी सीएमओ ने अधीक्षक डॉ. अमित निरंजन समेत पूरे स्टाफ को फटकार लगाई थी।

डिप्टी सीएमओ डॉ. आदित्य सचान ने पीएचसी की खामियों और एक्सपायरी दवाइयों की रिपोर्ट सीएमओ को भेजने की बात कही थी। फिलहाल अधिकारियों की ओर से कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई है। पीएचसी परिसर से जनरेटर गायब होने के मामले में डिप्टी सीएमओ डॉ.आदित्य सचान ने कहा कि अभी पता नहीं चला है। अब कैमरे खंगाले जाएंगे। एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है।

शिक्षक दिवस पर गुरुओं का सम्मान, महिमा का बखान

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: आरपीएस इंटर कॉलेज में शुक्रवार 5 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा और शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान भी किया गया।

विद्यालय के प्रबंधक संत कुमार गुप्ता उर्फ संतू भैया ने प्रमाण पत्र देकर शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों में जितेंद्र त्रिपाठी जीतू, अजय पाल यादव, दुर्गेश त्रिपाठी, शिशुपाल सिंह पाल, राजकुमार श्रीवास्तव, नीरज दुबे, शैलेंद्र सिंह, अनुजा शुक्ला, मुजस्सिम खान, प्रीति यादव आदि शामिल हैं। पुरस्कार वितरण के पूर्व प्रबंधक ने मां सरस्वती व पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन, विद्यालय के संस्थापक प्रबंधक स्व. राजेंद्र प्रसाद गुप्त के चित्र पर माल्यार्पण किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधानाचार्य वीके शर्मा रहे। इसी तरह, स्नेहलता गुप्ता मेमोरियल डिग्री कालेज में भी शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम हुआ। प्रबंधक विनीत गुप्ता ने शिक्षकों का माल्यार्पण करने के साथ स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि गुरु को किसी परिधि में सीमित नहीं किया जा सकता। प्राचार्य डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने महापुरुषों के चरित्र का अनुकरण करने तथा महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु तत्पर अनेक समितियों से लाभ लेने पर बल दिया। उप प्रबन्धक प्रवेश कुमार यादव ने सभी को शुभ कामनाएं दी एवं छात्र-छात्राओं को. पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सीखने की सलाह दी। डा दिनेश राजपूत, डा सिद्धराम राजपूत, डा आलोक वर्मा, डा सन्तोष अनुराधा, डा राजीव राजपूत, बाजपेयी, डा सीके निपाठी, सचिन कटियार, विमल यादव, डा आरएन शुक्ला, अजीत गुप्ता, विवेक पांडेय आदि रहे।

आरपीएस इंटर कॉलेज में सम्मानित किए गए शिक्षक। अमृत विचार

रास्तपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बच्चों ने गुरुजनों से केक कटवाया। अमृत विचार

सम्मान में बच्चों का आदर और प्यार देख डबडबा आईं गुरुजनों की आंखें

कानपुर देहात। शिक्षक दिवस पर रास्तपुर गांव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बच्चों ने अपने गुरुजनों का सम्मान करने के लिए आपस में चंदा जुटाया। फिर शिक्षकों से केक कटवाया। इसके बाद अपने शब्दों में गुरु के प्रति अपनी भावनाएं प्रकट कीं। बच्चों का आदर भाव देख शिक्षकों की आंखें भर आईं। बारावफात की छुट्टी होने पर स्कूल बंद था, मगर गतिविधियां रोज की तरह हुईं। बच्चे पहले ही पहुंच गए। आपस में रूपरेखा बनाई। शिक्षक पहुंचे तो तैयारियां पूरी थीं। बच्चों ने सामान्य दिनों की तरह दैनिक प्रार्थना की। इसके बाद राष्ट्र गान गाया। इसके बाद बच्चों ने शिक्षकों से क्लास रूम चलने का आग्रह किया। शिक्षक पहुंचे तो क्लास रूम पुष्प, माला और रंग-बिरंगे कार्डों से सजा था। टेबल पर केक और मिठाइयां थीं। बच्चों ने गुरुजनों से केक कटवाया और फिर अपने शब्दों में अपनी बात कही। प्रधानाध्यापिका ज्योति त्रिपाठी और वरिष्ठ शिक्षक मिथिलेश कुमार मिश्रा ने बच्चों को शुभाशीष दिया। बच्चों से कहा कि वह मन लगाकर पढ़ाई करें। शिक्षा के बगैर सब कुछ अधूरा है। शिक्षा, शेरनी का वह दूध है, जिसे जो पिएगा, वह दहाड़ेगा। शिक्षा उज्जवल और सार्थक भविष्य की कुंजी है।

चारपाई से उतरते ही सांप के डसने से बच्चे की मौत

संवाददाता, शिवली

- राज्यमंत्री और तहसीलदार ने दर्द बांट दिया मदद का भरोसा

अमृत विचार: मारग मैथा गांव में में गुरुवार की रात बच्चे के चारपाई से पैर नीचे रखते ही सांप ने डस लिया। उसे सीएचसी से हैलट रेफर किया गया, मगर रास्ते में ही सांसें थम गईं। परिवार की महिलाओं में कोहराम मच गया।

अंश।

मारग मैथा निवासी राकेश कमल का 3 वर्षीय पुत्र अंश ने गुरुवार की रात लगभग 10:30 बजे बाथरूम जाने के लिए जैसे ही चारपाई के नीचे पैर रखा, नीचे बैठे सांप ने डस लिया। बच्चे के चिल्लाने पर घर के लोग दौड़े। हालत बिगड़ते देख एम्बुलेंस से सीएचसी लाए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में सांसें थम गईं। अंश बड़ा बेटा था। बहन आंशिका (4) और 2 माह का छोटा भाई आदर्श है। मौत से मां वंदना, पिता राकेश व बाबा रामकुमार बिलख पड़े। तहसीलदार सुनील कुमार, कोतवाल प्रवीण यादव कानूनगो राजकुमार राठौर, प्रधान अखिलेश राठौर, मैथा व्यापार मंडल अध्यक्ष दयालु गुप्ता मौके पर पहुंचे। तहसीलदार सुनील कुमार ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला भी पहुंचीं।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066

Vikash Pathak

मुस्तैद रहा प्रशासन

बारावफात पर मुस्लिम इलाकों में रोशनी से नहाए घर, जुलूसों के साथ मनाई गईं ईद मिलादुन्नबी की खुशियां

रात में जश्न-ए-चिरागां, दिन में हर तरफ जुलूसों की रही धूम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार: शुक्रवार को बारावफात का त्योहार जिले भर में उत्साह से मनाया गया। जगह-जगह रोशनी की गई। डीजे साउंड के साथ भारी भरकम जुलूस निकले। जुलूस में शामिल लोगों के लिए रास्तों पर जलपान का भी इंतजाम किया गया। जुलूस के दौरान पुलिस-प्रशासन ने पूरी चौकसी बरती। इंतजामिया कमेटियों ने रात को कव्वालियों के प्रोग्राम की तैयारी की।

पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा के जन्मदिन पर घरों, गलियों और मस्जिदों को भव्य रूप से सजाया गया। रोशनी की गई। रात को तकरीरें हुई। अन्य कार्यक्रम भी हुए। शहर काजी मोहम्मद उवैस रजा ने जश्न-ए-ईद मिला दुन्नबी के कार्यक्रमों के बारे में पत्रकारों को जानकारी दी। बताया कि जश्न को 1500 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि त्योहार का संदेश है कि इंसान अच्छे से जिंदगी गुजारे। लोग मिल जुल कर रहें। बच्चों के अधिकार कायम रहें। एमएचएस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अदनान ने कहा कि हुजूर के आमद की खुशी में त्योहार मनाया जाता है। त्योहार में हमें अमन-चैन का पैगाम देना है। पत्रकार वार्ता में तारिक खान, सादिक अली, पप्पू कबाड़ी, मुस्तकीम, सब्बन आदि रहे।

बीती रात रोशनी के कार्यक्रमों के बाद शुक्रवार की सुबह अलग-अलग जगहों पर जुलूस निकले। अकबरपुर शहर के पास सटे गांव बदलापुर से पहला जुलूस निकला। इसके बाद शहर की एमएचएस कमेटी ने भी बड़ा जुलूस निकाला। गलियों से होकर जुलूस गल्ला मंडी पहुंचा। रास्ते में कई जगहों पर लोगों ने जुलूस का इस्तकबाल किया। शामिल लोगों को जलपान कराया। गल्ला मंडी मैदान पर हर साल की तरह इस बार भी मुशायरे और कव्वालियों के प्रोग्राम की तैयारी है। जिले के पुखरायां, रसूलाबाद, झींझक, शिवली, रूरा, सिकंदरा, राजपुर, रनियां, डेरापुर आदि जगहों पर भी बारावफात का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया।

अकबरपुर में जश्न-ए-चिरागां से खिली रात। अमृत विचार

रसूलाबाद में जुलूस-ए-मोहम्मदी के दौरान खासा उत्साह दिखा। अमृत विचार

धूमधाम से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

रसूलाबाद। बारावफात पर क्षेत्र में एक दिन पहले जश्न-ए-चिरागा हुआ तो शुक्रवार को जुलूस-ए-मोहम्मदी निकला। मुख्य चौराहे से निकला जुलूस विषधन तिराहा, लोहिया नगर, रहीम नगर, नेहरू नगर, कबीर नगर, हजरत गुलपीर शाह बाबा की मजार से विकास नगर, फिर आजाद नगर पहुंचा। यहां पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने तकरीर में कहा कि इस्लाम मोहब्बत से फैला है। मोहम्मद साहब जब दुनियां में तशरीफ़ लाए तब इंसानियत नहीं थी, उन्होंने लोगों को इंसानियत का संदेश दिया।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी संदलपुर कानपुर देहात।

पत्रांक बी.ई.ओ./ जर्जर-नीलामी / 308/ 2025-2026 दिनांक 03-09-2025

सार्वजनिक नीलामी सूचना

शासनादेश संख्या- 15/68-5-2020 दिनांक 22 जनवरी 2020 एवं जिला बेसिक अधिकारी कानपुर देहात के पत्रांक पु०सं० एस०एस०ए०/ 9205-10/2025-26 दिनांक 01-09-2025 के निर्देशों के क्रम में विकास खण्ड संदलपुर में तकनीकि सत्यापन के उपरान्त प्राप्त जर्जर परिषदीय विद्यालय भवनों की नीलामी विद्यालय के नाम के सम्मुख अंकित तिथि व समय को विद्यालय प्रबंध समिति के समक्ष सम्बन्धित विद्यालय प्रांगण में नीलामी समिति की उपस्थिति में की जायेगी।

क्र. सं.	जर्जर भवन का नाम	आगणित मूल्य (रू. में)	नीलामी की प्रस्तावित तिथि	समय
1	प्रा.वि. बहवलपुर	12303 रू.	09-09-2025	प्रात:11.00
2	प्रा.वि. भाव सिंह का पुरवा	34873 रू.	09-09-2025	प्रात: 11.00
3	उच्च प्राथमिक विद्यालय पल्हनापुर	13642रू.	09-09-2025	प्रात: 11.00
4	प्रा०वि० आराजी बिछियापुर	1408 रू.	09-09-2025	प्रात: 11.00
5	उच्च प्राथमिक विद्यालय अचरौली कम्पोजिट	12899रू.	09-09-2025	प्रात: 11.00

इच्छुक व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि सम्बन्धित विद्यालय में जाकर प्र.अ. से जानकारी प्राप्त कर जर्जर भवन का अवलोकन कर लें, तथा नीलामी में आगणन की 10 प्रतिशत धनराशि के साथ उपस्थित हो। सर्वाधिक बोली लगाने वाले व्यक्ति द्वारा सम्पूर्ण नीलामी की धनराशि सम्बन्धित विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में जमा करने के उपरान्त ही विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा ध्वस्तीकरण हेतु आदेश दिया जायेगा, जिसके 10 दिवस के अन्दर विद्यालय परिसर से जर्जर भवन हटाना होगा।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
संदलपुर कानपुर देहात।

आढ़त की दुकान में नकब लगाकर चोरी

क्षेत्र के रौतापुर बंबा चौराहे पर गुरुवार रात हुई घटना, ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर बेला मार्ग पर दो घंटे लगाया जाम

संवाददाता, चौबेपुर

- व्यापारियों और ग्रामीणों में दिखा जबरदस्त आक्रोश
- पुलिस के समझाने और जल्द खुलासे के आश्वासन पर माने

अमृत विचार। क्षेत्र के बेला मार्ग रौतापुर बंबा स्थित आढ़त दुकान में नकब लगा गुरुवार रात चोरों ने नकदी समेत करीब एक लाख का माल पार कर दिया। सुबह घटना की जानकारी पर आक्रोशित ग्रामीणों ने बेला मार्ग पर जाम लगाकर पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। पुलिस द्वारा समझाए जाने व मामले का खुलासा जल्द किए जाने के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। इस दौरान करीब 2 घंटे तक मार्ग पर आवागमन अवरुद्ध रहा।

क्षेत्र के भगवंतपुर गांव निवासी सत्यम अवस्थी की बेला रोड स्थित रौतापुर बंबा चौराहे के निकट गल्ले की आढ़त है। गुरुवार रात मौका पाकर दुकान के पीछे साइड की दीवार काट कर अंदर घुसे चोरों ने गोलक में रखे 14 हजार रुपये, लाही व उड़द आदि अनाजों की बोरियां पार कर दीं। सुबह घटना की जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। चोरी की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन की ।

घटना की जानकारी होते ही स्थानीय दुकानदारों, व्यापारियों व ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया और ग्रामीणों ने बेला मार्ग पर जाम लगाकर पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी शुरू कर दी।

लगभग दो घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस द्वारा समझाये जाने व वह घटना का खुलासा अतिशीघ्र किए जाने के आश्वासन पर लोग शांत हो गए। गौरतलब है कि जिस स्थान पर गुरुवार रात चोरी की वारदात हुई, वहां बीते दो माह के दौरान चोरी की चार घटनाएं हो चुकी हैं। घटनाओं को लेकर दुकानदार व्यापारी व स्थानीय लोग परेशान हैं। चोरों के भय से लोग रात रात भर पहरा देने को विवश हैं। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह राठौर ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर घटना के खुलासे के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान ।

चोरी की घटना के बाद प्रदर्शन करते आक्रोशित व्यापारी। अमृत विचार

पहले की वारदातों का नहीं हुआ खुलासा

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र में चोरी की पूर्व में हुई घटनाओं का खुलासा न हो पाने व एक के बाद होती वारदातों से लोगों में असुरक्षा की भावना है।

रौतापुर बम्बा चौराहा पर दो माह के दौरान चोरी की अन्य घटनाओं में गौरीलक्खा गांव के आशीष शुक्ला, भगवंतपुर के राजा शुक्ला, चौबेपुर के छोटू की दुकानों को भी चोर अपना निशाना बना चुके हैं। इतना ही नहीं गत दिनों चोरों ने विसुनपुर गांव निवासी रामस्वरूप शर्मा के घर का ताला तोड़ लाखों रुपये के जेवरात व नकदी पार कर दी थी। इसके कुछ दिन ही पहले इंदलपुर जुगराज गांव स्थित जनसेवा केंद्र का ताला तोड़ चोरों ने लैपटॉप समेत अन्य कीमती सामान उड़ा लिया था। कस्बे के ब्रह्म नगर मोहल्ला निवासी आर्यन दुबे के मकान को चोरों ने दिनदहाड़े उस समय निशाना बनाया जब गृह स्वामी अपनी दुकान पर था और परिजन कार्यवश बाहर गए हुए थे। भवानीपुर स्थित कृष्णा ग्रीन्स में भी सूना घर पाकर चोरों ने सामान पार कर दिया। मोहनी निवादा गांव व कस्बा निवासी अनिरुद्ध गुप्ता के घर 16 नवंबर की रात हुई लाखों की चोरी की घटनाओं का खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। गौरतलब है कि चोरी की उक्त ज्यादातर वारदातों में सीसीटीवी कैमरों में चोर कैद भी हुए हैं। बावजूद इसके पुलिस इन तक नहीं पहुंच सकी है।

शिक्षक दिवस पर गुरुओं को किया गया सम्मानित

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। 5 सितंबर को देश के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जयंती के मौके पर कानपुर जिला अधिकारी सभागार में तमाम विकासखंड क्षेत्र के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। हालांकि किसी कारणवश जिलाधिकारी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके लेकिन स्नातक विधायक अरुण पाठक ने क्षेत्र के तमाम शिक्षकों को सम्मानित किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर कानपुर नगर जिलाधिकारी के सभागार में क्षेत्र के तमाम शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्नातक विधायक अरुण पाठक ने सभी को शाल ओढ़ाकर व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। इनमें अलियापुर के बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ. राम रानी पालीवाल और बीआरडी इंटर कॉलेज के अध्यापक अभय त्रिपाठी, ककवन के दुर्गा प्रसाद स्मारक नेहरू इंटर कॉलेज के शिक्षक वाचस्पति शास्त्री को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रयासों को सराहा गया । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष राय सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह ,प्रशांत द्विवेदी तथा एसआरजी राजेश यादव मौजूद समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

सम्मानित होने के बाद खड़े शिक्षक और शिक्षिकायें।

न्यूज ब्रीफ

नाले में पड़ा मिला नवजात का शव

घाटमपुर । घाटमपुर के सजेती में एक मां ने ममता को शर्मसार कर दिया। नवजात को सड़क किनारे नाले में फेंककर मौके से भाग निकली। ग्रामीणों ने सड़क किनारे नवजात का शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची सजेती पुलिस ने जांच पड़ताल की। सजेती थाना क्षेत्र के बांध गांव में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे नाले में ग्रामीणों ने एक नवजात का शव पड़ा देखा तो हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने डायल 112 पर फोनकर पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची सजेती पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल की जांच पड़ताल की। लेकिन पुलिस को अभी तक नवजात को फेंकने वाली मां का पता नहीं चला सका है। वहीं ग्रामीणों में तरह तरह की चर्चायें हो रही हैं। इस घटना ने मां की ममता को शर्मसार कर दिया है। सजेती थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि नवजात के शव को नाले से निकालकर जमीन में गड्ढा दफन करावा दिया गया है।

मामा का मोबाइल व नकदी लेकर गायब

हमीरपुर। बिरखेरा की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी नाबालिग पुत्री 2 माह से ननिहाल विदोखर मेंदनी में रह रही थी। पिछले दिनों वह भाई मनोज कुमार का मोबाइल एवं नकदी लेकर लापता हो गई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

वृद्ध की गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज

हमीरपुर। ललपुरा थाना क्षेत्र के पौथिया निवासी रामप्रकाश ने थाने में तहरीर देकर बताया कि एक सप्ताह पहले भाई श्रीपाल कहीं चला गया है। कई जगहों पर तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। उपनिरीक्षक संगम लाल प्रजापति ने बताया गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश की जा रही है।

1.450 किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

हमीरपुर। कोतवाली निरीक्षक रामासरे सरोज ने बताया कि क्षेत्र के इटाइल निवासी भूपेंद्र पुत्र मूलचंद सैदपुर औंडेरा मार्ग पर पॉलिथीन में 1 किलो 450 ग्राम गांजा लिए खड़ा था। सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। बताया कि आरोपी युवक क्षेत्र में घूम घूम कर गांजे की पुड़िया पैकेट बनाकर बेंचता था।

आईआईटी बीएचयू व यूपीसीडा के बीच एमओयू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी ने वाराणसी के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बीएचयू में आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। साथ ही सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जी सतीश रेड्डी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आईआईटी (बीएचयू) और यूपीसीडा के बीच एक एमओयू पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य अकादमिक संस्थानों और उद्योगों के बीच घनिष्ठ सहयोग स्थापित करना है। इसका मुख्य फोकस तकनीकी हस्तांतरण को बढ़ावा देना, स्टार्टअप्स के इनक्यूबेशन को समर्थन देना तथा शोध को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों से जोड़ना है। यह साझेदारी राज्य में इनोवेशन-आधारित विकास को गति देगी, बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करेगी और रोजगार के व्यापक अवसर उत्पन्न करेगी।

आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा के साथ यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी।

- इस समझौते से उद्योगों के बीच घनिष्ठ होंगे संबंध
- मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जी सतीश रेड्डी उपस्थित रहे

मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी ने कहा कि "शिक्षक हमारे समाज और राष्ट्र की रीढ़ हैं। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से ही छात्र शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। यूपीसीडा और आईआईटी बीएचयू का यह सहयोग शिक्षा, अनुसंधान एवं उद्योगों के बीच सेतु का कार्य करेगा, जो भविष्य की औद्योगिक प्रगति और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है। यूपीसीडा का यह संयुक्त प्रयास प्रदेश में नवाचार, अनुसंधान आधारित औद्योगिक विकास और निवेश वृद्धि के लिए नए आयाम स्थापित करेगा।

साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में तकनीक के महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि यूपीसीडा आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से औद्योगिक क्षेत्रों को स्मार्ट, पारदर्शी और निवेशक–हितैषी बना रहा है, जिससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि और प्रक्रियाओं में सुगमता सुनिश्चित हो रही है।

औद्योगिक क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीक आधारित स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था से ऊर्जा दक्षता बढ़ने के साथ-साथ महिला सुरक्षा को भी सुदृढ़ की जा रही है। इस अवसर पर मुख्य काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी, आईआईटी (बीएचयू) के निदेशक प्रो. अमित पत्रा, डीन आदि उपस्थित रहे।

नहर में डूबने से किशोर की मौत

घाटमपुर। घाटमपुर के रेउना में गणेश विसर्जन में गए किशोर की डूबकर मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची रेउना पुलिस ने गोताखोरों की मदद से 9 घंटे की कड़ी मशक्कत से किशोर के शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रेउना थाना क्षेत्र के इचौली गांव निवासी राकेश उर्फ फज्जू पासी का 14 वर्षीय एकलौता बेटा करन गणेश विसर्जन कार्यक्रम में शामिल होने की बात कहकर घर से निकला था। इस दौरान रेउना थाना क्षेत्र में स्थित खारजा नहर में विसर्जन के बाद नहाने के दौरान किशोर की नहर में डूबकर मौत हो गई। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची रेउना पुलिस के द्वारा क्षेत्र के गांव कटरी निवासी रामऔतार निषाद, मौजीलाल निषाद आदि गोताखोरों को बुलाकर किशोर की तलाश नहर में शुरू कराई। नहर में लगभग नौ घंटे तक गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद किशोर के शव को नहर से बाहर निकाला है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के साथ किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रेउना थाना प्रभारी आनंद कुमार पाण्डेय ने बताया कि किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र तारिक अंसारी का चाल चलन ठीक न होने और उसके गलत आचरण से क्षुब्ध होकर उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किए गए कृत्यों का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। हमारा उससे कोई लेना देना नहीं है। **नफीस अहमद पुत्र इमाम बख्श नि. मोहल्ला मकनियापुरा महोबा, जि0 महोबा**

सूचना

मेरे आधार कार्ड में पिता का नाम पदम प्रकाश बागड़ी है, जबकि शैक्षिक अभिलेखों में पिता का नाम पदम बागड़ी अंकित है। पदम प्रकाश बागड़ी एवं पदम बागड़ी दोनों नाम मेरे पिता के ही है। **रोहित बागड़ी पुत्र श्री पदम प्रकाश बागड़ी निवासी 4/2, किराना बाजार, पुराना कोठा पार्चा, फर्रूखाबाद उ0प्र0**

सूचना

मैंने अपना नाम ABIDA ALI से बदलकर ABID ALI रख लिया है भविष्य में मुझे ABID ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABBASALEE R/O PURE LONIYAN ORIPUR, AMETHI

सूचना

मेरी छोटी पुत्री आत्मिका सिंह के पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम आत्मिका दर्ज है जबकि आधार कार्ड में आत्मिका सिंह दर्ज है जो कि सही है, पासपोर्ट में आत्मिका सिंह दर्ज करना आवश्यक है। **मुकेश कुमार पुत्र प्रेमशंकर निवासी ए.165 आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव।**

सूचना

मैंने अपना नाम SHAHIDA ALI से बदलकर SHAHID ALI रख लिया है भविष्य में मुझे SHAHID ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O ABID ALI R/O PURE LONIYAN ORIPUR, AMETHI

सूचना

मैंने अपना नाम FAISAL AHMAD से बदलकर FAISHAL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे FAISHAL AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये S/O SAGIR AHMAD R/O C-628/89G GAZIPUR INDIRA NAGAR, LUCKNOW

सूचना

मेरी बड़ी पुत्री आंशिका सिंह के पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम आंशिका दर्ज है जबकि आधार कार्ड में आंशिका सिंह दर्ज है जो कि सही है, पासपोर्ट में आंशिका सिंह दर्ज करना आवश्यक है। **मुकेश कुमार पुत्र प्रेमशंकर निवासी ए.165 आवास विकास कॉलोनी, थाना दही, जनपद उन्नाव।**

सूचना

मैं **सैय्यद अमीर हैदर रिजवी पुत्र रजा अब्बास, निवासी– ग्राम अब्दुल्लापुर शाहजादपुर अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर,** मेरे पिता का वास्तविक नाम RAZA ABBAS है। जबकि मेरे हाईस्कूल अंकपत्र सन 2021 अनुक्रमांक 2310288?7 में पिता का नाम SAYED RAZA ABBAS RIZVI है। जो त्रुटिपूर्ण है। अतः मेरे हाईस्कूल अंकपत्र में पिता का नाम SAYED RAZA ABBAS RIZVI के स्थान पर RAZA ABBAS अंकित किया जाय।

परास में पुजारी ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के परास गांव में शेषाऔतार मंदिर के पुजारी ने मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची घाटमपुर पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल कराने के साथ पुजारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के परास गांव निवासी शिवभजन गांव के किनारे स्थित शेषाऔतार मंदिर में पूजा अर्चना करते थे।

रोज की तरह वह मंदिर पहुंचे, उन्होंने मंदिर की साफ सफाई करने के बाद मंदिर में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। इसके बाद पुजारी ने मंदिर परिसर में स्थित पेड़ पर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुजारी को फांसी के फंदे पर लटकता देख ग्रामीणों ने घटना की सूचना फोन कर पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची घाटमपुर पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल पर जांच पड़ताल कराने के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अभी तक पुजारी के फांसी लगाकर जान देने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि सूचना मिली थी, पुजारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सजेती में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो घायल

संवाददाता घाटमपुर

- ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार, घायलों का इलाज जारी

अमृत विचार । कानपुर हमीरपुर हाईवे पर सजेती थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे एक दुर्घटना हो गई। नेयवेली लिग्नाइट पावर प्लांट के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक पीछे से टक्कर मार दी। इससे बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गये। घायल युवकों की पहचान रचित तिवारी और सादाब के रूप में हुई है।

दोनों एक मेडिकल कंपनी में काम करते हैं। सादाब लखनऊ का रहने वाला है। दोनों कंपनी के काम से कानपुर से हमीरपुर जा रहे थे। रचित के अनुसार टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल हमीरपुर ले जाया गया।

जश्न जुलूस के दौरान जगह–जगह पर मिठाई व शर्बत का किया गया वितरण

अदबो एहतराम से निकला जुलूस–ए–मोहम्मदी

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। हजरत मोहम्मद साहब के 1500वें जन्म दिन के मौके पर बिल्हौर तहसील क्षेत्र में जगह जगह जश्ने -ईद-मिलादुनब्बी के जूलूस निकाले गए जिसमें भारी संख्या में मुस्लिम धर्म के लोग शामिल हुए । कानपुर कमिश्नरी के गाइड लाइन के अनुसार जूलूस को पुलिस ने अपनी निगरानी में संपन कराया।

पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के सम्मान में निकाले गए इन जुलूसों में लोगों का उत्साह चरम पर था। जुलूस में शामिल लोग हरे और सफेद झंडे लहराते हुए 'सरकार की आमद, मरहबा' और 'नारे तकबीर' जैसे नारे लगा रहे थे। जुलूस के आगे-आगे सजी हुई गाड़ियां और झांकियां चल रही थीं जिन पर पैगंबर साहब की शान में नात और कलाम पढ़ी जा रही थी। इनमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी बड़े जोश के साथ हिस्सा ले रहे थे। इन जुलूसों के दौरान कई जगहों पर स्थानीय लोगों द्वारा शर्बत और मिठाई बांटकर लोगों का स्वागत भी किया गया, जिससे सांप्रदायिक सौहार्द का माहौल बना रहा।

जुलूस निकालते मुस्लिम समाज के लोग। अमृत विचार

सुरक्षा की दृष्टि से मौजूद पुलिस बल। अमृत विचार

- मोहम्मद साहब के 1500वें जन्मदिन पर दिखा उत्साह
- पुलिस की रही चाक चौबंद व्यवस्था

पुलिस और प्रशासन की रही चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था: जुलूसों की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने पहले से ही व्यापक तैयारी कर ली थी। शांति समिति की बैठकों में समुदाय के प्रमुख लोगों के साथ मिलकर सुरक्षा की रणनीति तैयार की गई थी। संवेदनशील स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल, पीएसी और सिविल डिफेंस के जवान तैनात किए गए थे।

ड्रोन से की गई विशेष निगरानी

- ककवन में ड्रोन का उपयोग सुरक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। पुलिस ने ड्रोन के माध्यम से जुलूस के पूरे मार्ग की हवाई निगरानी की। इससे भीड़ की गति, लोगों की संख्या और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नज़र रखने में मदद मिली, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हुई।

वरिष्ठ अधिकारियों की रही सक्रिय भूमिका

- बिल्हौर में जुलूस के दौरान, एसीपी अमरनाथ यादव और प्रभारी निरीक्षक अशोक सरोज ने न सिर्फ मौके पर मौजूद रहकर सुरक्षा का जिम्मा संभाला, बल्कि वे लगातार जुलूस के साथ चल रहे थे। उन्होंने स्थानीय नेताओं और जुलूस आयोजकों के साथ समन्वय बनाए रखा ताकि यातायात सुचारु रहे और कोई अव्यवस्था न फैले।

कार्यालय उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल नौबस्ता हमीरपुर रोड, कानपुर
E-mail-ddeknpngr@gmail.com, 0512-2626031

पत्रांकः नि0ख0का0(ई–टेण्डर)/2025–861 **निविदा सूचना (ई–टेण्डर)** दिनांकः 05/09/2025

मण्डी समिति औरैया के अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत, वित्तीय रूप से सुदृढ़ एवं अनुभवी ठेकेदारों से दिनांक 29.09.2025 को ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। आमंत्रित ई–निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनांक 29.09.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। टेण्डर डोक्यूमेन्ट www.etender.up.nic.in पर दिनांक 08.09.2025 से दिनांक 29.09.2025 की अपरान्ह 01:30 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना, मुख्य नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्यालय में तथा उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी, पढ़ी व डाउनलोड की जा सकती है:–

क्र0 सं0	जनपद	मण्डी का नाम	कार्य का नाम	निविदा शुल्क + 18% जी0एस0टी0 (रू0)	अनुमानित लागत (रू0 लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख)	अवधि	पंजीकरण श्रेणी
1	जालौन	औरैया	औरैया जालौन रोड पर शंकरपुर विजूआ होते हुए महामई तक मरम्मत कार्य। लं0 2.00 किमी0 2025 RKUMP 1071421_1	3200+580 =3780.00	20.82	2.09	पॉच माह	''द''
2	जालौन	औरैया	बावली कुठौद रोड से ग्राम भोजापुर तक मरम्मत कार्य। लं0 1.10 किमी0 2025 RKUMP 1071424_1	1700+310 = 2010.00	11.04	1.11	पॉच माह	''द''
3	जालौन	औरैया	कुठौद माधोगढ रोड पर भोजापुर से जलालपुर तक मरम्मत कार्य। लं0 2.52 किमी0 2025 RKUMP 1071425_1	3800+690 =4490.00	25.17	2.52	पॉच माह	''द''
4	औरैया	औरैया	सोनासी सम्पर्क मार्ग की मरम्मत का कार्य। लं0 2.99 किमी0 2025 RKUMP 1071432_1	9100+1640 =10740.00	60.34	5.02	पॉच माह	''स''

शर्त– 1. ई–निविदा के साथ निविदा मूल्य उपनिदेशक (निर्माण), राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद कानपुर के नाम भारतीय स्टेट बैंक शाखा नौबस्ता कानपुर में संचालित खाता संख्या– 30394511570, IFSC code SBIN0002586 में तथा धरोहर धनराशि खाता संख्या– 30394511831, IFSC code SBIN0002586 में जमा कर रसीद निविदा के साथ अपलोड की जायेगी तथा मूल प्रति हार्ड कापी के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। निर्धारित निविदा मूल्य एवं धरोहर धनराशि उपरोक्त खातों में निर्धारित समयावधि तक जमा करना अनिवार्य है। किसी भी कारण से निर्धारित समयावधि के उपरान्त जमा धनराशि मान्य नहीं होगी। 2. मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांक:मु0अभि0–2/ (1168/ भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांक: 17.11.2022 द्वारा जारी आदेश/निर्देश के क्रम में ''द'' श्रेणी को छोड़कर ''अ'', ''ब'' एवं ''स'' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त करने के उददेश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम व शर्तो के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी0ए0 द्वारा प्रमाणित वॉछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है। 3. उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के केवल मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार / फर्में भी प्रतिभाग कर सकती है। किसी अन्य विभाग के ठेकेदार / फर्म उक्त निविदा में प्रतिभाग नहीं कर सकते है। **उपनिदेशक (निर्माण) मण्डी परिषद, कानपुर**

सुविचार

जब जुल्म होता है तो केवल आत्मसम्मान ही है जो उठ खड़ा होता है और कहता है कि इस जुल्म को आज ही खत्म होना होगा क्योंकि न्याय मेरा अधिकार है।

- सरोजिनी नायडू

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- आवास विकास के फ्लैट 15 तक कर सकेंगे बुक- II
- शिक्षकों का सम्मान, छात्रों को बताया अभिमान- III
- जुलूस-ए-मोहम्मदी में लहराए हजारों झंडे- IV

कानपुर, शनिवार 6 सितंबर 2025

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिविल लाइंस-एमराल्ड गुलिस्तां में जमीन के दाम आसमान पर

शहर में नए सर्किल रेट लागू किए गए, अब मकान, दुकान और फ्लैट खरीदना हुआ और महंगा

जमीन सोना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर में नए सर्किल रेट लागू शुक्रवार से लागू कर दिए गए। इसके बाद मेहरबान सिंह पुरवा में जमीन सबसे महंगी हो गई है। मेहरबान सिंह पुरवा में आवासीय जमीन की दरें 4600 रुपए से बढ़कर 10,000 रुपए प्रति वर्ग मीटर हो गई है। स्वरुप नगर में पहले 62000 रुपये प्रतिवर्ग मीटर रेट था जो बढ़ाकर 80000 रुपये कर दिया गया है। जाजमऊ स्थित एमराल्ड गुलिस्तां में मौजूदा सर्किल रेट को लगभग 80 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। नए सर्किट रेट लागू होने से लोगों के लिए शहर में जमीन दुकान, मकान और फ्लैट खरीदना और महंगा हो गया है। हालांकि फ्लैट पर कॉमन सुविधा शुल्क के रूप में लगने वाला 18 प्रतिशत शुल्क समाप्त कर दिया गया है।

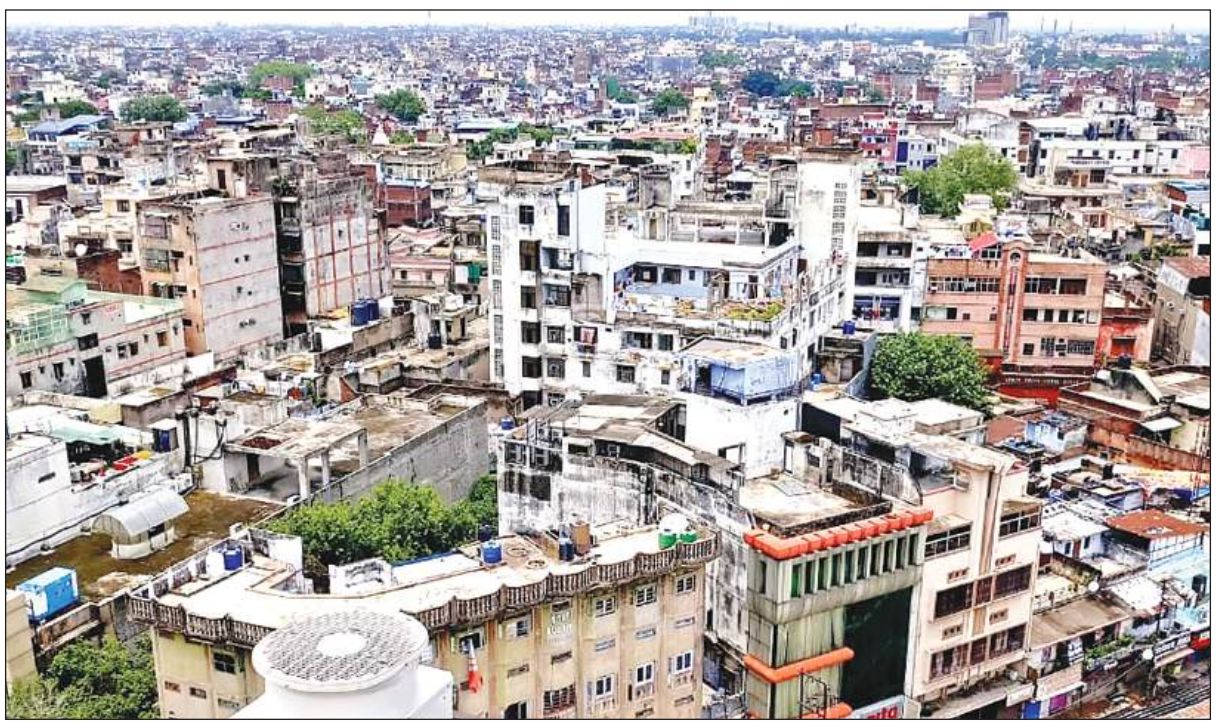

शहर में जमीन खरीदना और महंगा हो गया है।

अब कहां कितना सर्किट रेट

इलाका	पुरानी दर	नई दर
स्वरुप नगर	62000	80000
कलक्टरगंज	59000	77000
गज्जूपुरवा	16500	22000
एमराल्ड गुलिस्तां	23000	40000
परेड	36000	47000
परमट	27000	36000
पी रोड	65000	72000
बिरहाना रोड	59000	77000
मॉल रोड	59000	75000
मूलगंज	52000	67000
लाटूश रोड	48000	53000
सिविल लाइंस	41000	77000
सीसामऊ	41000	54000
हालसी रोड	59000	68000
आर्य नगर	62000	75000
इंद्रानगर	30000	36000
अशोक नगर	39500	52000
कर्नलगंज	34500	44000
खलासी लाइन	31000	39000
गांधी नगर	34500	44000
चमनगंज	34500	44000
तिलक नगर	62000	74000
चुन्नीगंज	34500	50000
न्यू हाईवे सिटी	21000	33000
बह्म नगर	37000	52000
बेनाझाबर	62000	74000
विष्णुपुरी	37000	50000
मकरार्बटगंज	32000	42000
जूही खुर्द	17000	30000

यहां सबसे ज्यादा महंगी हुई जमीन

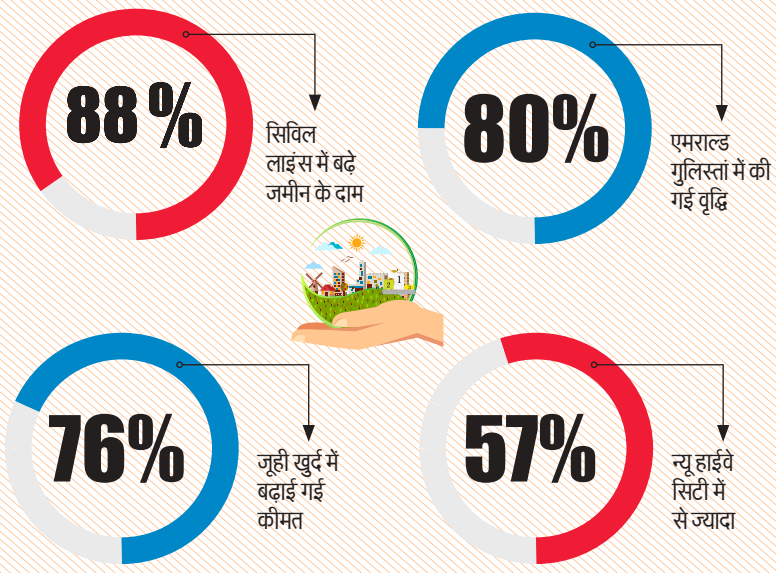

स्रोत : सभी आंकड़े जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराएं गए हैं।

किस क्षेत्र में कितने % वृद्धि

सदर- 1 **26.75%**

सदर- 2 **34.27%**

सदर- 3 **34.99%**

सदर- 4 **28.83%**

घाटमपुर - 27.20

नर्वल - 31.66

बिल्हौर - 22.90

75 आपत्तियों का निस्तारण, किए गए जरूरी संशोधन

कानपुर। कई महत्वपूर्ण संशोधनों के बाद 75 आपत्तियों का निस्तारण करते हुए शुक्रवार से शहर में पुनरीक्षित सर्किल दरें लागू की गई हैं। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि जनपद के उप निबन्धक कार्यालयों सदर प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, नर्वल, बिल्हौर एवं घाटमपुर के सर्किल दरों के पुनरीक्षण प्रस्ताव पर 9 से 21 अगस्त तक आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं। 22 अगस्त को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित आपत्ति निस्तारण बैठक में प्राप्त 75 आपत्तियों का निस्तारण कर आवश्यक संशोधन करने के बाद संशोधित सर्किल दरें 5 सितम्बर से प्रभावी कर दी गई हैं।

- **कृषि भूमि की खरीद में मिली थोड़ी राहत :** नगरीय और अर्द्धनगरीय क्षेत्रों में कृषि भूमि के मूल्यांकन संबंधी पूर्व व्यवस्था को अव्यावहारिक पाते हुए संशोधित व्यवस्था लागू कर दी गई है। इसके अंतर्गत 0.051 हेक्टेयर तक कृषि दर का चार गुना, 0.051 से 0.102 हेक्टेयर तक तीन गुना, 0.102 से 0.205 हेक्टेयर तक दो गुना तथा 0.205 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल पर निर्धारित कृषि दर से मूल्यांकन किया जाएगा। बड़े अकृषक आवासीय भूखण्डों के अंतरण में 1000 से 2000 वर्गमीटर तक 20 प्रतिशत, 2000 से 3000 वर्गमीटर तक 25 प्रतिशत तथा 3000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल पर 30 प्रतिशत मूल्य ह्रास प्रदान किया गया है।

4 मंजिला भवनों में 60% तक मूल्य ह्रास मंजूर, कॉमन शुल्क समाप्त

- नए सर्किल रेट में अब चार तल तक के बहुमंजिला आवासीय भवन की इकाई/फ्लैट/तल के निर्माण मूल्य में 30 से 60 प्रतिशत तक मूल्य ह्रास अनुमन्य होगा तथा कॉमन सुविधा शुल्क की देयता, जो पूर्व में न्यूनतम 18 प्रतिशत के रूप में थी, पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। बड़े भूखंडों में अब 1000 से 2000 वर्गमीटर तक 20%, 2000 से 3000 वर्गमीटर तक 25% और 3000 वर्गमीटर से अधिक पर 30% मूल्य ह्रास दिया जाएगा।
- **फार्म हाउस संपत्तियों का मूल्यांकन नई व्यवस्था से :** फार्म हाउस संपत्तियों का मूल्यांकन अब नई व्यवस्था से होगा। फार्म हाउस में निहित कृषि भूमि का मूल्यांकन निर्धारित कृषि दर से तथा अकृषक भूमि का अकृषक दर से किया जाएगा, लेकिन 0.102 हेक्टेयर तक कृषि भूमि का मूल्यांकन निर्धारित कृषि दर के तीन गुना पर किया जाएगा। इस नई व्यवस्था से फार्म हाउस की संपत्ति का वास्तविक बाजार मूल्य सुनिश्चित होगा।

सिटी ब्रीफ

56 कार्यों के लिए 10 को पड़ेंगे टेंडर

कानपुर। नगर निगम में 56 कार्यों के लिए 10 सितंबर को टेंडर पड़ेंगे। एलईडी फिटिंग, पोल, टॉवर व अन्य लाइटिंग के कार्य के लिए यह टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। जिसमें शोभायात्रा मार्ग, प्रमुख चौराहों पर खराब लाइटिंग व्यवस्था को दूर करने की योजना है। नगर निगम प्रभारी अभियंता के अनुसार जल्द ही कार्य शुरू हो जाएंगे।

केडीए दुरुस्त करेगा प्रकाश व्यवस्था

कानपुर। केडीए अपनी योजनाओं में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने जा रहा है। करीब 1 करोड़ रुपये से महावीर नगर विस्तार के प्रमुख मार्गों, सड़कों, सकरापुर आवास योजना में गोल चौराहे के पास, हाइवे सिटी में, कृष्णापुरम स्थित मेजर तलवार पार्क, केडीए घंटाघर स्थित तोता पार्क में लाइटिंग व्यवस्था दुरुस्त होगी। केडीए ने इसको लेकर टेंडर आमंत्रित कर दिए हैं।

टूटी सड़क पर हुई मरम्मत

चकेरी। जाजमऊ में नए गंगापुल से पहले जर्जर सड़क पर एनएचएआई ने पैचवर्क कराया। दिन में ही कार्य कराने की वजह ये हाईवे पर यातायात रेंगता रहा। यहां गंगापुल से पहले सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए थे, जिससे वाहन सवारों को निकलने में समस्या होती थी। एनएचएआई की टीम ने सड़क पर डामरीकरण कर दिया। टीम ने आधी सड़क पर बेरिकेडिंग लगाकर डामरीकरण किया।

सेंट्रल स्टेशन पर रात में परीक्षार्थियों का हुजूम। अमृत विचार

पीईटी परीक्षार्थियों के लिए आज और कल विशेष ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पीईटी परीक्षार्थियों के लिए शनिवार एवं रविवार को गाजियाबाद से कानपुर सेंट्रल के मध्य रेलवे प्रशासन ने विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि इस ट्रेन में स्लीपर कोच 16 व पार्सलयान 2 कोच होंगे। शनिवार को गाड़ी संख्या 04496 गाजियाबाद से दोपहर 2.20 बजे रवाना होगी। दादरी दोपहर 2.50 बजे, अलीगढ़ सायं 4.23 बजे, हाथरस सायं 4.53 बजे, फिरोजाबाद सायं 6.18 बजे, इटावा सायं 7.25 बजे, फफूंद रात 9.17 बजे, रुरा रात 8.50 बजे, कानपुर सेंट्रल रात 10.10 बजे पहुंचेगी। रविवार को गाड़ी संख्या 04498 गाजियाबाद से सायं 7 बजे रवाना होगी। दादरी सायं 7.30 बजे, अलीगढ़ रात 9.08 बजे, हाथरस रात 9.40 बजे, फिरोजाबाद रात 11.08 बजे, इटावा रात 00.28 बजे, फफूंद रात 1.23 बजे, रूरा रात 1.58 बजे, कानपुर सेंट्रल स्टेशन रात 3.20 बजे पहुंचेगी।

पीईटी परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने 550 बसों को रूटों पर उतारा है। 85 ई बसों को भी रूटों पर लगाया गया है। ये जानकारी परिवहन के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने दी।

92 हजार परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

- **कानपुर।** शहर में शनिवार व रविवार को प्रारंभक अर्हता परीक्षा आयोजित होगी। इस परीक्षा में 23016 परीक्षार्थियों के अनुसार दो दिन में 92064 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए शहर में 65 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। परीक्षा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था कामय की गई है। हर केंद्र में परीक्षार्थी को तलाशी देकर परीक्षा केंद्र के भीतर पहुंचना होगा। शुक्रवार को परीक्षा के लिए केंद्रों में तैयारी होती रही। परीक्षा में उपयोग होन वाले सीसीटीवी की जांच को भी अंतिम रूप दिया गया। इसके अलावा परीक्षा केंदों में तैनात किए अधिकारियों को भी कार्यक्षेत्र का वितरण किया गया।

गंगा में दो दोस्त डूब गए तलाश में जुटे गोताखोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गंगा में उफान देखकर तीसरा दोस्त पीछे हटा, परिजनों को दी खबर

अमृत विचार। महाराजपुर के शेखपुर घाट पर शुक्रवार गंगा नहाने उतरे दो दोस्त गहरे पानी में डूब गए। तीसरा दोस्त यह देखकर भाग आया। पीएसी गोताखोर टीम ने स्टीमर की मदद से दोनों दोस्तों की तलाश शुरू की, लेकिन देर शाम तक उनका कुछ पता नहीं चला।

चकेरी के संजीवनगर के रहने वाले तीन दोस्त 13 वर्षीय सूर्या, 14 वर्षीय रौनक दुबे और उसका रौनक दो साइकिलों से गंगा स्नान करने शेखपुर घाट गए थे। रौनक के अनुसार उसका नामाराशि दोस्त सबसे पहले गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने पहुंचा सूर्या भी तेज बहाव व गहरे पानी में आ गया। दोनों दोस्तों को डूबता देख वह बचाने बढ़ा, लेकिन गहराई देखकर डर गया और लौट आया। उसने तत्काल मोबाइल से सूर्या के पिता को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे सूर्या के पिता रिंकू ने रौनक के परिजनों को घटना की खबर दी। इसके बाद शेखपुर चौकी पुलिस को बताया। सूचना पाकर पहुंची शेखपुर पुलिस किशोरों की तलाश में जुटी। गंगा का उफान देखकर पीएसी गोताखोर टीम बुलाई गई।

सांड़ों की लड़ाई में चली गई अधेड़ की जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- टक्कर से तालाब में गिरा साइकिल सवार सचेंडी के मानशिला मंदिर के पास हादसा
- मां की पहले हो चुकी है मौत, अनाथ हुईं दो बेटियां, परिजनों में मचा कोहराम

अमृत विचार। सचेंडी में दो सांड़ों की लड़ाई में टक्कर लगने से साइकिल सवार अधेड़ तालाब में जा गिरा। उसे डूबता देख पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत बता दिया। अधेड़ की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। 10 साल पहले मां फिर पिता की मौत से दोनों बेटियां अनाथ हो गईं।

सचेंडी के दिलीपपुर गावं निवासी 49 वर्षीय मनोज मजदूरी करते थे। परिवार में मां प्रेमवती, छोटा भाई विनोद और दो बेटियां जैनी व जया हैं। पत्नी मंजू की 10 साल पहले किडनी खराब होने से मृत्यु हो गई थी। पिता गेंदालाल ने बताया कि बीते कई दिनों से मनोज को बुखार आ रहा था।

शुक्रवार सुबह साइकिल से दवा लेने सचेंडी जा रहा था। रास्ते में मानशिला मंदिर के पास पहुंचा, तभी अचानक लड़ते हुए दो सांड़ मनोज के सामने आ गए और सांड़ों की टक्कर से वह साइकिल सहित सड़क किनारे तालाब में जा गिरा। मनोज तालाब में लगी सिंघाड़ा की बेलों में फंस गया, इससे निकल नहीं पाया। कुछ देर तक छटपटाने के बाद उसका शरीर शांत हो गया। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला और निजी अस्पताल ले गए।

जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनोज की मौत की खबर पाकर परिजनों व बेटियों में कोहराम मच गया।

मनोज। (फाइल फोटो)

मवेशियों की धमाचौकड़ी, अफसर सुनते नहीं

- सांड़ों की लड़ाई में मनोज की मौत से ग्रामीणों में जबरदस्त नाराजगी दिखी। ग्रामीणों ने बताया कि आलम यह है कि शाम को अंधेरा होने के बाद खेतों की तरफ जाने से डर लगता है। सड़कों पर मवेशियों का झुंड जमा होता है। पैदल निकलना दूभर हो जाता है। दुपहिया वाहन चालकों को देखकर रात में मवेशी दौड़ा लेते हैं। अचानक आंख पर रोशनी पड़ने पर पटक देते हैं। मवेशियों के बीच से लोग दुपहिया वाहन बंद करके पैदल निकलते हैं, फिर वाहन स्टार्ट करके जाते हैं। मवेशियों के कारण स्थितियां बहुत खराब है, लेकिन शिकायत करने के बाद भी अफसर सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

तारे-सितारे

ग्रहण का मध्य काल रात 11:41 बजे और मोक्ष काल रात 1:27 बजे, सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 26 मिनट से प्रारंभ होगा

7 सितंबर को रात 9:57 बजे से पूर्ण चंद्र ग्रहण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। साल का दूसरा और भारत में साल का पहला चंद्र ग्रहण भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि को 7-8 सितंबर की रात में लगेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। भारत में इसे देखा जा सकेगा। यह काफी लंबा चंद्र ग्रहण भी होगा। चूंकि, यह भारत में देखा जा सकेगा इसलिए इसका सूतक भी मान्य होगा। भाद्रपद पूर्णिमा को चंद्र ग्रहण रहेगा इसलिए पूर्णिमा का श्राद्ध दोपहर 12 बजकर 26 मिनट के पहले अवश्य कर लें।

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि भारतीय समयानुसार ग्रहण की शुरुआत रात 9:57 बजे से होगी। ग्रहण का मध्य काल रात 11:41 बजे और मोक्ष काल रात 1:27 बजे होगा। ग्रहण का स्पर्श, मध्य व मोक्ष संपूर्ण भारत में दृश्यमान रहेगा। यह ग्रहण भारत के अतिरिक्त पश्चिमी प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, पूर्वी अटलांटिक महासागर, अंटार्कटिका, एशिया, आस्ट्रेलिया, यूरोप आदि में दिखाई देगा। ग्रहण शुरू होने से लगभग 9 घंटे पहले सूतक काल की शुरुआत हो जाती है। इस बार सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 26 मिनट से प्रारंभ होगा और पूरे ग्रहण काल तक प्रभावी रहेगा। शास्त्रों के अनुसार देव-प्रतिमाओं का स्पर्श, पूजा-पाठ और हवन जैसे कार्य वर्जित माने गए हैं। जप और ध्यान करना इस समय कई गुना फलदायी होता है।

चंद्र ग्रहण (प्रतीकात्मक फोटो)

- पूर्णिमा का श्राद्ध दोपहर 12 बजकर 26 मिनट के पहले अवश्य कर लें

सभी 12 राशियों पर पड़ेगा असर

- चंद्रग्रहण का प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखा जाएगा। यह ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लग रहा है। शनि की राशि में घटित हो रहा है। ऐसे में हर किसी को सतर्क रहने की जरूरत है। चंद्र ग्रहण का समय परिवर्तन का समय होता है। चंद्रमा मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डालता है। यही कारण है कि चंद्र ग्रहण भवनात्मक रूप से बहुत प्रभावित करता है। चंद्र ग्रहण के दौरान हमारे मन में बहुत उथल-पुथल मचा रहता है। इस दौरान लिए कई निर्णय गलत और भविष्य को प्रभावित करने वाले हो सकते हैं। चंद्र ग्रहण में जप और ध्यान से नकारात्मक भावनाओं को अपने अवचेतन मन से बाहर निकालने का अच्छा समय होता है। पूर्ण चंद्र ग्रहण में नकारात्मक चीजें काफी बलशाली हो जाती हैं लेकिन जो लोग ध्यान,जप करते हैं, वो अपनी ऊर्जा को बलशाली बना सकते हैं। चंद्र ग्रहण के दौरान मंत्र जाप करने और दान-पुण्य करने से भी विशेष लाभ प्राप्त होता है।

7 सितंबर से होगी पितृपक्ष की शुरुआत

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृ पक्ष प्रारंभ होते हैं। इनका समापन आश्विन मास की अमावस्या तिथि पर होता है। इस बार 7 सितंबर रविवार को पितृ पक्ष की शुरुआत होगी, जो 21 सितंबर रविवार तक रहेगा। यह अवधि मुख्य रूप से पूर्वजों की आत्मशांति के लिए श्राद्ध कर्म के लिए जानी जाती है। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि मान्यताओं के अनुसार इन दिनों पितृ अपने परिवार को आशीर्वाद देने का लिए धरती पर आते हैं। उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण आदि कार्य किए जाते हैं। कहा जाता है कि विधि विधान से पितृों के नाम से तर्पण आदि करने से वंश की वृद्धि होती है और पितृों के आशीर्वाद से व्यक्ति को सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है। शास्त्रों के अनुसार, पितृपक्ष में कुछ नियमों का पालन करना चाहिए वरना पितृ नाराज हो जाते हैं। ज्योतिषाचार्य पं.मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी मृत व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितृ संबंधित कार्य करने से पितृों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि-विधान से पितृ संबंधित कार्य करा जाए तो पितृों का आर्शावाद प्राप्त होता है। श्राद्ध पक्ष के दौरान श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का महात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित होता है।

सिटी ब्रीफ

प्रिवेंट बिफोर डैमेज कार्यक्रम 7 को

कानपुर। मर्चेंट चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश की हेल्थ एंड लाइफस्टाइल मैनेजमेंट समिति द्वारा 7 सितंबर को प्रिवेंट बिफोर डैमेज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कार्डियोलॉजी, सर गंगा राम हॉस्पिटल, दिल्ली के चेयरमैन प्रो. (डॉ.) जेपीएस साहनी होंगे। यह जानकारी शुक्रवार को डॉ. अवध दुने ने दी। बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य हृदय स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करना और हृदय रोगों से बचाव के उपायों पर चर्चा करना है। वार्ता में डॉ एएस. प्रसाद व डॉ. उमेश पालीवाल भी मौजूद रहे।

व्यापारियों ने बांटी मिठाई

कानपुर। जीएसटी की दरों के कम होने की खुशी में शुक्रवार को व्यापारियों ने मिठाई वितरण किया। इस दौरान व्यापारियों ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को मिठाई खिलाई। इस दौरान भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिला अध्यक्ष गुरुज़िन्दर सिंह ने कहा कि सरकार की ओर से उठाए गए इस कदम से बाजारों में खरीदारों की संख्या में इजाफा होगा। प्रदेश युवा संगठन महामंत्री विनायक पोद्दार, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह, टास्क फोर्स संयोजक पवन गौड़ भी मौजूद रहे।

7 तक बूंदाबादी

कानपुर। शहर में 7 सितंबर तक बूंदाबादी के आसार मौसम विभाग की ओर से जताए गए हैं। सीएसए विवि के मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि मौसम में नए पैदा हुए सिस्टम की वजह से गरज चमक के साथ हल्की व मध्यम बूंदाबादी के आसार हैं।

ब्रह्मावर्त और गंगा इन्क्लेव योजना में खाली हैं सैकड़ों फ्लैट, छूट के साथ ले सकेंगे

आवास विकास के फ्लैट 15 तक कर सकेंगे बुक, पंजीकरण शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

03 तरह के फ्लैट मौजूद हैं योजना में

08 वर्षों से बेचने की कवायद चल रही

319 फ्लैट अभी भी खाली पड़े हैं

83 फीसदी फ्लैट खाली हैं 386 फ्लैटों में

- विभाग की वेबसाइट पर ही बुक करें, 12 मंजिल तक बने हैं टॉवर

अमृत विचार। उप्र. आवास एवं विकास परिषद की अंबेडकरपुरम योजना में निर्मित फ्लैट योजना में फ्लैट की बुकिंग शुरू हो गई है। 15 सितंबर तक विभाग की वेबसाइट के जरिए ही आवेदन कर सकेंगे। गंगा एन्क्लेव व ब्रह्मावर्त अपार्टमेंट में कुल 386 फ्लैटों में 83 फीसदी फ्लैट खाली हैं। कई समस्याओं से घिरे यह फ्लैट्स कई वर्षों से खाली हैं। जिनको लेने में लोग रुचि नहीं दिखा रहे थे, इसलिए विभाग ने अब बड़ी छूट के साथ फ्लैट्स की री-लांचिंग की है।

पिछले दिनों लखनऊ में हुई बोर्ड की बैठक में फ्लैट्स को छूट के साथ बेचने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। शहर में उप्र. आवास एवं विकास परिषद ने अपनी दो योजनाओं गंगा एन्क्लेव व ब्रह्मावर्त अपार्टमेंट में बने फ्लैट को बेचने के लिए आवेदन मांग लिए हैं। गंगा एन्क्लेव में 9 मंजिल तक 3 तो 12 मंजिल तक 2 बीएचके फ्लैट के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं, ब्रह्मावर्त अपार्टमेंट में तीसरे माले तक 2 बीएचके फ्लैट के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

गंगा इन्क्लेव में बने फ्लैट। अमृत विचार

50 फीसदी भुगतान करने पर कब्जा

- विशेष पंजीकरण योजना 3.0 विस्तार के तहत प्राथमिकता के आधार पर फ्लैट्स का चयन करने की सुविधा दी गई है। विभाग के अनुसार सरकारी अधिकारी व कर्मचारी 50 फीसदी भुगतान करने पर कब्जा ले सकते हैं। वहीं, 60 दिन में एकमुश्त भुगतान पर 5 फीसदी तक की छूट की घोषणा की गई है। गंगा इन्क्लेव में 101.79 से 132.88 स्क्वॉयर मीटर कारपेट एरिया है। तो वहीं, ब्रह्मावर्त में 55.63 से 73.72 स्क्वॉयर मीटर कारपेट एरिया है।

गंदगी, पानी की किल्लत से आवंटी परेशान

- आवास विकास की पनकी-कल्याणपुर के रास्ते में बनी योजनाओं में रहने वाले मौजूदा आवंटी समस्याओं से परेशान हैं। योजना के आस-पास गंदगी, पानी की समस्या, खराब सड़कें, टूटी बिल्डिंग के चलते आवंटियों ने हंगामा भी किया। लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके चलते नए आवंटी भी योजना में रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

3, 2 और स्टडी टाइप टू फ्लैट

- आवास विकास परिषद ने गंगा एन्क्लेव में 3 बीएचके टाइप 1, टाइप 2, 2 बीएचके टाइप 1 और स्टडी टाइप टू फ्लैट निर्मित किए हैं। जिनकी अधिकतम कीमत 64 लाख और न्यूनतम कीमत 84 लाख है। इसी तरह ब्रह्मावर्त अपार्टमेंट में टाइप एफ-82 2 बीएचके भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल और तृतीय तल प्रकार के फ्लैट बनाए गए। जिनकी अधिकतम कीमत 55 लाख अरै न्यूनतम 53 लाख रुपये थी।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार। घरवालों के सो जाने पर युवती ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भोर पहर पिता की नींद टूटी तो शव फंदे से लटका देखकर सन्न रह गए। सेनपश्चिम पारा पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

मूलरूप से रायबरेली के सिमरी चौराहा निवासी प्रेमलाल यादव परिवार के साथ सेनपश्चिम पारा के सतबरी गांव में रहते हैं। प्रेमलाल रनिया स्थित ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत हैं। उनकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। तीन बच्चे साथ रहते थे। जिसमें ज्योति, गोलू और 30 वर्षीय जया थी। मामा दिनेश व रजत यादव ने बताया कि गुरुवार रात को प्रेमलाल के काम से आने के बाद सभी ने खाना खाया और कमरों में सोने चले गए। देर रात परिजनों के नींद में होने पर जया ने गले में दुपट्टे का फंदा कसकर फांसी लगा ली। भोर पहर पिता सोकर उठे तो बेटी का शव फंदे से लटका देखकर चीख पड़े।

जया।

पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता के अनुसार बेटी के लिए रिश्ते की तलाश कर रहे थे। समस्या कोई नहीं थी, ऐसे में बेटी ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

परेड मैदान का निरीक्षण करते नगर आयुक्त सुधीर कुमार और साथ में अपर नगर आयुक्त मो. आवेश। अमृत विचार

परेड मैदान को तैयार करें कूड़ा उठान समय से हो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर आयुक्त ने निरीक्षण कर सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को जांचा

अमृत विचार। नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने शहर के कई क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, पेयजल आपूर्ति तथा आगामी त्योहारों की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने टीईटी परीक्षा को लेकर अधिकारियों को साफ-सफाई और पानी की व्यवस्था के निर्देश दिए। जवाहर नगर क्षेत्र में नगर आयुक्त ने क्षेत्र से पूरी तरह कूड़े का उठान करने के निर्देश दिए। उन्होंने परेड मैदान एवं जुलूस मार्ग का भी निरीक्षण किया। रामलीला के लिए तैयार किए जा रहे परेड मैदान को देखकर उन्होंने समय से कार्य खत्म करने के निर्देश दिए। जुलूस-ए-मोहम्मदी के निर्धारित मार्ग का भी निरीक्षण किया। इसके बाद वह जोन-2 कृष्णा नगर पहुंचे, यहां दुकानदारों को निर्देश दिए कि अपनी दुकान के बाहर कूड़ा न फेंके नहीं तो चालान किया जायेगा। दुकानदारों से अपनी दुकान के बाहर डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए। जोन-3 किदवई नगर पहुंच उन्होंने म्यूजिकल फाउंटेन को देखा। नगर आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी अपनी बीट पर समय से उपस्थित रहकर कूड़ा उठान करे। पार्क में एक्स आर्मी मैन की तैनाती तथा मालियों को भी शिफ्ट वाइस नियमित रूप से तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएवी कॉलेज में आयोजित होने वाली पीईटी परीक्षा के लिए पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया।

लापता दवा सेल्समैन का शव शिवली रोड पर पड़ा मिला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बड़े भाई ने साथी पर हत्या का संदेह जताया, कहा, मोबाइल भी उसी के पास

अमृत विचार। कल्याणपुर में मेडिकल स्टोर से निकला दवा सेल्समैन घर नहीं पहुंचा। परिजनों को चिंता हुई तो मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन किसी और ने उठाया। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया। घरवाले रातभर युवक की खोजबीन करते रहे।

सुबह घर से एक किमी दूरी पर उसका शव मिला। भाई ने साथी पर ही हत्या का संदेह जताया है। आरोप है कि युवक का मोबाइल भी उसी के पास है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कल्याणपुर के सिद्धार्थनगर निवासी 38 वर्षीय अंकित पांडेय सिविल लाइंस में एक मेडिकल स्टोर में सेल्समैन था। उसके बड़े भाई अतुल पांडेय ने बताया कि अंकित रोज की तरह गुरुवार रात नौ बजे दुकान से घर आने के लिए निकला था। जब वह रात 11 बजे तक घर नहीं पहुंचा तो उसके मोबाइल पर संपर्क किया गया। दो-तीन बार फोन मिलने पर किसी अंजान ने उठाया और मोबाइल उसके पास होने की बात कहकर काट दिया। यह बताया कि अंकित कहीं गया है। आरोप है कि उसके बाद फोन नहीं उठा और स्विच ऑफ हो गया। इधर परिजन भी रात तीन बजे तक उसकी तलाश करते रहे। शुक्रवार सुबह फिर उसकी तलाश में निकले। इसी बीच मोहल्ले के लोगों ने बताया कि कुछ दूरी पर किसी युवक का शव मिला है। इस पर परिजन एक किमी दूर पुराना शिवली रोड पर पहुंचे तो अंकित का शव देख परिजन फफक पड़े। नाक से खून निकलता देख भाई ने साथी पर हत्या का संदेह जताया। बताया कि अंकित का मोबाइल नहीं मिला है, जो साथी के पास है, जिसने घटना की है। अंकित की पांच साल पहले शादी हुई थी, उसके कोई संतान नहीं है। पत्नी व मां उमा शव देखकर चीख पड़ीं। कल्याणपुर थाना प्रभारी अजय मिश्रा ने बताया कि जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

27.50 लाख की ठगी में गिरफ्तार

कानपुर। कारोबारी दोस्तों के 27.50 लाख हड़पने वाले अर्रा गांव निवासी मोती सिंह को हनुमंत विहार पुलिस ने जेल भेज दिया।

आपरेशन महाकाल के तहत फतेहपुर जनपद के खागा कस्बे के विजय नगर निवासी कारोबारी शिवम केसरवानी ने एक सितंबर को आरोपी अर्रा के मोती सिंह, जरौली फेस-वन के सोनू सिंह और खांड़ेपुर नई बस्ती के दर्शन सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया था। शिवम के अनुसार वह हनुमंत विहार के रहने वाले दोस्त अशोक कुशवाहा के साथ व्यापार करने के लिए जमीन की तलाश कर रहे थे। इसी बीच उनकी मुलाकात आरोपियों से हुई। आरोपियों ने खाड़ेपुर में रामप्रकाश वर्मा का दो मंजिला मकान दिखाकर उन्हें फंसाया था।

रखरखाव और यात्री सेवा के लिए पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूपीएमआरसी ने शुक्रवार को लखनऊ में मेट्रो परिचालन शुरू करने की 8वीं वर्षगांठ मनाई। इस दौरान कानपुर के मोतीझील मेट्रो स्टेशन को यूपीएमआरसी के बेस्ट केप्ट स्टेशन का पुरस्कार दिया गया। इसके साथ ही कानपुर मेट्रो के तीन कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए एमडी मेडल से सम्मानित किया गया। इस मौके पर यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को एमडी गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया गया। बेस्ट केप्ट स्टेशन का पुरस्कार स्टेशन कंट्रोलर पुष्पेंद्र यादव, देवेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार सिंह और पारितोष कुमार ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। मोती झील मेट्रो स्टेशन पूरे साल सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बना रहा। इस स्टेशन पर स्थित फूड फोरम, चायनीज वॉक जैसे आउटलेट्स और निरंतर आयोजित हो रहे पुस्तक मेलों ने भी इस स्टेशन को शहर वासियों का पसंदीदा फन प्वाइंट बना दिया।

इसके अलावा 'बेस्ट प्रोजेक्ट स्टाफ' श्रेणी में कानपुर मेट्रो के प्रशांत भार्गव को एमडी सिल्वर मेडल और श्याम शरण पटेल को ब्रॉन्ज मेडल दिया गया। बेस्ट ऑपरेशन एंड रोलिंग स्टॉक स्टाफ श्रेणी में फरीद खान को एमडी ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया।

एमडी सुशील कुमार से बेस्ट केप्ट स्टेशन का पुरस्कार लेती मोतीझील मेट्रो स्टेशन के स्टेशन कंट्रोलर्स की टीम।

- कानपुर मेट्रो के तीन कर्मचारी एमडी मेडल से सम्मानित

युवक की हत्या का वीडियो बनाने वाला गया जेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चकेरी में कार चालक की हत्या में प्रयुक्त चाकू व आरोपियों के खून वाले कपड़े बरामद
- युवक का गला काटकर गंगा में फेंका था शव, पुलिस को मुख्य आरोपी की तलाश

अमृत विचार। चकेरी के शिवकटरा में कार चालक ऋषिकेश उर्फ सोना की गला काटकर हत्या व शव गंगा में फेंकने में फरार दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

हत्या में प्रयुक्त चाकू व खून वाले कपड़े भी पुलिस ने बरामद किया है। जेल भेजा गया आरोपी हत्या के दौरान वीडियो बना रहा था। पुलिस मुख्य आरोपी व अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

शिवकटरा हरिजन बस्ती निवासी 22 वर्षीय ऋषिकेश की बीती 29 अगस्त की रात काकोरी के जंगल में पीटने के बाद गला काटकर हत्या कर दी गई थी। उसके बाद आरोपियों ने शव गंगा में फेंक दिया था। 30 अगस्त की रात तक जब युवक के बारे में कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने चार आरोपियों को शिवकटरा केसा हाउस के पास मोगली उर्फ प्रिंस, निखिल, काकोरी कैंट का आकाश उर्फ कालू और रिशू वर्मा को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पवन निषाद ने ऋषिकेश का बहन से प्रेम संबंध होने से अपने भाई बॉबी व साथी सत्यम और डेनी समेत अन्य के साथ मिलकर हत्या कर दी थी।

इसके बाद पुलिस ने चारों को जेल भेजा और मुख्य आरोपी पवन, उसका भाई बॉबी व दो अन्य साथियों की तलाश में जुटी। इसी बीच गुरुवार को पुलिस ने पवन के भाई बॉबी और डैनी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर काकोरी जंगल ले जाकर चाकू और खून लगे कपड़े भी बरामद किए। पुलिस ने बताया कि पवन ने जब हत्या की तो बॉबी ही मोबाइल से वीडियो बना रहा था। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि मुख्य आरोपी पवन व उसके साथियों की गिरफ्तारी में पुलिस टीम दबिश दे रही है।

पुलिस ड्रोन क्षतिग्रस्त करने पर रिपोर्ट

कानपुर। परमट मंदिर के पास कार चालक ने पुलिस के ड्रोन को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध पर आरोपी चालक ने पुलिस कर्मी के साथ अभद्रता की। पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल अनुज कुमार के अनुसार बीती एक सितंबर को वह सुरक्षा व्यवस्था के लिए ड्रोन कैमरा उड़ाकर निगरानी कर रहे थे। तभी परमट मंदिर मैदान के पास तेज रफ्तार कार ने ड्रोन में टक्कर मार दी। जिससे ड्रोन क्षतिग्रस्त हो गया। कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

एडिट अश्लील फोटो वायरल की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दहेज की मांग पूरी न हुई तो पति, ससुरालियों ने मारपीट कर की ऐसी हरकत
- पीड़ित ने मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाकर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो पति व ससुरालीजन ही दुश्मन बन गए। बहू का आरोप है कि ससुरालियों ने मारापीटा। फिर पति ने ही उसकी एडिट की अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। उसका दो बार गर्भपात भी कराया गया। जब प्रताड़ना सहन नहीं हुई तो पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से शिकायत कर पीड़िता ने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चकेरी की रहने वाली पीड़िता के अनुसार उसका विवाह मई 2022 को पनकी के युवक से हुआ था। पीड़िता के अनुसार विवाह के बाद पति व ससुरालीजन दहेज में कार की मांग करने लगे। डिमांड पूरी नहीं हुई तो उसे शारीरिक व मानसिक प्रताड़ित किया जाने लगा। उसका दो बार पति ने जबरन गर्भपात कराया। इसके बाद पति ने ही एडिट कर उसकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। आरोप है कि जून 2025 में ससुरालियों ने मिलकर उसे जमकर मारापीटा और घर से निकाल दिया। तब से वह मायके में है। पीड़िता ने बताया कि उसने चकेरी पुलिस से शिकायत की, लेकिन उसकी नहीं सुनी गई। पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उसे टरका दिया। इस पर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से मिलकर शिकायत की। तब जाकर रिपोर्ट दर्ज हुई। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

जनसमस्या

सड़कों की हालत बदहाल, लोग परेशान, अधिकारी बने अनजान, अर्रा, योगेंद्र विहार औक पाल चौराहा की सड़कें खराब

शहरियों को गहरे जख्म दे रहीं उखड़ी और खस्ताहाल सड़कें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर की सड़कों की हालत वर्तमान में काफी बदहाल है। लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सब जानते हुए भी जिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए हैं। यहां तक कि जनप्रतिनिधि भी सुधि नहीं ले रहे हैं, जिससे ऊबड़-खाबड़ सड़कों, गड्ढों, गिट्टी और बजरी पैली सड़कों पर लोग चोटहिल हो रहे हैं।

कानपुर स्मार्ट सिटी का ख्वाब देखने वाले दक्षिण क्षेत्र की सड़कों की हालत काफी खराब है। कई जगहों पर तो सड़क दिखती ही नहीं। सिर्फ नाम की सड़क रह गई है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कई बार क्षेत्रीय पार्षद व जनप्रतिनिधि के साथ अधिकारियों से निर्माण की मांग की गई, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही दिया जा रहा है। सड़कों की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। बारिश के दौरान जलभराव होने से गड्ढे नजर नहीं आते, जिनमें गिरने से लोग चोटहिल हो रहे हैं।

खाड़ेपुर की सड़क पर गड्ढे हैं।

गड्ढों में गुम हो गई खाड़ेपुर की सड़क

खाड़ेपुर की सड़क से रोजाना 50 हजार के आसपास वाहन गुजरते हैं, जो कर्रही रोड और नौबस्ता की ओर आते-जाते हैं। यह मार्ग जगह-जगह खस्ताहाल है और काफी बड़े और गहरे गड्ढों से युक्त है। कई बार वाहन सवार गिरने से बचते है या गिरकर चुटहिल हो जाते है। इसके बावजूद अधिकारी मरम्मत को ध्यान नहीं दे रहे हैं।

योगेंद्र विहार की सड़क पर जलभराव

योगेंद्र विहार की सड़क पर भी बड़े-बड़े गड्ढे हैं और उनमें पानी भरा है। यह जलभराव बारिश के कारण ही नहीं है, बल्कि नाली के गंदे पानी की वजह से है, जिसके कारण सड़क अधिक समय तक टिक नहीं पा रही है। क्षेत्रिय लोगों के मुताबिक सड़क निर्माण के दौरान नाली के संबंध में संबंधित ठेकेदार ने कोई ध्यान ही नहीं दिया।

योगेंद्र विहार की सड़क छलनी हो गई।

पाल चौराहे के पास सड़क गायब।

पाल चौराहा के पास सड़क बची ही नहीं, गिट्टी और गुम्मे पड़े

पाल चौराहा के पास सड़क पूरी तरह गायब है। गल्ला मंडी क्षेत्र के लोग इसी सड़क से होकर अपने कार्यालय और काम-धंधे पर जाते हैं। वैष्णो देवी मंदिर के लिए भी यही सड़क जाती है। सड़क पर गिट्टी और बोल्डर पड़े हैं। क्षेत्रीय लोग कई बार मरम्मत की मांग कर चुके हैं, लेकिन अधिकारी और जनप्रतिनिधि सुधि नहीं ले रहे हैं।

सेन पश्चिम पारा थाने में दरोगा पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हत्या का प्रयास, धारदार हथियार से हमला की वारदात में विवेचक सेनपश्चिम पारा थाने की कुरिया चौकी इंचार्ज की कार्यशैली पर कोर्ट ने सवाल खड़ा किया। कहा दरोगा प्रमोद पटेल ने लापरवाहीपूर्ण विवेचना की। विधि सिद्धांतों व प्रावधानों के विरुद्ध विवेचना की गई। अभियुक्तों को बचाने के लिए केस डायरी में घायलों व गवाहों के गलत बयान अंकित किए। धाराओं में छेड़छाड़ का गंभीर अपराध किया। कोर्ट की नाराजगी पर विवेचक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

सेनपश्चिम पारा के खरगपुर गांव निवासी रामसेवक के अनुसार 22 दिसंबर 2024 को उनके पड़ोसी श्यामसिंह, पुत्र अमित, अनुज, कपिल, अंकित, जितेंद्र व पुन्नीलाल अज्ञात के साथ मिलकर कुल्हाड़ी, फरसा व लाठी से उनके घर पर हमला किया था। मारपीट में उनका हाथ टूटा, बेटे मुकेश कुमार को कुल्हाड़ी मारकर घायल किया। फरसा से विनोद कुमार का अंगूठा कटा व पत्नी रामदेई व बहू संजू देवी को मारापीटा था। हत्या का प्रयास समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज हुई। विवेचक दरोगा प्रमोद पटेल ने घटना के 10 दिन बाद तक कोई बयान नहीं दर्ज किए। न ही गिरफ्तारी की। रामसेवक के अनुसार इस पर उन्होंने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर जानकारी दी। विवेचक ने हत्या के प्रयास की धारा भी हटा दी। इस पर न्यायालय माना कि विवेचक ने स्पष्ट रूप से संजेय अपराध किया है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

सरकार समझ गई राहुल गांधी का सुझाव

कानपुर। पिछले आठ वर्षों से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जीएसटी को व्यापारियों के लिए मुसीबत वाला और गब्बर सिंह टैक्स बता रहे थे लेकिन सरकार अब राहुल गांधी के सुझाव को समझ पाई है। जीएसटी में सुधार के लिए कांग्रेसजनों ने राहुल गांधी का धन्यवाद अदा किया है। शुक्रवार को कानपुर महानगर कांग्रेस की तिलक हाल में बैठक हुई। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने अध्यक्षता की। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि जीएसटी को दो स्लैब पर लाने और कई चीजों पर जीएसटी कम करने के लिए राहुल गांधी लगातार बदलाव की आवाज उठाते रहे। महानगर अध्यक्ष ने दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी का सच देश के सामने लाने के बाद ही जीएसटी पर फैसला लिया गया। बैठक में अमिताभ दत्त मिश्रा, राम जी दुबे, विश्वनाथ जायसवाल छोटू, जावेद उस्मानी, मोहम्मद शारिक, पदम मोहन मिश्रा, राकेश साहू, धर्मेंद्र चौहान एवं विवेक पाल आदि थे।

सपा कार्यालय में शिक्षक दिवस मना

कानपुर। शिक्षक दिवस पर समाजवादी पार्टी के कार्यालय नवीन मार्केट में बौद्धिक सेमिनार का आयोजन किया गया। अध्यक्षता नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने की। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। के के शुक्ला, शिक्षक सभा अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह, प्रवीण मिश्रा,शेषनाथ यादव, यादवेंद्र सिंह, नीरज सिंह, रवि धीमान, मुनेश कुमार, बबिता यादव आदि थे।

284 बेटिकट पकड़े गए

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह के निर्देश पर बेटिकट यात्रियों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें 284 बेटिकट यात्रियों को पकड़कर उनसे जुर्माना वसूला गया। रेल अधिकारियों ने बताया कि अभियान जारी रहेगा।

सीसी सड़क बनाई

कानपुर। वार्ड 109 के तहत कंघी मोहाल नफीस तेल वाले की दुकान से कंघी मोहाल मस्जिद गुड्डू परचून वाले की दुकान होते हुए नाजिम अली तिराहा तक सीसी रोड का सुधार किया गया। यह कार्य नेता पार्षद दल राष्ट्रीय कांग्रेस हाजी सुहैल अहमद द्वारा कराया गया।

शिक्षकों का सम्मान, छात्रों को बताया अभिमान

स्कूलों, शिक्षण संस्थानों व अन्य जगह आयोजित हुआ शिक्षक दिवस समारोह, गुरुजनों को किया नमन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विभिन्न स्कूलों व शिक्षण संस्थानों में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस दौरान शिक्षकों को सम्मानित कर उन्हें देश का निर्माणक बताया गया। शिक्षकों ने यह सम्मान छात्रों का सम्मान बताया। कहा कि छात्र ही उनके सबसे बड़े अभिमान है। बेहतर छात्र के बगैर अच्छा समाज में खड़ा नहीं हो सकता। छुट्टी होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षक के सम्मान के लिए छात्र पहुंचे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी भावना प्रस्तुत की। स्कूली छात्रों ने इस दौरान शिक्षकों को उपहार देकर अपनी कृतज्ञता जाहिर की। स्कूलों में बच्चों को प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा के बारे में भी जानकारी दी गई।

माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों का सम्मान किया। अमृत विचार

शिक्षकों का योगदान सराहनीय

- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) की ओर से शिक्षक दिवस पर शैक्षणिक संगोष्ठी व शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता संगठन के प्रदेशीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र त्रिपाठी स्वामी ने की। उन्होंने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन वृत्तान्त का वर्णन करते हुए वर्तमान परिदृश्य में शिक्षकों के समक्ष आ रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। इनमें बालेश्वर शर्मा, हरी बाबू मिश्र, ऊषारानी शर्मा, प्रतिभा गौड़, उमाशंकर अग्निहोत्री, नरेन्द्र चौरसिया, रविशंकर त्रिवेदी, घनश्याम सिंह, अनुग्रह त्रिपाठी के योगदान को शिक्षा जगत में सराहनीय बताया गया।

सीएसजेएमयू में भी समारोह हुआ। अमृत विचार

10 रिटायर शिक्षक सम्मानित

- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में शिक्षकों का सम्मान हुआ। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के महानिदेशक प्रो. शिशिर सिन्हा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक रहीं। समारोह में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त 35 प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। गतवर्ष सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रकाशित करने वाले 10 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 62 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

डॉ. संजय काला, मनीष सिंह को मिला सम्मान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कानपुर के तत्वावधान में शिक्षक दिवस पर एलटी-1 हॉल, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने 150 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला, प्रमुख अधीक्षक डॉ. आरके सिंह, डॉ. संतोष कुमार वर्मन, डॉ. सुनीति पाण्डेय, डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. मनीष कुमार, न्यूरो सर्जन डॉ. मनीष सिंह को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त चंद्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय के प्रो. विवेक कुमार त्रिपाठी, प्रो. यूपी सिंह, डॉ. मंयक त्रिपाठी, जे पीयूष कुमार मालवीय को भी सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने डीजी कॉलेज, पीपीएन, हलीम मुस्लिम पीजी कॉलेज, डीएवी कॉलेज, क्राइस्ट कॉलेज, आईटीआई, हनुमान प्रसाद प्राथमिक विद्यालय दीपापुर, प्रा. विद्यालय रघुवीरपुर घाटमपुर एवं परिषदीय विद्यालयों के अध्यापकों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में राजा भरत अवस्थी, एएन द्विवेदी, अजय द्विवेदी, रणधीर सिंह, इं. कोमल सिंह, मंजूरानी कुशवाहा, साहब सरताज, धर्मेन्द्र अवस्थी, हरीश श्रीवास्तव, मनोज झा रहे।

डॉ. मनीष सिंह को सम्मानित करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

गुरु संग शिष्यों का नमन

शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर गुरुजनों संग शिष्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया| प्राथमिक विद्यालय परमट में प्रधानाचार्य नवीन त्रिपाठी, शिक्षक संजय द्विवेदी, शिक्षिका आरती कश्यप, शुभा श्रीवास्तव के साथ छात्रा दिव्यांशी, वंदना, काव्या, मीनाक्षी छात्र समर, मनीष, देवा, करन ने चित्र पर पुष्प चढ़ाए। छात्र-छात्राओं ने गुरुजनों का चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया। ● फोटो-मनोज तिवारी

मनोरमा एजुकेशन सेंटर में शिक्षक दिवस मनाया। अमृत विचार

बच्चों ने दिए शिक्षकों को उपहार

- गोविन्द नगर स्थित मनोरमा एजुकेशन सेन्टर में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन कर टीचर्स को सम्मान प्रस्तुत किया। बच्चों ने टीचर्स को चॉकलेट, कार्ड, पेन देकर तप्पा केक काटकर अपना प्यार तथा आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल के डॉयरेक्टर अंकित सिंह, प्रबन्धक अमित सिंह व स्कूल की प्रधानाचार्या भक्ति जुनेजा मौजूद रहीं।

शिक्षकों को उपहार दिए गए। अमृत विचार

अनुशासन का महत्व बताया

- डॉ नरेन्द्र सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज पुराना शिवली रोड कल्यानपुर में शिक्षक दिवस मना। मुख्य अतिथि स्कूल के निदेशक बीरेन्द्र बहादुर सिंह रहे। उन्होंने बच्चों को अनुशासन का महत्व बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या कल्पना सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय एवं प्रबन्धक संजय सिंह ने स्वागत कराया। विद्यालय के अध्यक्ष अशोक सिंह, संयुक्त मंत्री गणेश शर्मा, कोऑर्डिनेटर सरिता सिंह एवं अन्य सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

शिक्षकों को सम्मानित करते सांसद देवेंद्र सिंह भोले। अमृत विचार

स्कूल में हुआ वृक्षारोपण

- यूपी किराना सेवा समिति बालिका विद्यालय (तात्या टोपे नगर) में शिक्षक दिवस समारोह हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद देवेन्द्र सिंह भोले रहे। उनका स्वागत बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्या उषा सेंगर व प्रधानाचार्या रागिनी राठौर ने किया। मुख्य अतिथि ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में बद्री प्रसाद गुप्ता, आलोक कृष्ण गुप्ता, सुनील गुप्ता, बिंदा प्रसाद त्रिपाठी, अरविन्द गुप्ता गिरीश भाटिया, राकेश अग्रवाल मौजूद रहे।

महिलाओं को किट दी गई। अमृत विचार

सेवा भारती ने प्रशिक्षुओं को बांटी किट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बहनों को स्वावलंबी बनाने के लिए सेवा भारती की ओर से प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में शामिल प्रशिक्षुओं को किट का वितरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनना होगा। सेवा भारती के संगठन मंत्री गजेंद्र ,नीता अवस्थी, जे भदौरिया, पियूष सिंह रहे।

सोना 1,09,100 रु. का 10 ग्राम, फिर नया शिखर छुआ

विशेष संवाददाता, कानपुर

- यही गति रही तो दीवाली पर 1,15,000 रुपये तक पहुंच सकता है सोना, चांदी 1,27,000 पर
- वैश्विक बाजारों में तगड़ी मांग, टैरिफ नीतियों में अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों के जरिये खूब खरीद

अमृत विचार। शुक्रवार को सोना भाव की सर्वाधिक ऊंचाई 1,09,100 रुपये का 10 ग्राम रहा। चांदी 1,27,000 रुपये किलो रही। सोने में तेजी से सराफा बाजार की चमक गायब है। गहनों की बिक्री औंधे मुंह गिरी है और निवेशक अंधाधुंध दांव लगा रहे हैं।

20 अगस्त को सोना 1,01,350 और चांदी 1,14,600 रुपये थी। इसके बाद बढ़त लगातार बनी है। 15 दिन में चांदी 13,600 रुपये तो सोने में लगभग आठ हजार की बढ़ोतरी हुई। दीवाली तक सोना 1,15,000 तक पहुंच सकता है। गहनों के रिटेल मार्केट में सन्नाटा है, लेकिन निवेशक ठोस सोना जमकर खरीद रहे हैं। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र ने बताया कि टैरिफ की अनिश्चितता, बढ़ती वैश्विक मांग और सुरक्षित निवेश के कारण सोना भाव की ऊंचाई की नित नई कहानी बना रहा है। काशी ज्वैलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर का कहना है कि आभूषण की बिक्री में जबरदस्त गिरावट है।

दलहन उत्पादन में देश आत्मनिर्भर होने की ओर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दलहन संस्थान स्थापना दिवस पर विशेषज्ञों ने व्यक्त किए विचार

अमृत विचार। भारतीय दलहन अनुसन्धान संस्थान (आईसीएआर) में शुक्रवार को स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान दलहन के क्षेत्र में नए शोध को बढ़ाने पर विशेषज्ञों की ओर से जोर दिया गया। यह भी कहा गया कि दलहन उत्पादन में देश आत्मनिर्भर होने की ओर अग्रसर है।

सीएसजेएयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक व बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची झारखंड के कुलपति डॉ सुनील चंद्र दुबे मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रो सीमा परोहा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

दलहन संस्थान में पत्रकों का विमोचन किया गया। अमृत विचार

संस्थान के निदेशक डॉ जीपी दीक्षित ने कहा कि दलहन उत्पादन के क्षेत्र में हमारा देश आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है।

उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित 85 प्रजातियों के बारे में भी बताया। कहा कि आगे चुनौतियां तो है किंतु संस्थान उन चुनौतियों का सामना करने में हम पूर्णतया सक्षम है और संस्थान इस दिशा में काम भी कर रहा है। इस दौरान संस्थान द्वारा प्रकाशित नवीन प्रकाशनों का विमोचन किया गया। समारोह में वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ एमएच. कोडंडाराम को उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार (वरिष्ठ श्रेणी), डॉ सुजयानंद. के. को उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार (युवा श्रेणी), तकनीकी वर्ग में आरकेएस यादव को, वित्त एवं लेखा अधिकारी वर्ग में कुणाल कालरा को, एवं प्रशासनिक वर्ग में मीनाक्षी वार्ष्णेय सर्वोत्तम कार्यकर्ता अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। इसी तरह डॉ नरेंद्र कुमार एवं टीम को शोध एवम विकास गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट टीम अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ शैलेश त्रिपाठी, डॉ रेखा रानी व डॉ राजकुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

भजन सुनाते साईं कालीचरण जी। अमृत विचार

हमें वाणी पर संयम रखना चाहिए

कानपुर। श्री सिंधु गणेश उत्सव समिति द्वारा सिंधी कालोनी में आयोजित गणेश महोत्सव के नौवे दिन सिंधी समाज के साई वसणशाह दरबार उल्लास नगर के गद्दीनशीन संत हजूरी रूप साई कालीराम ने सत्संग में कहा कि हमें अपनी वाणी पर बहुत संयम रखना चाहिए, क्योंकि हमारी वाणी ही हमें राजा बनाती है वही वाणी हमें रंक भी बनाती है। संयमित भाषा आपका व्यक्तित्व दर्शाती है। अपने सतगुरु से सदा यही विनती करनी चाहिए कि वो सदा आपका हाथ थामे रखे और आपको सद्मार्ग पर चलने का आशीर्वाद देते रहे। इसके बाद उन्होंने जय गणेशा , महींजो दारू द्वारा तूंहींजो दीदार आ , रख त झूलेलाल ते पाड़ही पूरी कन्दो आदि भजन सुनाए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी की सेंटर संचालिका अर्चना, घनश्याम छाबड़ा, अमित खत्री, रवि बदलानी, विजय खत्री, राजेश आहूजा, पार्षद अरविंद यादव, विश्वनाथ आहूजा, गौरव बजाज, अशोक वासवानी , चंद्र पाल खिलवानी, सोनू छाबड़ा उपस्थित रहे।

भाजपा | भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने क्षेत्रीय कार्यालय में की विशेष बैठक

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर करेंगे जनजागरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर आए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने शुक्रवार को विधायक, सांसद, महापौर, जिला अध्यक्ष एवं एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के संयोजकों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय में बैठक की। उन्होंने 13 सितंबर को आयोजित होने वाली भव्य मैराथन दौड़ की तैयारियों पर चर्चा की। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने वाला ऐतिहासिक कदम है। भाजपा इस विचार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। बताया कि मैराथन दौड़ के माध्यम से आमजन को जोड़ा जाएगा और अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस मैराथन में 15,000 से अधिक लोगों को शामिल करना है, ताकि इसका संदेश हर वर्ग तक पहुंचे। कहा कि यह मैराथन जन-जागरण की नई शुरुआत साबित होगी। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि यह दौड़ केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि लोकतंत्र को सशक्त करने की जनचेतना है। इस दौड़ के जरिए भाजपा जनता से सीधा संवाद स्थापित करेगी। बैठक में तय किया गया कि महानगर के सभी मंडलों, मोर्चों एवं संगठन इकाइयों को जिम्मेदारी दी जाएगी ताकि अधिकतम संख्या में युवा, छात्र, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्ग इस दौड़ में शामिल हो सकें। इस दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडे, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, अनिल दीक्षित, उपेंद्र पासवान, विधायक नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, सुरेंद्र मैथानी एवं दीपू पांडे उपस्थित रहे। चौधरी भूपेंद्र सिंह बैठक के बाद क्षेत्रीय मंत्री पवन प्रताप सिंह के केशवपुरम आवास पहुंचे और उनके दिवंगत पिता के चित्र पर पुष्पांजलि कर शोक संवेदनाएं प्रकट कीं।

बैठक में बोलते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह। अमृत विचार

चुनाव अधिकारी के समक्ष नामांकन करते ट्रांसपोर्टर्स। अमृत विचार

यूपी मोटर ट्रांसपोर्टर्स एसो. चुनाव के लिए 31 नामांकन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 31 कार्यकारिणी के लिए 690 सदस्य करेंगे मत का प्रयोग
- 21 सितंबर को मतदान, तीन वर्षों के लिए एसोसिएशन रहेगी

अमृत विचार। ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रांसपोर्टर्स की सबसे बड़ी संस्था यूपी मोटर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो गई है। पहले दिन 31 ट्रांसपोर्टर ने नामांकन कराया है।

चुनाव अधिकारी केसी शर्मा ने बताया कि पहले दिन कुल 33 फार्म बिके थे लेकिन 31 लोगों ने अपना नामांकन कराया है। उन्होंने बताया कि नामांकन कराने की अंतिम सोमवार 8 सितंबर है। चुनाव अधिकारी ने बताया कि 21 सितंबर को मतदान होगा जिसके लिए 690 सदस्यों की सूची तैयार है। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन का चुनाव प्रत्येक तीन वर्ष में होता है। मतदान के दूसरे दिन यानी 22 सितंबर को चुनाव परिणाम घोषित किये जाएंगे। कार्यकारिणी घोषित होने के बाद पदाधिकारियों का चुनाव कार्यकारिणी करेगी।

सिटी ब्रीफ

दो से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं तो थाने में जमा करें

कानपुर। जिनके पास दो से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं, वे अपने शस्त्र इलाकाई थाना में जमा कराएं। यूआईएन विहीन लाइसेंसों को निरस्त करते हुए पुनः लाइसेंस प्राप्त करने के लिए लाइसेंस धारियों को नए सिरे से आयुध अधिनियम-2016 के अनुसार आवेदन करना होगा। उत्तर प्रदेश शासन के गृह अनुभाग ने दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अपने अतिरिक्त शस्त्र को एक सप्ताह में सम्बन्धित थाने में जमा कराएं अन्यथा शस्त्र निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। ऐसे शस्त्र लाइसेन्सधारी जिनके शस्त्र लाइसेंस यूआईएन विहीन हैं, उन्हें 15 दिन के भीतर शस्त्र अनुभाग में उपस्थित होकर अपना शस्त्र लाइसेंस जमा करना होगा और दुबारा नए सिरे से आयुध नियम-2016 के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

थाने के बाहर मारपीट का वीडियो वायरल

कानपुर। चकेरी थाने के बाहर गुरुवार रात नशेबाजी में दो पक्षों में मारपीट हुई और आरोपी मारपीट करते हुए थाने के अंदर घुस गए। पुलिस दोनों पक्षों पर शांतिभंग की कार्रवाई की है। गुरुवार देर रात कई नशेबाज युवक युवकों में मारपीट भी शुरू हो गई। मारपीट करते सभी थाने के अंदर घुस गए। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय भी थाने में ही मौजूद थे। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला बाहर निकलकर आए और दोनों युवकों को पकड़ लिया। सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि नशेबाजी में मारपीट हुई थी। दोनों के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई है।

यूडीआईडी कार्ड बनाने में कानपुर अव्वल

कानपुर। स्वावलंबन कार्ड स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर नगर ने प्रथम स्थान हासिल किया है। कानपुर नगर में माह अगस्त 2025 के अंत तक 44866 दिव्यांगजनों के विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र/ यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

परेड पर जुलूस को रवाना करते ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आशुतोष सिंह, एडीएम सिटी डॉ. राजेश सिंह आदि। अमृत विचार

जुलूस-ए-मोहम्मदी में उमड़ी भारी भीड़। अमृत विचार

जुलूस-ए-मोहम्मदी में लहराए हजारों झंडे, मेरे सरकार आए

दरुद-ओ-सलाम की बारिश के बीच नाते पाक का नजराना,परेड से उठे जुलूस ने रिकार्ड तोड़े, 15 किमी लंबा जुलूस निकला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया जिसमें लाखों का हूजूम पहुंचा। लोग अदब के साथ जुलूस में दरुद-ओ-सलाम का नजराना पेश करते हुए चल रहे थे। जुलूस में हजारों लोग हरे रंग का छोटा झंडा जिसमें कलमा लिखा था, लहराते हुए नारे तकबीर अल्लाह-ओ-अकबर की सदायें बुलंद करते चल रहे थे।

शुक्रवार को जमीअत उलमा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी, जमीअत उलमा शहर के अध्यक्ष डॉ. हलीमुल्लाह खां, उपाध्यक्ष मौलाना नूरुद्दीन अहमद कासमी, मौलाना अनीस खान, मौलाना मोहम्मद अकरम जामई, सचिव जुबैर अहमद फारूकी, कारी अब्दुल मुईद, मौलाना अंसार अहमद जामई, मुफ्ती इजहार मुकर्रम कासमी आदि की अगुवाई में दुआ के बाद जुलूस रवाना हुआ। जुलूस को एडीएम सिटी डॉ. राजेश सिंह, ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आशुतोष सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जुमा की नमाज के बाद परेड ग्राउंड से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में चल रहे खान-ए-काबा का तवाफ (परिक्रमा) करते हुए एक मॉडल देखने के लिए भीड़ लगी रही। सफेद पगड़ी, हरी पगड़ी पहने हुए हजारों लोग दरुद-ओ-सलाम का नजराना पेश कर रहे थे। नई सड़क पर फूलों की बारिश की गई।

शारदा नगर में जुलूस की कयादत करते शहरकाजी मौलाना मुश्ताक मुशाहिदी। अमृत विचार

बाबूपुरवा में जुलूस की कयादत करते शहरकाजी डॉ. मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी। अमृत विचार

बाबूपुरवा से एकता-भाईचारे का पैगाम लेकर निकला जुलूस

- बाबूपुरवा में अंजुमन तकरीबात कमेटी की ओर से हुसैनी मैदान से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया जिसकी कयादत शहरकाजी डॉ. मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी ने की। अध्यक्षता अनवर ने की। जुलूस में लोग दरुद-ओ-सलाम पढ़ते चल रहे थे। रास्ते में लोगों ने लंगर किया। सूफी लाल मोहम्मद ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

सुजातगंज में जुलूस पर फूलों की बारिश की गई

- सुजातगंज में अंजुमन मोहम्मदी की जानिब से जुलूस निकाला गया जिसे शहरकाजी डॉ. मुफ्ती मोहम्मद यूनुस रजा ओवैसी ने रवाना किया। शमसुल कमर रहमानी की अगुवाई में लोग नात शरीफ पेश करते चले। ओमपुरवा में जुलूस की कयादत शहरकाजी मौलाना मुफ्ती मोहम्मद साकिब अदीब मिस्बाही ने की।

शारदा नगर में गूंजे नारे

- तकबीर अल्लाह-ओ-अकबर अंजुमन गुलशने रहमतुल्लिल अलामीन के बैनर तले शारदा नगर जामा मस्जिद गौसिया से शहरकाजी मौलाना मुश्ताक अहमद मुशाहिदी की अगुवाई में जुलूस निकला। ऑल इंडिया सुन्नी उलमा कौंसिल के महामंत्री हाजी मोहम्मद सलीस सैयद अयाज अली एडवोकेट,हाफिज मुबीन मुशाहिदी, मौलाना सैफुल हशमती, हाफिज मोनीस मुशाहिदी, हाफिज अबरार, मौलाना मकबूल, नूरी मलिक, गुलाम मोहिउद्दीन, मोहम्मद आजाद, नूर हसन अज्जू आदि ने जुलूस में शिरकत की।

जुलूस-ए-मोहम्मदी का स्वागत किया

- चमनगंज में एमएमए जौहर फैंस एसोसिएशन के जफर हयात हाशमी, तंजीम बरेलवी उलमा-ए-अहले सुन्नत के हाफिज सैयद मोहम्मद फैसल जाफरी, हाफिज इरफान रजा कादरी, जमीर खां, इम्तियाज आदि मौजूद थे। मेस्टन रोड पर कांग्रेस के कैंप में कानपुर महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, हर प्रकाश अग्निहोत्री, अखलाक डेविड, मोहम्मद हफीज, जावेद, अफजाल अहमद, पदम मोहन मिश्रा, इकबाल अहमद, पूजा भारद्वाज, शंकर दत्त मिश्रा आदि थे। बाबूपुरवा में पूर्व पार्षद इजहारुल अंसारी आदि थे। जूही लाल कालोनी में इम्तियाज अहमद थे। इनके अतिरिक्त डॉ. मुबारक अली, मुफ्ती इरफान मिस्बाही, मौलाना आसिफ इकबाल, मौलाना इरफान अमजदी, सैयद फैजान आदि ने जुलूस का स्वागत किया।

पार्वती बागला रोड और लाजपत नगर में भी हल्दीराम के रेस्टोरेंट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में हल्दीराम ने दो नए रेस्टोरेंट्स की शुरुआत की है। पार्वती बागला रोड और लाजपत नगर में रेस्टोरेंट खेले गए हैं जहां मिठाई और स्नैक्स उपलब्ध होंगे।

आउटलेट्स की शुरुआत विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं हल्दीराम के प्रबंध निदेशक अमित अग्रवाल ने की। इस दौरान रेस्टोरेंट्स में भारी भीड़ रही। बताया गया कि नए रेस्टोरेंट्स में ग्राहकों के लिए भारतीय मिठाइयों और स्नैक्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराई गई है, जिसमें हल्दीराम की विशिष्ट पाक-कला का समावेश है। छोले-भटूरे, पाव-भाजी, पानी पूरी और राज कचौरी आदि लोकप्रिय व्यंजनों के साथ विशेष मेन्यू भी शामिल हैं। इस विशेष मेन्यू में गेहूं से बने छोले-भटूरे, वड़ा पाव, पानी-पूरी तथा हेल्दी व्हीट ब्रेड सैंडविच जैसे कॉर्न एंड स्पिनच और पनीर टिक्का उपलब्ध हैं। हल्दीराम के प्रबंध निदेशक अमित अग्रवाल ने कहा हमें कानपुर में अपने नवीनतम रेस्टोरेंट्स की शुरुआत करते हुए बेहद हर्ष हो रहा है।

हम अपनी विरासत और उपस्थिति को 80 से अधिक देशों में ले जा चुके हैं। हमारे आउटलेट्स भारतीय मिठाइयों और स्नैक्स की विविधता प्रस्तुत करेंगे, जिनमें प्रामाणिकता और स्वाद का उत्कृष्ट संगम होगा। हम अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा, स्वादिष्ट और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निदेशक संजीव यादव ने अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया।

रेस्टोरेंट का उद्घाटन करते सतीश महाना।

टीएसएच में 477 बच्चों का आज से ट्रायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) में अल्प आय वर्ग के बच्चों के लिए निशुल्क खेल प्रशिक्षण है। नगर निगम छठवें बैच के लिये खेल ट्रायल का आयोजन कर रहा है। शनिवार से शुरू होने जा रहे इस ट्रायल के लिए 492 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से 477 बच्चों को ट्रायल के लिए बुलाया गया है।

शनिवार और रविवार को चलने वाली दो दिवसीय ट्रायल प्रक्रिया दो चरणों में होगी। शनिवार को पहले चरण में फिजिकल एप्टीट्यूड टेस्ट होगा, जिसमें शटल रन, मेडिसिन बॉल थ्रो, स्टैंडिंग लॉन्ग जंप, स्क्वैट और 100 मीटर दौड़ भी शामिल हैं। दूसरे चरण में इंडिविजुअल स्पोर्ट्स स्किल टेस्ट लिया जाएगा, जिससे यह परखा जाएगा कि बच्चा जिस खेल के लिए आवेदन कर रहा है, उसमें उसकी दक्षता कितनी है। एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर जगदीश यादव, सुचित अग्रवाल, आईटी स्पेशलिस्ट आशुतोष विक्रम सिंह, राजीव गर्ग, यूपी टेबलटेनिस एसोसिएशन के प्रेसीडेंट संजीव पाठक, यूपी एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव डा.देवेश दुबे ट्रायल प्रक्रिया की मानीटरिंग करेंगे।

शनिवार सुबह 7 बजे से बैडमिंटन, बॉक्सिंग, बास्केटबॉल, जूडो और कबड्डी के ट्रायल होंगे, कराटे, शूटिंग, स्विमिंग के भी ट्रायल होंगे।

खेल में भिड़ते खिलाड़ी।

ऑप्टिकल इमेजिंग की खोजों पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के एडवांस्ड सेंटर फॉर मैटेरियल्स साइंस की ओर से 'एडवांसेंस इन माइक्रोस्कोपी-2025' पर कार्यशाला आयोजित हुई। विशेषज्ञों ने ऑप्टिकल इमेजिंग के क्षेत्र में नई खोजों पर चर्चा की। कार्यशाला में भारत और विदेशों से आए 90 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिनमें छात्र, शोधार्थी, तकनीकी स्टाफ, फैकल्टी सदस्य और उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल थे।

कार्यशाला में कॉनफोकल माइक्रोस्कोपी से लेकर सुपर-रेज़ोल्यूशन और सिंगल-मॉलिक्यूल इमेजिंग जैसी अत्याधुनिक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी तकनीकों पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों को लाइव-सेल इमेजिंग में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिससे उन्हें सैद्धांतिक और प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त हुए। यह कार्यशाला अकादमिक और इंडस्ट्री के बीच उपयोगी संवाद का माध्यम बनी और प्रतिभागियों को

आईआईटी कानपुर में हुई कार्यशाला में शामिल विशेषज्ञ।

- **आईआईटी में हुई कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी जानकारी**

जीवन विज्ञान और सामग्री विज्ञान में उभरती इमेजिंग तकनीकों की मजबूत की समझ दी। कार्यक्रम की शुरुआत एसीएमएस के प्रमुख प्रो अनीश उपाध्याय ने की। उन्होंने सेंटर की आधुनिक प्रयोगशालाओं जैसे लाइव-सेल इमेजिंग, टू-फोटॉन माइक्रोस्कोपी, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी लैब, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, और सैंपल प्रिपरेशन लैब्स की जानकारी भी दी। कार्यशाला में एसीएमएस के लाइव-सेल इमेजिंग फैसिलिटी की क्षमताओं को भी दर्शाया गया, जो जीवन विज्ञान, रसायन विज्ञान और सामग्री विज्ञान में उपयोगी है। इस फैसिलिटी संयोजक प्रोफेसर नितिन मोहन ने ऑप्टिकल इमेजिंग का इतिहास, साधारण लेंस से लेकर सुपर-रेजोल्यूशन तक विषय पर व्याख्यान दिया।

खुशखबरी | जीएसटी के परिवर्तन के बाद 22 सितंबर से उत्पादों पर लगेंगे नए रेट

अब घर सजाना और वाहन खरीदना दोनों जेब पर हल्के

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के स्लैब की संख्या घटने के बाद मध्यम परिवारों को घर सजाना व कार खरीदना जेब पर हल्का हो गया है। रेट में परिवर्तन होने के बाद कई ऐसे उत्पादों के रेट में कमी होगी जो फिलहाल मध्यम परिवारों का सपना होता है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार जीएसटी रेट में परिवर्तन होने के बाद एक मध्यम परिवार को औसत तीन से 5 हजार रुपये महीने की बचत हो सकती है। इसके अलावा अपने सपनों के उत्पादों की खरीदारी करने पर लगभग 1 लाख रुपये तक का फायदा हो सकता है।

जीएसटी स्लैबों में परिवर्तन के बाद कई ऐसे सेक्टर हैं जहां पर 10 फीसदी उत्पादों में कटौती संभव है।

- **मकान बनाने के लिए सबसे जरूरी सीमेंट 10 फीसदी सस्ती**

इनमें सबसे महत्वपूर्ण सीमेंट और कंस्ट्रक्शन है। इनमें मकान बनवाने में सबसे अधिक उपयोगी सीमेंट के रेट में 10 फीसदी तक कमी हुई है। मसलन बाजार में मिलने वाली ब्रांडेड कंपनी की सीमेंट जो फिलहाल 352 रुपये की एक बोरी मिलती थी वह बदले हुए रेट के बाद 32.20 पैसे कम पर मिलेगी। इसी तरह छोटी कार का सपना देखने वाले मध्यम परिवार के लोगों का भी सपना सच होने जैसा है। दो पहिया वाहनों के विक्रेता देवेश त्रिपाठी ने बताया कि इस समय बाजार में जो दो पहिया वाहन लगभग एक लाख रुपये की कीमत के बिक रहे हैं वह जीएसटी के बदले हुए रेट के बाद 10 से 12 हजार रुपये उपभोक्ता को सस्ते पड़ेंगे। इसी तरह चार पहिया वाहनों के बारे में उन्होंने बताया कि दस लाख रुपये के चार पहिया वाहनों पर खरीदार को लगभग 1 लाख रुपये तक कम कीमत चुकानी होगी। इसका मतलब उपभोक्ता को एक लाख रुपये का फायदा हो सकेगा। उन्होंने बताया कि यह कम कीमत सिर्फ वाहन की मूल कीमत पर लागू हो सकती है। 22 सितंबर के बाद लागू होने वाले नए रेट पर बताया कि वे लोग रेट लागू करने के नियम व शर्तों का इंतजार कर रहे हैं।

उत्पाद	पहले	अब
दो पहिया वाहन	1 लाख	90 हजार
चार पहिया वाहन	10 लाख	9 लाख
एलईडी	16 हजार	14,400
एसी	30 हजार	27 हजार
इन्वर्टर बैटरी	12 हजार	10,800
फर्निशिंग उत्पाद	1100	1030
सीमेंट	352	300

नोट- उत्पादों के रेट औसत से शुरू, रुपये में कीमत

सस्ते में सजेगा घर

- दीपावली पर्व पर घर में नए सुविधाजनक उत्पादों को खरीदने का प्लान बना रहे उपभोक्ताओं को भी जीएसटी के नए स्लैब से राहत मिली है। खासतौर पर इनमें डिशवॉशिंग मशीन, एसी, 32 इंच से बड़ा एलईडी लगभग दस फीसदी सस्ता हुआ है। सागर मार्केट के उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा ने बताया कि 32 इंच से बड़ी एलईडी की शुरुआत पहले लगभग 16 हजार रुपये से होती थी जो अब 14400 रुपये से होगी। औसत एसी 30 हजार रुपये से शुरू होता था जो अब 27 हजार से बिकना शुरू होगा। बेड फर्निशिंग आइटम जैसे पर्दे, चादर, सोफा कवर, कॉटन कारसीट, टॉवल व कंबर जैसे जरूरत व सजावटी उत्पाद भी पहले के मुकाबले कम रेट में बाजार में मिलेंगे।

स्वर्ण दीपों से महाआरती

कानपुर। जिन भक्ति सेवा मण्डल की ओर से शुक्रवार को श्री दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मन्दिर में पार्श्वनाथ भगवान के समक्ष स्वर्ण एवं रजत दीपो से भक्तो ने महाआरती की। दसलक्षण महापर्व पर अनूप जैन ने बताया कि आरती के बाद भक्तामर स्त्रोत का वाचन एवं पाठ संस्कृत भाषा में किया गया। इस दौरान हर एक स्त्रोत के बाद चांदी से बने विशाल स्वास्तिक मण्डल पर दीप प्रज्वलित किया गया। विशाल जैन ने बताया कि भक्तामर स्त्रोत जैन धर्म के सबसे महान आचार्य 108 मानुतंग महाराज के द्वारा रचियत है। जब उस काल के महाराज अपने गुरु कालिदास एवं मन्त्री के समझाने पर जैन आचार्य को 48 तालो के कारगार मे बन्दी बनाकर हजारो सैनिको की निगरानी मे रखा तब जैन आचार्य ने पंचम काल के प्रथम तीर्थकर 1008 आदिनाथ भगवान के गुणानुवाद को 48 काव्यो के माध्यम से अपनी भक्ति की। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

छात्रा ने मिर्जापुर में जीता गोल्ड मेडल

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। शिक्षक दिवस पर मिर्जापुर में आयोजित मंडल स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विकासखंड फतेहपुर चौरासी के गांव कठिघरा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्रा ने गोल्डमेडल जीतकर विद्यालय सहित जिले का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में भाग लेने विद्यालय से चार छात्राएं गई थीं। गोल्डमेडल जीतने वाली कक्षा 7 की छात्रा विकासखंड बांगरमऊ के गांव नसीरपुर निवासी याशिनी है। उसके पिता रमेश कुमार राजगीर व मां आशा देवी गृहिणी हैं। गोल्ड मेडल जीतने वाली छात्रा कमजोर परिवार से है। आर्थिक कमजोर होने से यह छात्राएं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय फतेहपुर चौरासी में अध्यनरत है। छात्राओं के साथ गई कोच टीचर पद्मिनी अवस्थी ने गोल्ड जीतने वाली छात्रा याशिनी को बधाई देते हुए प्रदेश स्तर पर भी नाम रोशन करने के लिए हर सम्भव मदद व मार्गदर्शन का अश्वासन दिया है। वहीं वार्डेन सुधा गुप्ता समेत टीचर सरवनी बाजपेई आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। एसपी दीपक भूकर के निर्देश पर महिला सम्बन्धी अपराधों में वांछितों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गुरुवार देररात ऊगू कस्बा क्षेत्र में निरंजन सिंह महाविद्यालय के पास से मुखबिर की सूचना पर पकड़कर कोर्ट भेजने की कार्यवाही की है। एक गांव निवासी युवती ने बुधवार को पड़ोसी पुत्तीलाल पर शौच जाते समय दुष्कर्म करने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पुत्तीलाल को पकड़ा और उसे कोर्ट भेजा।

शानो-शौकत से निकाला जुलूसे मोहम्मदी

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्म दिवस बारह रबीउल अव्वल के मौके पर काजी हर सैयद जियाउल आरफीन व पूर्व नपा अध्यक्ष इज़हार खान गुड्डू की अगुवाई में शानो शौकत के साथ जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया।

मस्जिद आलिम शाह से जुलूसे मोहम्मदी उठाया गया। हाथों में इस्लामी परचम थामे आशिकी ने रसूल मरहबा-मरहबा, सरकार की आमद मरहबा, लब्बैक या रसूल अल्लाह, नारए रिसालत या रसूल अल्लाह के नारे बुलंद करते हुए आगे बढ़े। लखनऊ रोड चौराहा पहुंचकर उलमाए इकराम ने मोहम्मद साहब के जीवन पर प्रकाश डाला। वहीं नात ख्वाहो ने मोहम्मद साहब की शान में नाते पेश की। यहां से चूड़ी वाली गली, मोहल्ला भटपुरी होते हुए जुलूस मोहल्ला मुकरियाना पहुंचा। जहां पर जुलूस में शामिल लोगों ने जुमा की नमाज अदा की। बाद नमाज जुमा जुलूस मोहल्ला गुलाम मुस्तफा, हटिया घूरे टोला होते हुए मोहल्ला दरगाह शरीफ पहुंचा। जुलूस में शामिल लोग दरगाह मीर सैयद अलाउद्दीन शाह मीरा बाबा के उर्स में शामिल हुए। इसके बाद जुलूस सैयद वाडा होते हुए नानामऊ रोड पहुंचा। जहां शाम पांच बजे फिर मस्जिद आलिम शाह पहुंचकर जुलूसे मोहम्मदी का समापन हुआ। जुलूस में सरकार खान सिक्की, रेहान खान, महमूद एडवोकेट, आफताब, मुन्ना मंसूरी, अहमद हसन जिलानी, युसूफ मलिक, अल्ताफ हुसैन, हाफिज मोहम्मद दिलशाद आदि शामिल हुए। जुलूस के दौरान युवा सपा नेता इमरान सिद्दीकी, सपा नेता डॉ. मुन्ना अल्वी, सपा नेता सुरेश पाल व अनम मन्सूरी आदि ने हरदोई उन्नाव मार्ग पर शिविर लगाकर जायरीनो को तबर्रुक तकसीम किया। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी हर्षोल्लास के साथ जुलूसे मोहम्मदी उठाया गया। 12 रबीउल अव्वल की पूर्व संध्या पर नगर व क्षेत्र में लोगों ने दरगाहों, मस्जिदों, घरों व गलियों को रंगबिरंगी झालरों से सजाया। नगर में कई जगह बैतुल्लाह, मस्जिद नबवी व मक्का व मदीना पर आधारित झांकियां सजाई गईं। मोहल्ला दरगाह में बच्चों द्वारा सजाई गई झांकी देखने को रातभर भीड़ उमड़ती रही।

जुलूस में शामिल लोग। अमृत विचार

अकीदत के साथ निकाला गया जुलूस

पाटन, उन्नाव। जुलूस-ए-ईद मिलादुन्नबी क्षेत्र में अकीदत व एहतराम संग मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों में महफिल-ए-मिलाद का आयोजन हुआ। इसमें नबी-ए-पाक के पैगाम-ए-इंसानियत को याद किया गया। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से जुलूस निकाले गए। बच्चे, नौजवान व बुजुर्ग हाथों में झंडे लेकर नात व सलाम पढ़ते चल रहे थे। इस दौरान घरों, ईदगाहों, इमामबाड़ों व मस्जिदों में रोशनी की गई। अकीदतमंदों ने मोहब्बत व भाईचारे के साथ अमन-ओ-शांति की दुआ की। जुलूस पाटन, बिहार, मनिकापुर, सवाइन, लिलिया, बरवलिया, भगवंत नगर आदि स्थानों पर भी निकले।

जुलूस में शामिल सज्जाद नसीन मो . अफजल फारुकी, पूर्व मंत्री सुधीर रावत व अन्य।

चांद रात पर मस्जिदों, घरों व चौराहों में हुई रोशनी

सफीपुर, उन्नाव। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर इमामबाड़ा फजल अजीम में मिलादुन्नबी का आयोजन हुआ। अधिवक्ता आफताब हैदर के संचालन में हुए कार्यक्रम में मौलाना ने संबोधन कर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं को याद दिलाया। इसके बाद आठ बजे झंडे का जुलूस उठाया गया। जो कस्बे के विभिन्न मोहल्लों से गुजरते हुए शाम को वापस इमामबाड़े पहुंचा। चांद रात पर कस्बे की मस्जिदों, घरों व चौराहों को सजाकर रोशनी की गई। जगह-जगह हुए मिलाद-उन-नबी कार्यक्रमों में मोहम्मद साहब के बताए रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी गई। जुलूस मोहल्ला कजियाना, किलाबाजार, मियाबाजार, चालकन टोला, पीरजादगान, सय्यदवाड़ा, राहतगंज व उम्मेदाराय बाजार से होकर इमामबाड़े पहुंचा। इस दौरान अंजुमन के सदस्य नारे लगाते रहे। कार्यक्रम में मखदूम शाह सफी मजार के सज्जादा नशी नवाजिश, अफजाल मोहम्मद फारूकी, पूर्व मंत्री सुधीर रावत, चेयरमैन प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई, लायक नाजिम, शारिक सफवी, ताबिश बकाई, वकार अहमद, एसडीएम शिवेंद्र वर्मा, सीओ सोनम सिंह, कोतवाली प्रभारी सुब्रत त्रिपाठी आदि रहे।

फोरलेन पर जाम में फंसे वाहन सवार। अमृत विचार

जुलूस के कारण फोरलेन पर लगता रहा जाम

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। जुलूस-ए-मोहम्मदी के चलते दोपहर से शाम तक फोरलेन पर यातायात बाधित रहा। रुक-रुक कर लगने वाले जाम से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गंगाघाट क्षेत्र के विभिन्न मुस्लिम इलाकों से भारी संख्या में लोग झंडे लेकर जुलूस में शामिल हुए। जुलूस गुजरते ही शुक्लागंज से उन्नाव की ओर जाने वाली लेन पर वाहनों की कतारें लग गईं। हालात को देखते हुए पुलिस ने वाहनों को दूसरी लेन से डायवर्ट किया, लेकिन एक ही लेन पर वाहनों का दबाव बढ़ने से स्थिति और बिगड़ गई। वहीं पुलिसकर्मियों को जाम हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और पसीने छूट गए। दोपहर से शाम तक कई बार फोरलेन पर यातायात ठप हो गया, जिससे एम्बुलेंस और बसों तक की रफ्तार थम गई।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में फहराए झंडे, हुआ इस्तकबाल

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। पैगम्बर हज़रत मोहम्मद साहब की पैदाइश के उपलक्ष्य में बारावफात के मौके पर दूसरे दिन निकाले जाने वाले जुलूस-ए-मोहम्मदी ने शुक्रवार को नगर की सड़कों पर उत्सवी माहौल बना दिया। दोपहर दो बजे के बाद से ही जामा मस्जिद परिसर में बड़ी संख्या में लोग झंडे-बैनर लेकर एकत्र होने लगे। अहमदनगर, मदनीनगर, रहमत नगर, अलीनगर, गोताखोर, रसीद कॉलोनी, करीमुल्ला कॉलोनी, अखलॉक नगर, चंपापुरवा और मनोहर नगर समेत विभिन्न मुस्लिम इलाकों से जुलूस में शामिल होने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल लोग। अमृत विचार

जुलूस राजधानी मार्ग होते हुए सब्जी मंडी, पोनी रोड और टेलीफोन एक्सचेंज तक पहुंचा। जगह-जगह पर लोगों ने पंडाल लगाकर जुलूस का स्वागत किया और बिस्कुट, पेठा व अन्य प्रसाद का वितरण किया। फुरकान शाह, हाजी सैय्यद इरफान, महताब आलम ने विशेष तौर पर जुलूस का इस्तकबाल किया। शाम करीब साढ़े छह बजे जुलूस गोताखोर पहुंचा और वहीं अखलॉक नगर में अलग से निकाले गए जुलूस का स्वागत जावेद अख्तर, जिशान, आसिफ और सैफ ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल और फायर बिग्रेड की गाड़ी जुलूस के साथ चल रही थी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मौके पर नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, कोतवाल अजय कुमार सिंह और लेखपाल अशोक सैनी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे। जुलूस में जकाउल्ला सना, शमीम अहमद, मौलाना मुस्ताक बरकाती, तहसीन रज़ा कादरी, मौ. अब्दुल गफूर, हाफिज गुलाम मोहम्मद और मो. असगर अली आदि मौजूद रहे।

एएसपी-सीओ ने ड्यूटी की जांच की

बारावफात के जुलूस को लेकर पुलिस-प्रशासन की चौकसी देखते ही बनी। दोपहर में एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सिटी दीपक यादव राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद पहुंचे और वहां तैनात पुलिस अधिकारियों व जवानों की ड्यूटी चेक की।

टेलीफोन एक्सचेंज पर नोक-झोंक

जुलूस में शाम चार बजे टेलीफोन एक्सचेंज के पास हल्की नोक-झोंक देखने को मिला। जुलूस का एक हिस्सा आगे बढ़कर आजाद नगर मोड़ की ओर मुड़ गया। इस पर पुलिस ने हस्तक्षेप कर शेष जुलूस को रोककर मुड़वा दिया। कुछ देर तक पुलिस और जुलूस में शामिल लोगों के बीच नोक-झोंक हुई।

डॉ. राधाकृष्णन का मना जन्मदिवस

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। गायत्री शक्तिपीठ कॉलेज रोड में सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन का जन्मदिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों को शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव (एडवोकेट) ने गायत्री महामंत्र की पट्टिका भेंटकर सम्मानित किया।

वरिष्ठ शिक्षक एके दीक्षित, विनय दीक्षित, रवींद्र तिवारी ने कहा कि जन्म तो माता-पिता देते हैं किन्तु शिक्षक बालक को इंसान बनाकर जीवन जीने की कला सिखाते है। शिक्षा व शिक्षक के प्रति सम्मान ही डॉ. राधा कृष्णन के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शिक्षक राष्ट्र के निर्माण कर्ताओं का निर्माता कहा जाता है। सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने सभी शिक्षकों का आभार जताते हुए कहा कि जब तक नैतिक मूल्यों व सदाचार को शिक्षा का उपदेश नहीं बनाया जाएगा तब तक देश व समाज का सर्वांगीण विकास असंभव है। इस दौरान शिक्षकों एके दीक्षित, विनय दीक्षित, रवींद्र तिवारी, कामता सिंह, सत्येंद्र त्रिपाठी, सुधा द्विवेदी, पूनम, राम किशोर बाजपेई को सम्मानित किया गया। डॉ. जगदीप निगम, प्रीति निगम, श्याम द्विवेदी, सीके द्विवेदी (संचालक), पूर्णिमा निगम, कृष्णा देवी शर्मा आदि उपस्थित रहे।

डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन पर सम्मानित शिक्षक व अन्य। अमृत विचार

युवती को भगाने की शिकायत पर परिजनों को जमकर पीटा

पाटन उन्नाव, अमृत विचार। बिहार थाना क्षेत्र के गांव नटवरगंज के मजरे ककरारी में छह दिन पूर्व युवती को भगाने के मामले में की गई शिकायत पर पुलिस की लापरवाही से आरोपियों के हौसले इतने बुलंद हो गए कि शुक्रवार को बारावफात के जुलूस में शामिल लड़की पक्ष के लोगों पर विपक्षियों ने लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग घायल हो गए। इसमें चार को गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया। बता दें शुक्रवार को लड़की पक्ष के कुछ लोग जुलूस में शामिल होने को घर से निकल रहे थे। तभी विपक्ष के निजाम पुत्र नजरू, पप्पू पुत्र नजर मोहम्मद, राहुल पुत्र निजाम, रोहित पुत्र चांद आदि ने उन पर हमला कर दिया। इसमें प्रथम पक्ष के कुछ लोग घायल हो गए। इनमें दो को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया।

वहीं दूसरे पक्ष से रफीकुन पत्नी गुलफाम व समन बाबू को जिला अस्पताल रेफर किया गया। रोहित पुत्र चांद आदि को हल्की चोटें आईं। यह विवाद उस घटना से जुड़ा बताया जा रहा है जिसमें छह दिन पूर्व निजाम का बेटा शाहरुख खान युवती को भगा ले गया था।

अटेवा ने किया सामूहिक उपवास

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अटेवा (ऑल टीचर्स एंड एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन) के प्रदेशीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षक दिवस पर भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क के पास ओल्ड पेंशन स्कीम के समर्थन में व यूपीएस/एनपीएस के विरोध में एक दिवसीय सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया। सर्वप्रथम डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर अटेवा जिला संयोजक अर्पित मिश्रा, महामंत्री राजकरन व कार्यक्रम प्रभारी सौरभ राज भारती ने माल्यार्पण किया। सामूहिक उपवास में अटेवा जिला शाखा की जिला व तहसील कार्यकारिणी और ब्लॉक स्तर पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सभी शिक्षकों व कर्मचारियों ने एक सुर में पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए आंदोलन और तेज गति से बढ़ाने की बात की। उपवास में राजू सरोज, महेंद्र सिंह, संरक्षक उमेश मौर्य, भरत चित्रांशी, अनुपम मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, राजबहादुर, अनिल भारती, शिव सहाय तिवारी, सुरेंद्र कुमार, डीजी कुरील, हेमंत रंजन आदि ने प्रतिभाग किया।

आंबेडकर पार्क में उपवास पर बैठे अटेवा समर्थक। अमृत विचार

रोटरी क्लब की ओर से शिक्षकों को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

रोटरी क्लब गंगाघाट ने किया शिक्षक सम्मान समारोह

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। शिक्षक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब गंगाघाट की ओर से राजधानी मार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल में पथ प्रदर्शक गुरुजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के 46 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब अध्यक्ष रो. अवनीश शुक्ला को कॉलर पहनाकर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडलाध्यक्ष रो. दिनेश चंद्र शुक्ला, सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप की सदस्य एवं पूर्व प्रधानाचार्या शिखा बनर्जी तथा डॉ. सौरभ मिश्रा मौजूद रहे। मुख्य अतिथियों ने सभी चयनित शिक्षकों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान शिक्षकों के योगदान को समाज के लिए अमूल्य बताते हुए उन्हें नई पीढ़ी का सच्चा पथप्रदर्शक करार दिया गया। इस अवसर पर क्लब सचिव रो. आनंद पांडेय, रो. संतोष तिवारी, रो. अशोक तिवारी, रो. विवेक शुक्ला, रो. विवेक गुप्ता, रो. पारस गुप्ता, रो. ध्रुव प्रकाश अवस्थी और रो. अनुराग बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन बंधु उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर गुरुजनों का सम्मान

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। ब्लॉक रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि राजयोग केंद्र में शिक्षक दिवस पर प्राथमिक व जूनियर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ। केंद्र संचालिका बीके सरला बहन ने कहा बच्चों को अल्प अवधि के लिए मेडीटेशन अवश्य कराएं। उन्होंने शिक्षकों को सहज राजयोग से तनावमुक्त जीवन व अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाने का तरीका बताया। कहा शिक्षक मूल्यनिष्ठ बनकर बच्चों को भौतिक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा भी दें। सभी बच्चे कच्चे घड़े के समान होते हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षण कार्य से कुछ समय बचाकर राजयोग अवश्य कराएं। जिससे जहां बच्चे शांत, शालीन और निर्मल स्वभाव के बनेंगे, वहीं उनकी बुद्धि और तर्कशक्ति भी प्रखर हो जाएगी। उन्होंने राजयोग की व्याख्या करते हुए बताया कि आत्मा को परमपिता परमात्मा से जोड़ना ही राजयोग है। उन्होंने सभी शिक्षकों से प्रतिदिन मेडीटेशन अवश्य करने की अपील की। अंत में सभी शिक्षकों को 15 मिनट मेडीटेशन भी कराया गया।

समारोह में परिषदीय विद्यालय के श्यामेंद्र सिंह, अनुज विश्वकर्मा, अखिलेश प्रताप सिंह, अंकित शर्मा, विकास गुप्ता, उमा कनौजिया, समीर गुप्ता, हरि श्वरूप, नरेंद्र कुमार, शुभम गुप्ता व निर्मल बाबू को सम्मानित किया गया।

समारोह में सम्मानित किये गए शिक्षक। अमृत विचार

कार्यक्रम के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि। अमृत विचार

विद्यार्थी परिषद ने कार्यक्रम आयोजित कर मनाया शिक्षक दिवस

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में राष्ट्र निर्माण सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर के सम्मानित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधिका सुधा तिवारी, मुख्य अतिथि वेणुरंजन भदौरिया, अभाविप जिला संयोजक अनंत शुक्ला और नगर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अभाविप तहसील प्रमुख अभिषेक तिवारी ने कार्यक्रम का विषय रखते हुए बताया कि संगठन अपने स्थापना काल से ही शिक्षकों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य अतिथि वेणुरंजन भदौरिया ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा और जिम्मेदार छात्र संगठन है, जो शिक्षकों को सदैव अपना पथ प्रदर्शक मानते हुए राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर अग्रसर रहता है। जिला संयोजक ने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा क्षेत्र में अभाविप की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया। नगर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने भी शिक्षक समाज को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्षता कर रही विद्यालय की प्रबंधिका ने अपने विचार रखते हुए समापन की घोषणा की। इस दौरान विपिन कुमार आदि मौजूद रहे।

पूर्व एमएलसी अजीत सिंह को 21वीं पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अरोरा रिसार्ट में पूर्व एमएलसी अजीत सिंह की 21वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने को विभिन्न दलों व समाज के लोग पहुंचे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश सरकार के कई कैबिनेट व राज्यमंत्रियों के अलावा, नामचीन हस्तियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल भी दी गई। मेधावी बच्चों, शिक्षकों व समाजसेवा से जुड़े लोगों को सम्मानित किया गया। जिला अस्पताल में रोगियों को फल, दूध आदि का वितरण किया गया। पैतृक गांव मुलाहिमपुर स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कुछ लोग भले ही हमारे बीच न रहे हों लेकिन उनके कार्य व व्यवहार हमारे बीच हमेशा जीवित रहते हैं। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा उन्होंने समाज को नई दिशा दी। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश अंसारी, उद्यान मंत्री दिनेश सिंह, सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह, पूर्व एमएलसी ब्रजेश सिंह, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्र, प्रदेश मंत्री शंकरलाल लोधी, पैकफैड अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, विधायक राजेश्वर सिंह, अमरीश रावत, अभिजीत सिंह सांगा, आशुतोष शुक्ला, ब्रजेश रावत, श्रीकांत कटियार, बंबालाल दिवाकर, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष अवधेश कटियार, राजकिशोर रावत, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा, पंकज त्रिपाठी, प्रवीण भानू मिश्रा आदि पहुंचे। उधर, मुलाहिमपुर स्थित पैतृक गांव में उनकी प्रतिमा स्थल पर बेटे शशांक शेखर सिंह सनी ने श्रद्धांजलि दी। पूर्व एमएलसी बाबू रंजीत सिंह, जिपं अध्यक्ष शकुन सिंह व शुभम सिंह ने सभी का आभार जताते हुए धन्यवाद दिया।

अजीत सिंह को श्रद्धांजलि देते देते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, जिपं अध्यक्ष व अन्य।

कार्यक्रम में छात्रा को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

अजीत सिंह को पुष्प अर्पित करते विधायक बंबालाल दिवाकर व अन्य। अमृत विचार

रिसॉर्ट में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

सफीपुर, उन्नाव। कस्बा स्थित एक रिसॉर्ट में अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर कुंवर पप्पू सिंह के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा हुई। विधायक बंबालाल दिवाकर ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर नागेंद्र सेंगर, कमलेश गुप्ता, राजू द्विवेदी, सतीश चंद्र गुप्ता, गुड्डू सेठ, योगेंद्र दीक्षित, शिव बक्श सिंह, अवधेश सिंह फौजी, अशोक गुप्ता, राजीव शर्मा, वीरेंद्र मिश्रा, अभिनव शर्मा, बेचेलाल गुप्ता, संजीव गुप्ता, सतगुरु शरण मिश्र, विमल विश्वकर्मा, अमित कुशवाहा, बीपी सिंह सेंगर, वीरेंद्र मिश्र, अजय यादव, गिरीश प्रसाद शुक्ला, तनय अवस्थी, राहुल पटेल, अनुराग तिवारी, अनूप सिंह चंदेल आदि रहे।

ट्रेन में बिगड़ी श्रमिक की हालत, हुई मौत

नवाबगंज, उन्नाव। जैतीपुर स्टेशन के पास पटरी बिछाने का काम चल रहा है। जहां झांसी जिले के थाना सकरार के गांव घोराट तेजपुर निवासी सुरेन्द्र (26), उसकी मां लड़ैती व बहन सरस्वती काम करते थे। कुछ दिन पहले सुरेंद्र बहन को लेकर गांव गया था। उसके साथ काम करने वाले चतुर्भुज ने बताया कि सुरेंद्र व सरस्वती जैतीपुर आने के लिए चले थे। रास्ते में सुरेंद्र की तबीयत खराब हो गई तो सरस्वती ने फोन कर बताया। वह और धर्मेंद्र, संजू आदि साथी जैतीपुर पहुंचे और सुरेंद्र को अचेतावस्था में उतारा। उसे नवाबगंज सीएचसी ले गये। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अमृत विचार

शनिवार, 6 सितंबर 2025

यह नियम बना लीजिए कि आप कभी भी अपने बच्चे को ऐसी किताब न दें, जिसे आप खुद न पढ़ें।
–**जॉर्ज बर्नार्ड शॉ,** नोबेल साहित्य पुरस्कार विजेता

पर्यावरणीय अनुशासन जरूरी

उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड तथा पंजाब में बार-बार हो रहे अभूतपूर्व भूस्खलनों एवं प्रलयंकारी बाढ़ के संदर्भ में पहाड़ों पर हो रही पेड़ों की अंधाधुंध अवैध कटाई को जिम्मेदार ठहराया है। उसने इसके लिए एसआईटी जांच कराने का आदेश दिया और केंद्र सरकार तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसी एजेंसियों को नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी कि हमारी संबंधित एजेंसियां पारिस्थितिकी और हिमालयी क्षेत्र में जमीन तथा नदियों को क्षरण से बचाने में विफल रही हैं। यह चेतावनी समयोचित भी है और आवश्यक भी, क्योंकि इस कठोर सच्चाई से हम आंखें नहीं मूंद सकते कि हमारी विकास नीतियों और उपभोग की प्रवृत्तियों ने प्रकृति के संतुलन को लगातार अस्थिर किया है। अब अति हो जाने के बाद वह जवाब देने लगी है, हालांकि केवल वनों की कटाई ही इसका कारण नहीं है। मैदानी इलाकों में नदी के पाटों या उसके मार्ग का अतिक्रमण, जल निकासी तंत्र का लोप, अवैज्ञानिक बांध निर्माण, अतिक्रमणकारी शहरीकरण और औद्योगिक प्रदूषण भी बाढ़ की गंभीरता को कई गुना बढ़ाते हैं। इसी तरह पहाड़ों में अनियंत्रित सड़क निर्माण, बिना भूगर्भीय अध्ययन के सुरंग और बांध परियोजनाएं, अनियोजित पर्यटन ढांचा और निर्माण सामग्री के लिए अनवरत खनन भूस्खलनों को आमंत्रित करते हैं। पर सतत विकास भी एक अनिवार्य तत्व है, उसकी अनदेखी कैसे की जा सकती है? पर्यटन, सड़क और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाएं पहाड़ी राज्यों की प्रगति के लिए आवश्यक हैं। सवाल यह है कि संतुलन कैसे बने!

इसका उत्तर नीतिगत अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समन्वित प्रबंधन में निहित है। सबसे पहले, केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर दीर्घकालिक पर्यावरणीय योजना बनानी होगी, जिसमें स्थानीय भौगोलिक स्थिति के अनुसार निर्माण मानक तय किए जाएं और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए। पहाड़ी क्षेत्रों में भूगर्भीय सर्वेक्षण के बिना किसी बड़ी परियोजना को अनुमति न दी जाए। पर्यटन को 'कैरीइंग कैपेसिटी' के सिद्धांत पर आधारित किया जाए, यानी जितनी संख्या तक पर्यावरण वहन कर सकता है, उतनी ही अनुमति हो। दूसरा, वनों की पुनर्स्थापना और जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन को गंभीरता से लागू किया जाए और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करने वाले अतिक्रमणों को हटाकर शहरी जल निकासी तंत्र को दुरुस्त किया जाए। तीसरा, आपदा प्रबंधन एजेंसियों की जवाबदेही और क्षमता दोनों को मजबूत करना होगा। केवल चेतावनी देने वाली व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी से त्वरित प्रतिक्रिया और पुनर्वास तंत्र को भी सशक्त किया जाना चाहिए, निःसंदेह इसके लिए जन जागरूकता अत्यावश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि सरकारें और एजेंसियां विकास को पर्यावरणीय अनुशासन और संतुलन के अनुरूप रखें। स्थायी विकास प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण होता है। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी हमें याद दिलाती है कि हम या तो समय रहते इस संतुलन को साध लें, या फिर बार-बार आपदाओं की कीमत चुकाते रहें। यह वक्त है जब नीति और नियमन की सख्ती को विकास की गति के साथ जोड़ा जाए, तभी पहाड़ों की मजबूती और मैदानों की सुरक्षा व समृद्धि दोनों सुनिश्चित हो पाएंगे।

बदलती विश्व की राजनीति और क्वाड का भविष्य

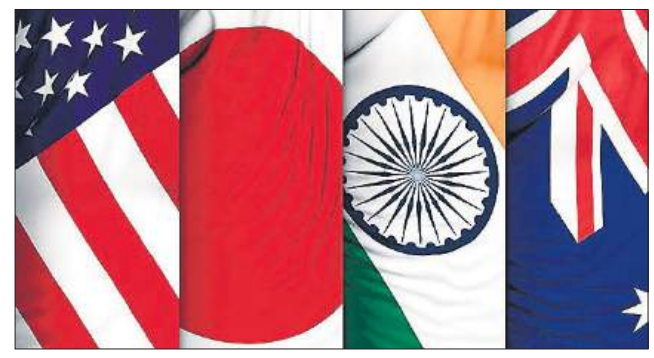

दिग्विजय सिंह
कानपुर

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की अगुवाई में गठित क्वाड का भविष्य अनिश्चितता की तरफ बढ़ चला है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के निरोध, साइबर सुरक्षा और आर्थिक व बुनियादी ढांचा बढ़ाने में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास करने के उद्देश्य से अमेरिकी नेतृत्व वाली सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय पहल चतुर्भज सुरक्षा संवाद (क्वाड) के अस्तित्व पर संकट मंडराता दिख रहा है। क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसे चीन की आक्रामकता पर संतुलन बनाने के लिए साल 2007 में गठित किया गया था, हालांकि फिर कुछ सालों के लिए इसे रोक दिया गया।

साल 2017 में क्वाड के महत्व को दोबारा संजीवनी दी गई। इसके बाद डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने तक लगातार क्वाड देशों की बैठकें और शिखर सम्मेलन होते रहे हैं। यहां तक कि ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने पर उनके प्रशासन ने सबसे पहले क्वाड की ही बैठक बुलाई थी, जिसमें चारों सदस्य देशों के विदेश मंत्री शामिल हुए थे, लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ विवाद के बाद भारत में होने वाली क्वाड की बैठक को लेकर फिलहाल असमंजस के हालात बने हुए हैं।

टैरिफ विवाद को लेकर अमेरिका के जापान और भारत के साथ रिश्ते लगातार बिगड़ते नजर आ रहे हैं। भारत ने अमेरिका के सामने न झुकने का जो संकल्प लिया है, उससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चिढ़े हुए हैं। अब ऐसी खबरें हैं कि भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में ट्रंप शामिल नहीं होंगे। अमेरिका के प्रमुख अखबार न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित लेख में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप 2025 के अंत में भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे, हालांकि इस तरह की मीडिया रिपोर्ट को ट्रंप प्रशासन की ओर से भारत पर दबाव की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। रूस से तेल खरीद के नाम पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा थोपे गए मनमाने टैरिफ के आगे भारत नहीं झुका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर अलग-अलग मंचों पर कह चुके हैं कि भारत के किसानों, मछुआरों का हित उनके लिए सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ट्रंप को यह भलीभांति पता है कि मोदी जो कहते हैं करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें 'टफ नेगोशिएटर' कहा था। यह भी माना था कि प्रधानमंत्री मोदी उनसे कहीं ज्यादा बेहतर वार्ताकार हैं और अपने देश के हित को सबसे ऊपर रखते हैं।

ट्रंप अभी तक भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं। यही नहीं उनके सलाहकार जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, उससे आशंका है कि ट्रंप टैरिफ के दबाव को और आगे ले जाने की मंशा रखते हैं। जापान पर भी ट्रंप ने 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। यही नहीं, ऑस्ट्रेलिया पर स्टील/एल्युमिनियम टैक्स लगाकर साफ कर दिया है कि उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से अमेरिका की 'ग्लोबल स्ट्रैटजी' गायब हो चुकी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्थिक राष्ट्रवाद के कठोर रास्ते पर चलते हुए ट्रंप ने अमेरिका की विदेश नीति को इंडो-पैसिफिक के रास्ते से उतार दिया है।

इन हालात में हालिया एससीओ शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की जुगलबंदी भी ट्रंप को रास नहीं आई है। भारत के टैरिफ पर कड़े रुख को देखते हुए जापान ने भी अपने शीर्ष वार्ताकार को अंतिम समय में अमेरिका जाने से रोक दिया है। ट्रंप टैरिफ की मार से जापान की आटोमोबाइल व स्ट्रील इंडस्ट्री पर बुरा प्रभाव पड़ा है। दो प्रमुख सदस्य देशों की टैरिफ को लेकर अमेरिका से तनातनी के बढ़ने के बाद अब आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं कि ट्रंप की जिद के कारण क्वाड का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा का रुख चीन के प्रति नरम है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि भारत की तरह जापान से भी चीन रिश्ते मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अगर ऐसा होता है तो क्वाड का अस्तित्व बना रहेगा, कहना थोड़ा मुश्किल है, क्योंकि क्वाड का गठन ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देने के लिए किया गया था। राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों ने न सिर्फ क्वाड के सदस्य देशों में अमेरिका के प्रति अविश्वास की खाई को गहरा किया है बल्कि नए विकल्प तलाशने पर उन्हें मजबूर भी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पर्दे के पीछे से पाकिस्तान की मदद करने वाले चीन ने अमेरिका और भारत के बीच उत्पन्न अविश्वास की खाई का ही लाभ उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एससीओ सम्मेलन में रेड कॉर्पेट बिछाया था।

इस सम्मेलन पर अमेरिका लगातार बारीक नजर रखे था। अब सम्मेलन की समाप्ति पर अमेरिकी प्रशासन मोदी, जिनपिंग और पुतिन की केमिस्ट्री को लेकर नफा और नुकसान का नए सिरे से आकलन करने को बाध्य हो गया है। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो तो इतना बौखला गए कि एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में भारत पर अमर्यादित जातिगत टिप्पणी तक कर बैठे। रूस से भारत द्वारा किए जा रहे तेल आयात के संदर्भ में उनका यह कहना कि भारतीयों की कीमत पर ब्राह्मण मुनाफा कमा रहे हैं, दर्शाता है कि भारत की बढ़ती साख और चीन से गाढ़ी होती दोस्ती अमेरिका को रास नहीं आ रही है। ऐसे में जबकि नए समीकरणों की बिसात बिछ रही है, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन को काउंटर करने के लिए बनाया गया क्वाड अपने ही संस्थापक देश अमेरिका की अस्थिर विदेश नीति की वजह से खतरे में नजर आ रहा है।

आमने

अखिलेश यादव हर किसी से हिसाब मांगते रहते हैं, लेकिन अपनी टोटियों का कभी हिसाब नहीं दिया। टोटियां उठाकर जो ले गए हो साहब, वो यूपी की जनता को वापस करो। जनता खोज रही है।
–**केतकी सिंह**
भाजपा विधायक

अपनी बेटी का दुःख है, तो दूसरे की बेटियों का भी सम्मान करें। टोटी चोरी का आरोप मैं नहीं भूल सकता। एक अखबार ने स्टिंग किया। ये बात हम लोग भूलने वाले नहीं हैं। ये सरकार भी जान ले और सरकार चलाने वाले भी जान लें।
–**अखिलेश यादव**
पूर्व मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

सामने

जीएसटी 2.0: अर्थव्यवस्था को गति की उम्मीद

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दरों में कटौती से जीएसटी संग्रह में लगभग 15,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ी हुई बिक्री और खपत से यह कमी आंशिक रूप से पूरी हो जाएगी।

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय कई चुनौतियों से गुजर रही है। वैश्विक स्तर पर टैरिफ युद्ध, महंगाई का दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू स्तर पर उपभोग की सुस्ती। ऐसे में सरकार ने त्यौहारों से पहले कुछ आवश्यक और उपभोक्ता वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती का फैसला लिया है। यह कदम न केवल आम आदमी की जेब पर बोझ को कम करेगा, बल्कि खपत और मांग को भी बढ़ा सकता है। सवाल यह है कि क्या यह वास्तव में भारतीय मध्यमवर्ग के लिए बड़ी राहत साबित होगा और क्या इससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त गति मिल पाएगी।

जीएसटी काउंसिल की हालिया बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण, मिठाई एवं मिठाई बनाने वाले उत्पाद, परिधान और कुछ ऑटो एक्सेसरीज पर कर दरों को घटाया गया है। उदाहरण के लिए, छोटे टेलीविजन (32 इंच तक) पर जीएसटी को 28% से घटाकर 18% कर दिया गया, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर पर कर दर 28% से घटाकर 18%, मिठाई और नमकीन पर 12% से घटाकर 5%, और बच्चों के कपड़ों पर कर दर 12% से घटाकर 5% कर दी गई है। सरकारी अनुमान के अनुसार, इन कटौतियों से उपभोक्ताओं को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की सीधी वार्षिक राहत मिलेगी। वहीं, घरेलू उपकरण निर्माताओं का कहना है कि इस कदम से त्यौहारों के सीजन (अक्टूबर–दिसंबर) में उनकी बिक्री में 10–15% तक की बढ़ोतरी संभव है।

भारत की आबादी में मध्यमवर्ग की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और यह समूह अर्थव्यवस्था की 60% से अधिक खपत का चालक है। 2023–24 में निजी अंतिम उपभोग व्यय- भारत के जीडीपी का 57% रहा, जिसमें त्यौहारों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। हाल के वर्षों में बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ते ब्याज दरों के कारण मध्यमवर्ग की वास्तविक आय पर दबाव बढ़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, 2022–23 में ग्रामीण और शहरी परिवारों की वास्तविक उपभोग वृद्धि मात्र 2.5% रही, जबकि 2015–16 से 2019–20 के बीच यह औसतन 6–7% थी। ऐसे में जीएसटी कटौती से उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती होकर इस दबाव को कम कर सकती हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में खपत की मांग एक अहम इंजन है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि भारत में घरेलू खपत का जीडीपी में योगदान चीन (39%) और ब्राजील (53%) से कहीं अधिक है। जब खपत घटती है तो इसका सीधा असर विनिर्माण, सेवा क्षेत्र और रोजगार पर पड़ता है। त्यौहारों के मौसम में उपभोग स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। अनुमान है कि 2024 के त्यौहार सीजन में खुदरा बिक्री 8–10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। यदि जीएसटी कटौती से वस्तुएं सस्ती होती हैं और मांग में 5–7% अतिरिक्त वृद्धि आती है, तो यह चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर को 0.2–0.3% तक बढ़ा सकती है।

हालांकि, कर दरों में कटौती से सरकार के राजस्व पर असर पड़ना तय है। वित्त मंत्रालय का अनुमान है कि जीएसटी संग्रह में लगभग 15,000–18,000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ी हुई बिक्री और खपत से यह कमी आंशिक रूप से पूरी हो जाएगी। पिछले वर्ष 2023–24 में जीएसटी संग्रह का औसत 1.68 लाख करोड़ प्रति माह रहा था। यदि खपत में वृद्धि होती है तो यह औसत बरकरार रह सकता है। इस प्रकार, सरकार अल्पकालिक राजस्व हानि उठाकर दीर्घकालिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने का जोखिम ले रही है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका और यूरोप द्वारा लगाए गए नए टैरिफ, कच्चे तेल के ऊंचे दाम और रुपये की गिरावट ने भारत में आयात लागत को बढ़ा दिया है। इससे महंगाई पर दबाव बना है। ऐसे में जीएसटी कटौती एक संतुलित नीति कदम है, जो घरेलू खपत को बढ़ाकर बाहरी झटकों से उत्पन्न दबाव को कम करने का प्रयास करता है। बढ़ती खपत का एक अन्य लाभ यह है कि इससे उत्पादन और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में कंपनियां उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इससे न केवल 2–3 लाख अतिरिक्त मौसमी रोजगार सृजित हो सकते हैं, बल्कि विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता उपयोग दर भी बेहतर होगी।

त्यौहारों से पहले की गई जीएसटी दरों में कटौती को केवल एक कर राहत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे अर्थव्यवस्था में मांग और विश्वास पैदा करने वाले कदम के रूप में समझा जाना चाहिए। मध्यमवर्ग के लिए यह कदम निश्चित रूप से जेब पर सीधी राहत है। घरेलू उपकरणों से लेकर परिधानों और खाद्य पदार्थों तक की चीजें सस्ती होंगी। साथ ही, बढ़ी हुई खपत से विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को सहारा मिलेगा और सरकार को अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में अतिरिक्त बढ़त मिल सकती है। यदि महंगाई और वैश्विक टैरिफ दबाव जारी रहे तो इस राहत का प्रभाव सीमित हो सकता है। इसलिए, सरकार को दीर्घकालिक रूप से कर ढांचे को स्थिर रखने, आय बढ़ाने और टिकाऊ उपभोग बढ़ाने वाली नीतियों पर भी काम करना होगा।

प्रसंगवश

गिद्धों की कमी से हर साल एक लाख लोगों की मौत

गिद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा होते हैं, जो अन्य मांसाहारी जीवों, जैसे कि कुत्तों और चीलों की जनसंख्या को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। जब गिद्ध कम हो जाते हैं, तो अन्य मांसाहारी जीवों की संख्या बढ़ जाती है, जो असंतुलन पैदा कर सकती है। गिद्ध, मृत जानवरों का अवशेष सहजता से नष्ट कर पारिस्थितिकी को स्वच्छ बनाए रखते हैं। पिछले कुछ दशकों में, गिद्धों की कई प्रजातियां जैसे कि व्हाइट-बैक्ड गिद्ध, लॉन्ग-बिल्ड गिद्ध और स्लेंडर-बिल्ड गिद्ध विलुप्त होने की कगार पर आ गई हैं।

इनके अनुपस्थित रहने से न सिर्फ जैव-विविधता खतरे में पड़ती है, बल्कि मानव स्वास्थ्य और सामाजिक तंत्र पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। उनकी संख्या में गिरावट से उत्पन्न यह संकट अब एक आपातकालीन सवाल बन चुका है। भारत में, एक अध्ययन के अनुसार गिद्धों की गिरती संख्या के कारण 2000 से 2005 के बीच हर साल लगभग एक लाख अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हुई।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

1980 के दशक में भारत में गिद्धों की संख्या करोड़ों में थी, लेकिन 1990 के दशक के अंत तक यह संख्या तेजी से गिरने लगी। गिद्धों की गिरती संख्या के पीछे सबसे बड़ा कारण डाइक्लोफेनैक नामक एक दर्द निवारक दवा है, डाइक्लोफेनाक का प्रयोग शुरू में मनुष्यों के लिए किया गया था, लेकिन पशुपालन में इसके प्रयोग ने अनजाने में गिद्धों की जनसंख्या को भारी नुकसान पहुंचाया। यह मानवीय भूल प्रकृति के इस अनमोल घटक के लिए एक गंभीर संकट साबित हुई। इसके परिणामस्वरूप, पिछले तीन दशकों में गिद्धों की जनसंख्या में लगभग 95% तक की गिरावट आई है। भारत सरकार ने 2006 में पशु उपयोग के लिए डाइक्लोफेनैक पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में डाइक्लोफेनैक अब भी गैर कानूनी रूप से उपलब्ध है और इसका उपयोग जारी है। गिद्धों की संख्या में गिरावट का एक अन्य प्रमुख कारण उनका आवास नष्ट होना है। शहरीकरण, सड़क निर्माण, वनों की कटाई और औद्योगिक विकास ने इनके प्राकृतिक घोंसला बनाने वाले स्थानों को नष्ट कर दिया है। साथ ही, कीटनाशकों के प्रयोग ने इनके अंडों की खोल पतली हो गई है, जिससे इनका प्रजनन प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की विलुप्ति को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और जनता के बीच समन्वय आवश्यक है। गिद्धों के स्वास्थ्य, प्रजनन, और पर्यावरणीय भूमिका पर अधिक अनुसंधान किया जाना चाहिए। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि गिद्धों को कैसे बेहतर रूप से संरक्षित किया जा सकता है। डाइक्लोफेनाक जैसे खतरनाक दवाओं के बजाय मेलोक्सीकैम जैसी सुरक्षित दवाओं का उपयोग बढ़ावा देना चाहिए। इसके लिए किसानों और पशुपालकों को जागरूक किया जाना चाहिए। गिद्धों के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनके बिना, गिद्धों के प्राकृतिक आवास की रक्षा करना और उनके संरक्षण प्रयासों को सफल बनाना मुश्किल होगा। सरकारों को सख्त नीतियां और कानून बनाने चाहिए। गिद्ध संरक्षण सिर्फ एक पक्षी की सुरक्षा नहीं, यह मानव जीवन, स्वास्थ्य, संस्कृति, और पारिस्थितिकी की रक्षा का सवाल है। यह एक भविष्यगत आवश्यकता है, जो हमें तत्काल कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करती है। अब समय है कि वैश्विक समुदाय मिलकर साझेदारी करे ताकि गिद्ध फिर से आकाश में निरंतर मंडराते दिखें।

सोशल फोरम

वो मूंगफलियों वाले दिन

देश का मूंगफली-प्रेम अब भी यथावत है क्या? क्योंकि एक समय था, जब भुनी हुई मूंगफलियां चबाना भारतीयों का प्रिय शगल हुआ करता था और मूंगफलियों के छिलके यत्र-तत्र-सर्वत्र दिखलाई देते थे। सिनेमाघर और रेलगाड़ी के फर्श पर तो सबसे अधिक। कूड़े में ये ही तब सबसे अधिक बुहारे जाते होंगे। गरीबों का बादाम कहलाने वाला यह मेवा उन दिनों का पॉपकॉर्न था, पर इन 'उचक्की-मकई' में वो बात कहां? कोई रामलीला या दशहरे का रावण दहन देख रहा हो, गणेशोत्सव की झांकी में जा रहा हो, नदी के घाट पर जाकर अकेला बैठा हो या किसी बागीचे में लेटा ट्रांजिस्टर सुन रहा हो, पैदल ही बेसबब कहीं चला जा रहा हो या किसी से बतिया रहा हो- एक समय था, जब इस सबके साथ में मूंगफलियां अकसर खाया करता था।

सुशोभित
ब्लॉगर

मूंगफलियों के साथ एक शब्द जुड़ गया है- 'टाइमपास'। मुझे इस शब्द से विरक्ति है। एक बार मैं रेलगाड़ी से चला जा रहा था। एक मूंगफली वाला 'टाइमपास मूंगफली' की हांक लगाते हुए आया। मैं एक किताब पढ़ रहा था, उसे मैंने रखा और उसे अपने पास बुलाकर कहा- "ये कहो कि गर्मागर्म मूंगफलियाँ लाया हूं, ये मत कहो कि टाइमपास मूंगफली है।" उसने पूछा, "क्यों?" मैंने कहा, "क्योंकि यह न केवल मूंगफलियों का अपमान है, यह उन्हें खाने वालों का भी तिरस्कार है। इससे ऐसा मालूम होता है कि लोग निठल्ले बैठे हैं, उनके पास करने को कोई काम-धाम नहीं, जो अब मूंगफली चबाकर समय काटेंगे।" वह "ठीक भाई" कहकर आगे बढ़ गया, पता नहीं उसने मेरी बात मानी या नहीं।

मूंगफली पूर्व-भूमंडलीकृत भारत की दीनता और सरलता का प्रतीक है। यों यह भारतीय-मूल का दाना नहीं, लातीन-अमरीका की तरफ से आया है। रवींद्र कालिया की एक कहानी में एक बेरोजगार युवा मूंगफली वाले के खोमचे के पास खड़ा रहता था, ताकि उसके जाने पर नीचे गिर पड़ी मूंगफलियां चुनकर खा सके। प्रभाष जोशी ने लिखा है, 'सिंकी हुई गीली मूंगफली के सलवटभरे दानों का स्वाद अद्भुत होता है!' अपने एक व्यंग्य में उन्होंने 'चवन्नी-क्लास' व्यक्ति को 'मुम्फली-छाप' कहकर पुकारा है और 'सोयाबीन-छाप' आदमी से उसका द्वैत उभारा है। मूंगफली के तेल- जिसको मीठा तेल कहा जाता था- को इधर सोयाबीन के तेल ने ही बाजार में हाशिये पर धकेला है। निमाड़ तरफ यह सींगदाना कहलाई है। गुजरात में भी। महाराष्ट्र में शेंगदाना-चटनी बहुत बिकती है। मूंगफली-गुड़ की चिक्की भी बहुत प्रसिद्ध है। अलबत्ता पीनट-बटर कुलीन-वर्ग का शगल है, किंतु उसका डेयरी-फ्री बटर होना मुझे आश्वस्त करता है।

सामयिकी

रफ्तार से हर दिन टूट रही 500 के जीवन की डोर

भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। देश में प्रतिदिन 474 से अधिक लोग सड़क हादसे में जान गंवा देते हैं। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी 'सड़क हादसे 2023' की रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में हर घंटे लगभग 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 20 लोगों की जान जाती है। 2023 में लगभग 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। मंत्रालय ने युवाओं की मौतों पर चिंता व्यक्त की है, जिनमें 18-45 वर्ष के 66.4% युवा शामिल हैं। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौत के मामले में भारत विश्व में सबसे आगे है। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में सड़क हादसों में कमी नहीं आई है, बल्कि साल दर साल इसमें इजाफा हो रहा है।

मनोज अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सड़क दुर्घटनाएं, 2023 शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में हर घंटे 55 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस विभागों ने वर्ष 2023 के दौरान कुल 4,80,583 सड़क दुर्घटनाओं की सूचना दी है, जिनमें 1,72,890 लोगों की जान गई और 4,62,825 लोग घायल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में लगातार चौथे वर्ष तक सड़क दुर्घटना के शिकार ज्यादातर युवा थे। 18-45 वर्ष आयु वर्ग के वयस्कों की संख्या 66.4 प्रतिशत है। राजस्थान की बात करें तो इस अवधि में 24 हजार 694 सड़क हादसों में 11 हजार 400 लोगों की मौतें हुईं। भारत में सड़कों और हाईवे के साथ हादसों की रफ्तार भी धमने का नाम नहीं ले रही। सड़क पर ट्रक पार्क करना दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है और लोग यातायात अनुशासन का पालन नहीं करते।

मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली 1,72,890 मौतों में से 40% से अधिक मौतें हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करने और नशे में वाहन चलाने के कारण हुई हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में मारे गए 54,568 दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिनमें 39,160 चालक और 15,408 यात्री शामिल थे। यह 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों का 31.6% था। इसी तरह, सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले वाहन सवारों में 16,025 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें 8,441 चालक और 7,584 यात्री शामिल थे, जो वर्ष के दौरान दर्ज कुल मौतों का 9.3% हैं।

देश में मोटर वाहन कानून 2019 लागू होने के बाद भले ही सरकार के राजस्व में वृद्धि हुई हो, मगर दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या में कमी नहीं आई। नीति आयोग की रिपोर्ट है कि सड़क हादसों के शिकार 30 प्रतिशत लोगों की मौत जीवन रक्षक उपचार नहीं मिल पाने के कारण होती है। 2023 में सबसे ज्यादा सड़क हादसों में मौतें उत्तर प्रदेश में हुईं। यहां 23,652 लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो 2022 (22,595) और 2021 (21, 227) से अधिक है। सबसे कम मौतें अंडमान और निकोबार में दर्ज की गईं। यहां सिर्फ 24 लोगों की जान गई है। 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में दिल्ली 1457, बेंगलुरु 915 और जयपुर 849 में सबसे ज्यादा मौतें हुईं। अमृतसर, चंडीगढ़ और श्रीनगर में सबसे कम लोगों की जान गई है। मौतों के ये आंकड़े चिंतित करते हैं। सरकार ने सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन जमीन पर वास्तविक बदलाव लाने के लिए अभी और बहुत कुछ करना बाकी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

200
से ज्यादा प्रजातियां पक्षियों की और वनस्पतियों की विविधता यहां का आकर्षण और बढ़ाती है।

872.24
वर्ग किमी है कुल क्षेत्रफल बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का

3000
रुपये प्रति व्यक्ति है जीप सफारी का किराया

स्लॉथ बियर

बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान पहुंचकर होता है 'जंगल बुक' जैसा एहसास

जंगल की गोद में बाघ और हाथियों की धरती पर अद्भुत सफर

इंडियन रॉक पायथन

सफारी, सन्नाटा और सरप्राइज जैसा
बांदीपुर का जादुई संसार

पश्चिमी घाट की सुरम्य पहाड़ियों में बसा बांदीपुर दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल है। हरे-भरे जंगलों, कल-कल करती नदियों और नीरवता बढ़ाते प्राकृतिक दृश्यों से घिरे इस सुरम्य व सुंदर रमणीक स्थल पर पहुंचकर आप आज की भागदौड़ भरी जिंदगी की कशमकश कुछ देर के लिए भूलकर यहीं के हो जाएंगे। यह देश का बाघ आरक्षित राष्ट्रीय उद्यान है। यहां बंगाल टाइगर, एशियाई हाथी, तेंदुआ और गौर जैसे जीवों तथा तमाम दुर्लभ पक्षियों के साथ अजगर, किंग कोबरा और मगरमच्छ पाए जाते हैं। बांदीपुर पहुंचने के लिए हमने अपनी यात्रा कार द्वारा मैसूर से शुरू की। करीब 82 किलोमीटर की यात्रा दो घंटे में पूरी करके हम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान के गेट पर थे। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान को देश के सबसे सुंदर और बेहतर प्रबंधित राष्ट्रीय उद्यानों में गिना जाता है। कर्नाटक में मैसूर-ऊटी राजमार्ग पर विशाल पश्चिमी घाट के सुरम्य परिवेश में स्थित यह नीलगिरि रिजर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके उत्तर-पश्चिम में कर्नाटक का राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान (नागरहोल), दक्षिण में तमिलनाडु का मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य और दक्षिण-पश्चिम में केरल का वायनाड वन्यजीव अभयारण्य है। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान का कुल क्षेत्रफल 872.24 वर्ग किमी है। यह आंशिक रूप से चामराजनगर जिले के गुंडलुपेट तालुका और आंशिक रूप से मैसूर जिले के एचडीकोटे और नंजनगुड तालुका में आता है।

बाघों व हाथियों का यह प्रजनन स्थल, राजाओं का था शिकारगाह

- कभी यह उद्यान राजा-महाराजाओं का शिकारगाह था। बाद में आसपास के आरक्षित वन क्षेत्रों को इसमें शामिल कर दिया गया और इसका नाम बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान रखा गया। यह राष्ट्रीय उद्यान बाघों और हाथियों का प्रजनन स्थल था, इसलिए इन्हें बचाने के लिए इस अभयारण्य को देश भर के 30 अभयारण्यों में चिह्नित किया गया। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान बाघ, हाथी, भालू और भारतीय गौर जैसे अनोखे और तमाम लुप्तप्राय वन्यजीव प्रजातियों का घर है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। नीलगिरी की तलहटी में बसे बांदीपुर का बाघों से पुराना नाता है। यह लुप्तप्राय एशियाई जंगली हाथियों का अंतिम आश्रय स्थल है। इस राष्ट्रीय उद्यान में स्लॉथ बियर, गौर, भारतीय रॉक अजगर, सियार, मगर और चार सींग वाले मृग जैसी कई अन्य लुप्तप्राय प्रजातियां देखने को मिलती हैं। यहां सांभर, चूहा हिरण, चीतल, सुस्त भालू और उड़ने वाली दुर्लभ छिपकली भी पाई जाती है। पक्षियों की 200 से ज्यादा प्रजातियां और वनस्पतियों की विविधता यहां का आकर्षण और बढ़ाती है। बांदीपुर में सागौन, शीशम, चंदन, भारतीय लॉरेल और कीनो के पेड़, गुच्छेदार बांस सहित इमारती लकड़ियों के पेड़ भी हैं।

नीली आंखों वाला तेंदुआ

अविश्वसनीय! सावधान!
यहां मिलते अलग-अलग रंग की आंखों वाले तेंदुए

इस तेंदुए की आंखें आपको सम्मोहित कर देंगी। बांदीपुर टाइगर रिजर्व में भारत में अपनी तरह के पहले दो अलग-अलग रंग की आंखों वाले तेंदुए भी हैं। एक आंख नीली-हरी तो दूसरी भूरी। यह एक जेनेटिक विशेषता हेटेरोक्रोमिया है, जिसके कारण तेंदुए की दोनों आंखों का रंग अलग-अलग होता है।

प्रकृति की अद्भुत दुनिया में वन्य जीवों के घर देखने को सफारी

- उद्यान के द्वार से भीतर प्रवेश करते ही हमें घने जंगलों, लुढ़कती पहाड़ियों और विशाल घास के मैदानों के साथ एक अद्भुत दुनिया के दर्शन हुए। पक्षियों की चहचहाहट, बंदरों की खों-खों और पत्तों की सरसराहट से प्राकृतिक वन्य जीवन जीवंत हो उठा। जंगली फूलों की खुशबू हवा के साथ बहकर स्वर्ग जैसा अहसास दिला रही थी। बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान वनस्पतियों और जीवों की एक समृद्ध विविधता का घर है, जिसमें बाघ, हाथी, तेंदुए, हिरण, जंगली सूअर और पक्षियों की कई प्रजातियां शामिल हैं।
- यहां के जीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने के लिए उद्यान में सफारी की सुविधा उपलब्ध है। हमने वन विभाग द्वारा संचालित मिनी-बस सफारी की यात्रा रेंज कार्यालय से शुरू की। यहां से बस सफारी सुबह 6.15 से 9 बजे और दोपहर 2.15 से शाम 5 बजे के बीच चलती है। शुल्क 350 रुपये प्रति व्यक्ति है। जीप सफारी का किराया तीन हजार रुपये प्रति व्यक्ति है। जीप सफारी सुबह 6.15 से 8 बजे, सुबह 8 से 9.45 बजे, दोपहर 2.30 से 4.30 बजे और शाम 4.30 से 6.30 बजे के बीच संचालित होती है। पूर्व में चलने वाली हाथी सफारी अब यहां बंद की जा चुकी है। जीप और मिनी बस सफारी का समय भी मौसम और सुरक्षा कारणों से बदलता रहता है।

आदिवासी गांवों की परंपराएं और रीति-रिवाजों को नजदीक से देखें

प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी जाना जाता है। यह उद्यान कई आदिवासी गांवों से घिरा हुआ है। हर एक गांव की अपनी अनूठी परंपराएं और रीति-रिवाज हैं। आपको इन गांवों में घूमते समय ऐसा लगेगा जैसे एक या दो शताब्दी पीछे चले गए हैं। आदिवासी गांवों का भ्रमण समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव दिलाता है। यहां लोगों की जीवन शैली बहुत करीब से देखी जा सकती है। हालांकि समय की कमी से हम इस अनूठे अवसर को बहुत थोड़े समय के लिए कार से ही देख पाए। लेकिन बांदीपुर घूमने के दौरान आसपास के आदिवासी गांवों में लोगों के रीति-रिवाजों और परंपराओं के बारे में जरूर काफी जानकारी हासिल की।

लेखक - शिव कुमार अवस्थी, ब्रह्मावर्त, कानपुर
उप वन संरक्षक (सेवानिवृत्त)

200 रुपये मूल्य वर्ग के नोट पर कहानी सांची स्तूप की
रुपया बताता नीचे संसार ऊपर मोक्ष

भारतीय रिजर्व बैंक ने 25 अगस्त, 2017 को महात्मा गांधी नई श्रृंखला में रुपये 200 मूल्य वर्ग का नोट जारी किया था। यह नोट अपने पृष्ठ भाग में सांची के स्तूप की कहानी सुनाता है। सांची स्तूप मध्य प्रदेश में स्थित है। यह स्थान भोपाल से लगभग 40 किमी दूर एक पहाड़ी पर है। सांची स्थल में बौद्ध स्मारकों (एकाश्म स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह है। इनमें से अधिकांश दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के हैं। यह सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य है और 12वीं शताब्दी ईस्वी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था। सांची के स्तूप, मंदिर, विहार और स्तंभ, प्राचीनतम और सबसे परिपक्व, प्राचीन कलाओं और स्वतंत्र वास्तुकला के उदाहरण हैं, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से बारहवीं शताब्दी ईस्वी तक बौद्ध धर्म के इतिहास का विस्तृत दस्तावेजीकरण करते हैं। सांची स्तूप बुद्ध की निर्माण अवस्था मोक्ष को दर्शाता है। इसका ऊपर की ओर गोलाकार गुम्बद मोक्ष और नीचे की चौड़ी आधारशिला भौतिक संसार को दिखाती है।

- **सम्राट अशोक के पुत्र से जुड़ा पवित्र स्थान :** शांत और मनोरम वनीय पठार पर स्थित सांची के बौद्ध स्मारकों को श्रीलंकाई बौद्ध इतिहास में पवित्र चेतियागिरि भी माना जाता है। यहां सम्राट अशोक के पुत्र महेंद्र, श्रीलंका की अपनी धर्मप्रचारक यात्रा शुरू करने से पहले रुके थे। सांची में स्थापित सारिपुत्र और मौद्गल्यायन (बुद्ध के प्रमुख शिष्य) के अवशेषों की थेरवादियों द्वारा पूजा की जाती थी और आज भी उनका सम्मान किया जाता है।
- **शुंग और सातवाहन वंश ने अलंकृत किए स्तंभ व स्तूप :** सांची के एक पवित्र केंद्र के रूप में आरंभ का श्रेय मौर्य सम्राट अशोक को है। अत्यधिक विस्तृत शीर्ष वाले अखंड अशोक स्तम्भ की स्थापना के साथ, सम्राट अशोक ने सांची को एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल के रूप में प्रतिष्ठित किया। स्तम्भ के समकालीन एक ईंट का स्तूप था, जिसका आकार बाद में शुंग वंश के दौरान बढ़ाया गया, पत्थर की परत से ढका गया और अलंकृत कठघरा, हर्मिका, यष्टि, छत्र और चार तोरण युक्त प्रदक्षिणा पथों और सीढ़ियों से संवर्धित किया गया, जिन्हें बाद में पहली शताब्दी ईस्वी में सातवाहन वंश के दौरान अलंकृत किया गया।

- अजय त्रिवेदी, उप निदेशक युवा कल्याण विभाग।

घरों में हरियाली का तरीका वर्टिकल गार्डनिंग

शहरों में खासकर अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के पास बागवानी के लिए जगह नहीं होती है। लेकिन अपना खुद का बगीचा उगाना एक ऐसा सपना होता है, जिसे अधिकतर लोग कभी छोड़ना नहीं चाहते हैं। ऐसे में वर्टिकल गार्डन हमेशा से उन सभी लोगों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र रहे हैं, जिन्होंने इन्हें देखा है। बेबीलोन के बगीचों से शुरू हुए वर्टिकल गार्डन के विचार का इस्तेमाल जगह बचाने और सुंदर दिखने वाले स्थान बनाने के लिए किया गया था, लेकिन आज, इस बागवानी तकनीक का दुनिया भर में इस्तेमाल किया जा रहा है।

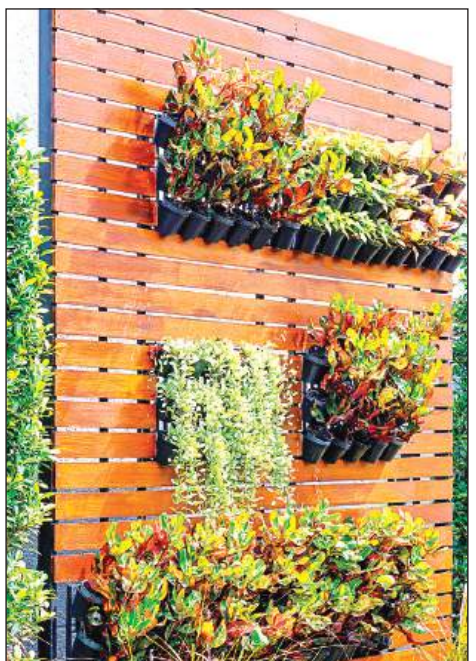

पौधों को दीवार, छत, पिलर या बालकनी में उगाने की विधि

वर्टिकल गार्डनिंग पौधों को ऊपर की ओर उगाने की एक विधि है, जिसमें अक्सर दीवारों, जालीदार ढांचों या विशेष रूप से डिजाइन किए गए गमलों जैसी संरचनाओं का उपयोग किया जाता है। यह तरीका छोटी जगह का अधिकतम उपयोग करता है, जिससे यह छोटे क्षेत्रों या शहरी परिवेश के लिए आदर्श बन जाता है। ज्यादातर फ्लैटों या छोटे घरों के अंदर वर्टिकल गार्डनिंग आज एक चलन के रूप में स्थापित हो गई है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें पौधों को वर्टिकल जगह पर जैसे दीवार, छत, पिलर या बालकनी की रेलिंग आदि पर उगाया जाता है। वास्तव में यह बागबानी का अर्बन तरीका है, जिसमें कम जगह में ज्यादा पौधे उगाए जाने की कोशिश की जाती है। लटकते पौधों के साथ-साथ गमलों में लगे पौधों से भी वर्टिकल गार्डनिंग की जा सकती है। घर के अंदर और बाहर होने वाली वर्टिकल गार्डनिंग को ग्रीन वॉल भी कहा जाता है। शहरों में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन वॉल कई शहरों में पुलों के नीचे, महत्वपूर्ण स्थलों पर देखी जा सकती है।

- **सबसे पहले उचित स्थान चुनें :** वर्टिकल गार्डनिंग के लिए पर्याप्त रोशनी वाली एक अच्छी जगह चुनना बेहद जरूरी है। यह देखें कि कौन से पौधे किस स्थान के लिए उपयुक्त होंगे और उन्हें लगाने के लिए दीवार, छत या बॉलकनी कितनी मजबूत है। पौधे चाहे किसी भी किस्म के चुने गए हों, इनडोर वर्टिकल गार्डनिंग की बदौलत हवा की गुणवत्ता और ड्राइंग रूम या कमरे के वातावरण में सुधार किया जा सकता है। इसके साथ ही यह भी महत्वपूर्ण तथ्य है कि पौधे अलग-अलग ध्वनि अवरोधक के रूप में भी काम कर सकते हैं।
- **पौधों का चयन और पानी देने की व्यवस्था महत्वपूर्ण :** घर के अंदर पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए पौधों को पर्याप्त पानी देना जरूरी है। इसके लिए कई तरह की सिंचाई प्रणालियां उपलब्ध हैं। वर्टिकल गार्डनिंग में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि पौधे उगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन जलरोधी हों। पहले दीवार पर एक वाटरप्रूफ इंसुलेशन परत लगाना भी बेहतर विकल्प है। इससे दीवार पर नमी या फफूंदी लगने से बच सकते हैं।

बालकनी के लिए करें व्यापक तैयारी

- बालकनी पर वर्टिकल गार्डनिंग की योजना बनाते समय, व्यापक तैयारी जरूरी है। बालकनी में प्रकाश की स्थिति पर विचार करना और उसके अनुसार पौधों का चयन करना महत्वपूर्ण है। बालकनी पर ऊर्ध्वाधर बागवानी के लिए जड़ी-बूटियां और सब्जियां, दोनों ही बेहतरीन विकल्प हैं। गर्मियों में अपनी उपज खुद इकट्ठा करने का आनंद अद्भुत हो सकता है। उदाहरण के लिए जुकनी और टमाटर धूप वाली जगह पर खूब फलते-फूलते हैं। फूल वाले पौधे बालकनी में रंग भर देते हैं। बालकनी पर ऊर्ध्वाधर बागवानी के लिए लोकप्रिय फूल वाले पौधों में चढ़ने वाले नास्टर्टियम शामिल हैं, जो खाने योग्य भी होते हैं। इसके साथ ही ट्रेलिंग पेटुनिया, जेरेनियम और मैंडेविला भी हैं। बालकनी पर बारहमासी फूल वाले पौधों के लिए, बौना झाड़ू या शीतकालीन चमेली अच्छे विकल्प हैं। खिलती हुई बालकनी का लंबे समय तक आनंद सुनिश्चित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों जैसे उर्वरकों और पोषक तत्वों के मिश्रण का उपयोग करना बेहतर रहेगा।

फीचर डेस्क, कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,710	24,741
गिरावट	7.25	6.70
प्रतिशत में	0.01	0.03

सोना -1,06970 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,25,600 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 6 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

हिंदुजा समूह करेगा 5,176 करोड़ का निवेश

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने हिंदुजा समूह और एस्ट्राज़ेनका कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिनमें कुल 5,176 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है। इन दिनों तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ब्रिटेन यात्रा पर हैं। लंदन में श्री स्टालिन की उपस्थिति में हुये समझौते के तहत हिंदुजा समूह ई-वाहन, बैटरी प्रौद्योगिकी और स्पेयर पार्ट्स निर्माण में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से संयंत्र स्थापित करेगा और राज्य में 1,000 से अधिक रोज़गार के अवसर पैदा करेगा। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री स्टालिन की जर्मनी और ब्रिटेन की यात्रा से अब तक 13,016 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है और राज्य में 17,813 नौकरियां सृजित होंगी।

ओयो का पहली तिमाही का लाभ 200 करोड़

नई दिल्ली। ऑनलाइन यात्रा बुकिंग मंच ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को शीर्ष प्रबंधन को भेजे एक ईमेल में बताया कि मजबूत राजस्व वृद्धि से पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 200 करोड़ रुपये रहा। अग्रवाल ने ईमेल में कहा कि राजस्व वृद्धि की मुख्य वजह होटल 'इन्वेंट्री' का प्रीमियमीकरण और कमरों का बेहतर उपयोग है। ओयो ने पिछले वर्ष की इसी (अप्रैल-जून) तिमाही में 87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयरधारकों को भेजी अधिसूचना के अनुसार समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ओयो ने 16,250 करोड़ रुपये के बुकिंग मूल्य (जीबीवी) और 6,252 करोड़ रुपये तक के राजस्व के साथ मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया।

नथिंग इस साल भारत में पहला स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली। लंदन स्थित उपभोक्ता प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग इस साल भारत में अपना पहला स्टोर खोलेगी जबकि इसका सहयोगी ब्रांड सीएमएफ यहां पर अपना वैश्विक मुख्यालय खोलने जा रहा है। नथिंग के सह-संस्थापक एकिस इवान्जेलिडिस ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। नथिंग का स्मार्टफोन फोन (3) भारत में ही बनाया जा रहा है और अब इसका निर्यात भी शुरू हो गया है।

जीएसटी दरों में कटौती का लाभ आम लोगों को

सीबीआईसी ने कहा- अभी की कीमत और जीएसटी में सुधारों के बाद की कीमतों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में बदलाव के बाद कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंच पाएगा, इसको लेकर कयासों का दौर जारी है। इसी बीच केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंचे इसके लिए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर कीमतों समेत समूची स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सीबीआईसी के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि सरकार जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों को दिलाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए सीबीआईसी, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालयों समेत सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर कीमतों और पूरी स्थिति पर नजर रख रहा है। अग्रवाल ने एक बातचीत में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों के तहत एक तरह के सामान को एक ही कर दायरे में लाने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने से विवादों में कमी आने की उम्मीद है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली जीएसटी परिषद ने बुधवार को जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। हम कीमतों के रुख पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम देख रहे हैं कि अभी सामानों की क्या कीमत है और जीएसटी में सुधारों के बाद आगे क्या रुझान रहने वाला है। कंपनियों पर भी हमारी नजर होगी।

सीबीआईसी चेयरमैन ने कहा कि अगर दर कटौती का लाभ ग्राहकों को नहीं मिलने की शिकायत आती है, हम उसे उद्योग संगठनों के पास ले जाएंगे। उद्योग संगठनों ने कहा है कि दरों में कटौती से जो भी लाभ होगा, उसका फायदा ग्राहकों को दिया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने कदम उठाया है, प्रक्रिया को सरल किया गया है। उद्याोगों को एक निश्चितता दी गयी है। ऐसे में उनका भी दायित्व बनता है। हमें पूरा विश्वास है कि वे जो भी लाभ हैं, ग्राहकों को देंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''जो माल पहले से बाजार में है और उस पर एमआरपी छपा है, उनमें 10 से 15 दिनों में बदलाव कर पाना थोड़ा मुश्किल लगता है लेकिन आपूर्ति श्रृंखला में बाजार में माल ज्यादा होते नहीं हैं। जो भी नई खेप आएगी, उसमें चीजें ठीक हो जाएंगी। अग्रवाल ने कहा कि चूंकि बाजार में काफी प्रतिस्पर्धा है, ऐसे में एक कंपनी ग्राहकों को लाभ दे और कोई दूसरी नहीं देती है तो यह बात सामने आ जाएगी। कंपनियों के लिए ऐसा कर पाना मुश्किल है। अगर कोई टीवी खरीदता है उसे तुंरत लाभ मिल जाएगा। एमआरपी पर बेचे जाने वाले छोटे सामानों पर हो सकता है कि कंपनियां डीलर के जरिये खुदरा दुकानदारों को छूट दें। विवादों के समाधान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दरों को युक्तिसंत बनाया गया है। पहले चार दरें होती थी, अब दो हो गयी हैं। एक तरह के सामान को एक ही कर श्रेणी में रखा गया है, जैसे खाने के सामान पर अब पांच प्रतिशत कर लगेंगे। पहले एक ही तरह की वस्तुओं पर अलग-अलग दरें होने से कई नोटिस जाते थे। जीएसटी सुधारों से वह समस्या समाप्त होगी।

अब विवाद की संभावना नहीं : अग्रवाल

अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों के लिए जीएसटी वास्तव में सरल और पारदर्शी हो गया है और विवाद की संभावना लगभग खत्म हो गयी है। रिफंड, पंजीकरण प्रक्रियाओं को तेज और सरल बनाया गया है ताकि उन्हें कोई दिक्कत नहीं हो। नयी दरों के दिवाली से पहले लागू करने के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा कि ग्राहक दरों में कटौती की उम्मीद में अपनी खरीदारी टाल रहे थे और उद्योग जगत से जल्द कर सुधार लागू करने की मांग आने लगी थी। उन्होंने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए जीएसटी परिषद की बैठक तुरंत आयोजित की गई और यह निर्णय लिया गया कि नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी, जो नवरात्रि का पहला दिन है जिसके साथ त्योहारी मौसम शुरू हो जाता है।

सरकार को 3,700 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होगा

कोलकाता। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट में कहा कि दरों में कमी के जरिये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार से 3,700 करोड़ रुपये का न्यूनतम राजस्व नुकसान होगा। सरकार का अनुमान है कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने का शुद्ध राजकोषीय प्रभाव वार्षिक आधार पर 48,000 करोड़ रुपये होगा। रिपोर्ट के अनुसार, विकास और उपभोग में वृद्धि को देखते हुए न्यूनतम राजस्व हानि 3,700 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जीएसटी कटौती से दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच से छह प्रतिशत बढ़ेगी: क्रिसिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **छोटे वाहनों पर 30 हजार से 60 हजार व दोपहिया पर 3,000 से 7,000 की कटौती की उम्मीद**

वाहनों पर जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच से छह प्रतिशत बढ़ जाने की उम्मीद है जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में दो से तीन प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक बयान में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की 22 सितंबर से प्रभावी होने वाली पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की नई दर संरचना से मोटर वाहन क्षेत्र में मांग फिर से बढ़ेगी।

क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि जीएसटी कटौती का पूरा लाभ मिलने से वाहनों की कीमतों में पांच-10 प्रतिशत (छोटे यात्री वाहनों पर 30 हजार से 60 हजार रुपये और दोपहिया वाहनों पर 3,000 से 7,000 रुपये) की कमी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि और आगामी त्योहारों को देखते हुए इस दर कटौती से बाजार की धारणा को बल मिलेगा। नए उत्पादों की पेशकश, कम ब्याज दरों और बेहतर सामर्थ्य से मोटर वाहन क्षेत्र में दूसरी छमाही में मजबूती आनी चाहिए। बयान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की बिक्री में पांच से छह प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में दो से तीन बढ़ सकती है। अप्रैल-अगस्त अवधि में दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर शून्य से एक प्रतिशत के साथ लगभग स्थिर रही जबकि यात्री वाहनों की बिक्री में तीन से चार प्रतिशत की गिरावट आई। संशोधित जीएसटी ढांचे के तहत, छोटे यात्री वाहनों, 350 सीसी तक के दोपहिया वाहन (इस खंड की बिक्री का लगभग 90 प्रतिशत), वाणिज्यिक वाहन (सीवी) और तिपहिया वाहनों पर कर की दरें 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएंगी।

जीएसटी में कटौती से स्वास्थ्य सेवाएं होंगी सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती करने के फैसले का चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने स्वागत करते हुए कहा कि इससे स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।

आरजी हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक अविनाश ओझा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए आवश्यक दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों पर जीएसटी में सरकार का हालिया सुधार स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती बनाने को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता को बताता है। 33 जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी को पूरी तरह से माफ करना, साथ ही कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और पुरानी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली महत्वपूर्ण दवाओं के लिए इसे घटाकर शून्य करना स्वागत योग्य राहत है। पारस हेल्थ के मुख्य परिचालन अधिकारी (ग्रुप) विनीत अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी सुधार भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आईएचसीएल की आईटी पर मैलवेयर हमला

नई दिल्ली। इंडियन होटल्स कंपनी लि. (आईएचसीएल) ने अपनी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली पर एक मैलवेयर हमला होने की जानकारी देते हुए कहा है कि इसके प्रभाव को कम करने के लिए तुरंत कार्रवाई की गई। देश की आतिथ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी आईएचसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस साइबर हमले का प्रभाव कम करने और आईटी प्रणाली को सुरक्षित करने के लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए गए हैं।

- **साइबर हमले के बाद स्थिति पर रखी जा रही है करीबी नजर : इंडियन होटल्स**

नोएडा से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए शुरू होगी सीधी लग्जरी बस सेवा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **संचालन के लिए फ्लेक्सीबस नामक कंपनी से किया करार**

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के लिए अब दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचना बेहद आसान हो जायेगा क्योंकि जल्द ही इसके लिए सीधी लग्जरी बस सेवा शुरू होने वाली है।

एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने शुक्रवार को बताया कि इस बस सेवा के संचालन के लिए उसने फ्लेक्सीबस नामक कंपनी से करार किया है। इसका किराया 199 रुपये होगा। इस बस सेवा के अगले सप्ताह शुरू होने की उम्मीद है। बुकिंग फ्लेक्सीबस के ऐप या वेबसाइट के अलावा रेडबस, मेकमाईट्रिप और पेटीएम के माध्यम से भी कराई जा सकती है। बस के ठहराव नोएडा सेक्टर 16, बोटैनिकल गार्डेन, गोल्फ कोर्स, गौड़ सिटी, जेपी विशटाउन और परी चौक पर होंगे। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध होगी। हवाई अड्डे से ग्रेटर नोएडा के परी चौक तक के सफर में 130 से 180 मिनट का समय लगेगा। डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्वजनिक वाहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

लेज के पैकिंग पर किसान

नई दिल्ली। स्वदेशी की अपनी छवि को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी कंपनी पेप्सीको की भारतीय इकाई पेप्सिको इंडिया ने लेज चिप्स के पैक पर किसानों को जगह दी है। पेप्सीको इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि उसके आलू चिप्स ब्रांड लेज ने भारतीय किसानों को सम्मानित करने वाली अपनी पहल ''मिट्टी की चिट्ठी'' के तहत यह शुरुआत की है। लेज ने पहली बार लिमिटेड एडिशन पैक पेश किया है जिनमें भारतीय किसानों को दर्शाया गया है। इन पैकेट्स पर पुरुष और महिला किसानों के हाथ से बने चित्र है।

राष्ट्रीय

सम्मान और सुरक्षा के लिए शिक्षा जरूरी: मुर्मू

राष्ट्रपति ने कहा - सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है स्मार्ट शिक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी

शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में अमृत उद्यान के अपने विशेष दौरे के दौरान शिक्षकों से बातचीत करती हुईं राष्ट्रपति।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर यहां एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये। राष्ट्रपति मुर्मु ने इस मौके पर कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपने वक्त को याद किया और उस समय को अपने जीवन का एक बहुत ही सार्थक काल बताया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। शिक्षा की शक्ति से गरीब से गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी उन्नति के आसमान को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को बल देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों का सबसे बड़ा पुरस्कार यही है कि उनके विद्यार्थी उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण एक शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, जिम्मेदार और समर्पित विद्यार्थी उन विद्यार्थियों से बेहतर होते हैं, जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में भावनायें और बुद्धि दोनों होती हैं।

भावनाओं और बुद्धि का समन्वय विद्यार्थियों पर भी प्रभाव डालता है। राष्ट्रपति ने कहा कि स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट कक्षायें और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है स्मार्ट शिक्षक। उन्होंने कहा कि स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने विद्यार्थियों के विकास की आवश्यकताओं को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता के साथ अध्ययन की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करके, हम अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में एक अमूल्य निवेश करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बालिकाओं की शिक्षा में जितना अधिक योगदान देंगे, शिक्षक के रूप में उनका जीवन उतना ही सार्थक होगा। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बालिकाओं सहित उन सभी विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें, जो अपेक्षाकृत शर्मीले हैं, या कम सुविधा प्राप्त पृष्ठभूमि से आते हैं।

राष्ट्रपति ने प्रो. गणेश टी. पण्डित को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां विज्ञान भवन में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक परियोजनाएं एवं प्रकाशन अनुभाग) प्रो. गणेश तिम्मण्ण पण्डित को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया। गौरतलब है की प्रो. गणेश टी. पण्डित उच्च शिक्षा में राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने वाले अकेले शिक्षक होने के साथ ही पूरे भारत से अकेले संस्कृत शिक्षक हैं। उनको पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति-पत्र, 50,000 रुपये की नकद राशि एवं रजत पदक प्रदान किया गया। ज्ञात रहे कि प्रो. पण्डित ने संस्कृत शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और शिक्षण में नवाचार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राहत

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आपदा के बाद राहत कार्यों के तहत सेना के जवान हेलीकॉप्टर से राशन की आपूर्ति उतारते हुए। शुक्रवार को वायु सेना के तीन हेलिकाप्टर कुल्लू के भुंतर हवाई अड्डे पहुंचे। इसमें दो एम-17 और एक चिनूक हेलिकाप्टर को राहत कार्य में लगाया गया है। इनमें खाने-पीने के राशन के साथ तिरपाल व दवाइयों को भेजा गया। सैंज घाटी के शाक्टी गांव में 13 बैग और मरोड़ गांव में 6 बैग राशन सेना हेलिकॉप्टर के माध्यम से एयर ड्रॉप किया।

बच्चे का डीएनए परीक्षण मातृत्व का अपमान: कोर्ट

भुवनेश्वर, एजेंसी

- **हाईकोर्ट ने कहा - डीएनए परीक्षण के लिए मजबूर करने से निजता का अधिकार प्रभावित होता है**

उड़ीसा उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के उस आदेश बरकरार रखा है जिसमें एक पुरुष के डीएनए परीक्षण की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। न्यायमूर्ति बी.पी. राउत्रे की एकल पीठ ने कहा कि बच्चे के डीएनए परीक्षण का निर्देश देना एक महिला के मातृत्व का अपमान होगा जो साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 में वर्णित कानून के खिलाफ है।

न्यायमूर्ति ने सिविल विविध याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह ध्यान में रखना चाहिए कि किसी व्यक्ति को डीएनए परीक्षण के लिए मजबूर करने से उसकी निजता का अधिकार प्रभावित होता है। यह मुक़दमा एक संयुक्त परिवार की संपत्ति के बंटवारे के मुकदमे को लेकर शुरू हुआ जिसमें प्रतिद्वंदी पक्ष के माता-पिता का पता लगाने के लिए डीएनए परीक्षण की मांग की गई थी। कुचिंडा के दीवानी मामलों के न्यायाधीश (वरिष्ठ खंड) ने इस मांग को ठुकरा दिया था। न्यायमूर्ति राउत्रे ने अपने फैसले में कहा कि यह समझ से परे है कि बंटवारे के मामले में डीएनए परीक्षण कैसे प्रासंगिक होगा।

सुप्रीम आदेश

शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को पुन : सुनवाई करने को कहा

जमानत रद्द करने की 40 याचिकाओं में एक जैसे आदेश, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने एक कड़े आदेश में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से नाराजगी जताई कि उसने पिछले दो वर्षों से जमानत रद्द करने के लिए कम से कम 40 याचिकाओं में पूर्व निर्धारित आदेश (साइक्लोस्टाइल्ड टेम्पलेट ऑर्डर) पारित किए हैं, जिसमें शिकायतकर्ताओं को गवाह संरक्षण योजना, 2018 के तहत उपाय तलाशने के लिए कहा गया है।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कई आदेश मिले हैं, जो कानून की गलत धारणा पर आधारित हैं, खासकर यह कि गवाह संरक्षण योजना जमानत रद्द करने का एक विकल्प है। उच्च न्यायालय के अनुसार, यह एक वैकल्पिक उपाय है। पीठ ने कहना था कि हमें यह जानकर दुख हो रहा है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार, हमें कम से कम 40 हाल के आदेश मिले हैं, जो पिछले एक साल में ही पारित किए गए हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला के नेतृत्व वाली पीठ ने ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत कुमार की एक दीवानी विवाद मामले में आपराधिक कार्यवाही की अनुमति देने के लिए आलोचना की थी तथा सेवानिवृत्ति तक उनसे आपराधिक मामलों को वापस ले लिया गया था।

- **उच्च न्यायालय को गुण-दोष के आधार पर याचिका पर निर्णय लेना चाहिए था**

इस विवादास्पद आदेश को बाद में प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई के आदेश पर संशोधित किया गया था। इस मामले में, न्यायमूर्ति पारदीवाला ने कड़े शब्दों में फैसला सुनाया और उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें हत्या के मुकदमे का सामना कर रहे एक आरोपी की जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत सहायता लेने के लिए कहा गया था। मूल शिकायतकर्ता फिरेराम ने इस आधार पर आरोपी की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया कि उसने हत्या के एक मामले के गवाहों को धमकी देकर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय शिकायतकर्ता को गवाह संरक्षण योजना के तहत आवेदन करने का निर्देश दिया।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हम इस तथ्य पर गौर करते हैं कि उच्च न्यायालय ने एक बहुत ही अजीब आदेश पारित किया है... उच्च न्यायालय का कहना है कि अपीलकर्ता के मामले में पीड़ित व्यक्ति के रूप में मूल प्रथम सूचनाकर्ता होने के नाते उपाय गवाह संरक्षण योजना के तहत है। दूसरे शब्दों में, इस आदेश को पढ़कर हम यही समझ पाए हैं कि उच्च न्यायालय चाहता है कि अपीलकर्ता इस योजना के प्रावधानों का लाभ उठाए। यही कहते हुए उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय को 'कानून के सुस्थापित सिद्धांतों को लागू करते हुए' गुण-दोष के आधार पर जमानत रद्द करने की याचिका पर निर्णय लेना चाहिए था। शीर्ष अदालत ने आरोपी को जमानत देने संबंधी उच्च न्यायालय के पिछले आदेश का हवाला दिया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

अनुतिन होंगे थाइलैंड के अगले प्रधानमंत्री

बैंकॉक। थाईलैंड के वरिष्ठ नेता अनुतिन चार्नविराकुल देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। संसद में हुए मतदान में शुक्रवार को उन्होंने बहुमत हासिल कर लिया। भूमजैथाई पार्टी के नेता अनुतिन ने प्रतिनिधि सभा के 492 सदस्यों में से 247 वोट हासिल किए हैं जो कि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़ा है। मतदान पूरा होने के बाद उनके कुल मतों की पुष्टि होनी है। राजा महा वजीरालोंगकोर्न द्वारा औपचारिक तौर पर नियुक्ति किए जाने के बाद, अनुतिन और उनकी सरकार के कुछ ही दिन में पदभार ग्रहण करने की उम्मीद है। अनुतिन ने पैतोंगटार्न शिनावात्रा का स्थान लिया है, जिन्हें पिछले सप्ताह अदालत के आदेश पर प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था।

अफगानिस्तान में फिर लगे भूकंप के झटके

काबुल। अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में गुरुवार की रात आए भूकंप से 13 लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल व्यक्ति दारा ए नूर जिले के हैं। प्रांतीय राजधानी जलालाबाद सहित कई जिलों में भी भूकंप का असर पड़ा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक गुरुवार सुबह और रात को नांगरहार में क्रमशः 4.7 और 5.6 तीव्रता वाले दो भूकंप के झटके महसूस हुए। इससे पहले रविवार की रात पड़ोसी प्रांत कुनार में 6.0 की तीव्रता वाले भूकंप में 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, 3,600 से अधिक घायल हुए और 7000 घर नष्ट हो गए।

जॉर्जिया में आव्रजन छापे, 475 हिरासत में

सवाना। अमेरिका के जॉर्जिया में आव्रजन अधिकारियों की छापेमारी के दौरान लगभग 475 लोगों को हिरासत में लिया गया। जिस जगह छापेमारी की गयी, वहां दक्षिण कोरियाई ऑटो कंपनी हुंदै इलेक्ट्रिक वाहन बनाती है। गृह विभाग के तहत विशेष अधिकारी स्टीवन श्रैंक ने शुक्रवार को सवाना में संवाददाताओं से यह बात कही। हालांकि लोगों पर लगाए गए आरोपों की घोषणा नहीं की गई। श्रैंक ने बताया, यह कार्रवाई जॉर्जिया और अमेरिकी लोगों के लिए रोजगार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

चीन ने किया नए परीक्षण उपग्रह का प्रक्षेपण

शीचांग। चीन ने शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक नया परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। शियान-29 उपग्रह को बीजिंग समयानुसार प्रातः 10:34 बजे लॉन्ग मार्च-3सी रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया, जिसमें युआनझेंग-1 (एक्सपीडिशन-1) का ऊपरी हिस्सा ले जाने वाले रॉकेट से जुड़ा हुआ था। उपग्रह सफलतापूर्वक पूर्व निर्धारित कक्ष में पहुंच गया।

ब्रिटेनः टैक्स चोरी मामले में घिरीं उपप्रधानमंत्री एंजेला का इस्तीफा

लंदन, एजेंसी

● इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर खरीदे घर की नहीं दी गई स्टांप ड्यूटी

ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने घर खरीद पर कर का कम भुगतान जाने के मामले में स्वतंत्र जांच के बाद शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। लेबर पार्टी की एक प्रभावशाली नेता रेनर के खिलाफ इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर स्थित घर पर सही स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान के लिए विशेषज्ञ कर सलाह न लेकर मंत्री आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप है।

रेनर ने अपना मामला मंत्रिस्तरीय मानकों पर स्वतंत्र सलाहकार लॉरी मैग्नस के पास भेजा, जिन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर को अपनी रिपोर्ट सौंपी। केअर स्टार्मर अब अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल को औपचारिक रूप दे रहे हैं। उन्होंने वरिष्ठ मंत्री रेनर के इस्तीफे पर अफसोस जताया। स्टार्मर ने कहा, निजी तौर पर मुझे आपके सरकार से बाहर जाने पर बहुत दुख हो रहा है। रेनर ने प्रधानमंत्री को लिखे त्यागपत्र में कहा, मैं दोहराना चाहती हूं कि उचित राशि के भुगतान के अलावा कुछ और करने का मेरा कभी इरादा नहीं था। मुझे यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मीडिया का दबाव मेरे परिवार पर कितना भारी पड़ रहा है।

हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय छेड़छाड़ का नतीजा

जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास और शहरीकरण, वनों की कटाई और भूमि उपयोग में बदलाव, पर्यटन के दबाव और संसाधनों पर बढ़ते बोझ जैसे कई कारण हैं जिनके कारण भारत के हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं की न सिर्फ संख्या बल्कि भयावहता भी बढ़ी है। इसमें सबसे ज्यादा तबाही जल मौसम संबंधी घटनाओं की वजह से हुई है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हिमालयी क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप सबसे ज्यादा विनाशकारी साबित हुआ है। भारतीय वन सर्वेक्षण, नीति आयोग और कई गैर सरकारी संगठनों की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में इनके गंभीर प्रभावों का साफ उल्लेख है। वनों के नुकसान, भूस्खलन में वृद्धि और प्राकृतिक झरनों के सूखने जैसे इनके दुष्परिणाम इन क्षेत्रों में बसे लोगों को झेलने पड़ रहे हैं। विडंबना यह है इसे रोकने के लिए अब तक कोई सख्त कदम भी नहीं उठाए गए हैं।

प्राकृतिक आपदाएं

लगातार बढ़ता संकट

- वर्ष 2024-25 में बाढ़, सूखा और तापमान वृद्धि जैसी अत्यधिक प्राकृतिक घटनाओं से 3,000 से अधिक लोगों की जान गई, जो पिछले 11 सालों में सबसे ज्यादा है।
- वर्ष 2019 से 2023 के बीच 281 प्राकृतिक आपदाएं दर्ज की गईं, जबकि केवल 2024 में 400 से अधिक घटनाएं सामने आईं, जो घटनाओं में तीव्र वृद्धि दर्शाती है।
- वर्ष 2023 में भारत को आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ, जो पिछले दशक से काफी ज्यादा था।
- वर्ष 2015 से 2024 के बीच बाढ़, तूफान, भूस्खलन जैसी आपदाओं से 3.2 करोड़ लोग विस्थापित हुए, मगर 2024 में 4.58 करोड़ लोगों को घर छोड़ना पड़ा।
- हाल के कुछ वर्षों में आपदा राहत के लिए सरकारी खर्च में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या और तीव्रता को दर्शाता है।

हाल ही में आईं आपदाएं

- जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 17 अगस्त को बादल फटने से भूस्खलन होने के बाद भारी तबाही हुई जिसमें सात लोग मारे गए।
- उत्तरकाशी के धराली गांव में 5 अगस्त को आई अचानक बाढ़ ने पूरे गांव को तबाह कर दिया, यहां सैकड़ों लोग बेघर हो गए।
- आंध्र प्रदेश में आपदाओं में 343, मध्य प्रदेश में 243 और हिमाचल प्रदेश में 195 लोगों की मौत हुई, आपदाओं का सिलसिला जारी है।

कहां कैसी आपदा

बादल फटना और बाढ़ जैसी घटनाओं की उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में वृद्धि हुई है। वनों की कटाई और अनियमित निर्माण के कारण भूस्खलन की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। हिमनदों का तेजी से पिघलना ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड को बढ़ा रहा है, सिक्किम में देखा गया।

मानवीय हस्तक्षेप

- भारतीय वन सर्वेक्षण की स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में 2019 की तुलना में 1,072 वर्ग किमी वन आवरण कम हुआ है।
- नीति आयोग ने बताया है कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 50% प्राकृतिक झरने सूख रहे हैं, जो वन कटान और अनियोजित विकास के कारण है।
- सुदूर संवेदन संस्थान की रिपोर्ट में पश्चिमी हिमालय में शहरीकरण में भारी वृद्धि, वनों के कटान और जल निकायों में गिरावट की पुष्टि।

ये भी प्रमुख कारण

- ग्लोबल वार्मिंग से वर्षा की तीव्रता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं।
- वन कटान से मिट्टी की पकड़ कमजोर होती है, इससे भूस्खलन का खतरा, जल निकासी पैटर्न भी प्रभावित।
- पर्यटकों की बढ़ती संख्या से संसाधनों पर दबाव पड़ता है जो नाजुक क्षेत्रों को और ज्यादा असुरक्षित बनाता है।

यूक्रेन युद्ध के परोक्ष परिणाम ग्लोबल साउथ के देशों पर डाल रहे हैं असर

भारत का संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन, ईंधन की कीमतों पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

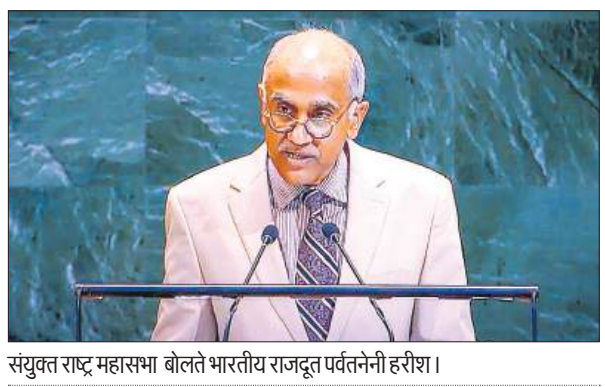

संयुक्त राष्ट्र महासभा बोलते भारतीय राजदूत पर्वतनेनी हरीश।

भारत ने यूक्रेन संघर्ष के 'परोक्ष प्रभावों' खासतौर पर ईंधन की कीमतों पर चिंता व्यक्त की और कहा है कि 'ग्लोबल साउथ' के देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। भारत ने साथ ही कहा कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिए युद्ध को समाप्त किया जा सकता है और स्थाई शांति लाई जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बृहस्पतिवार को कहा, भारत यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंतित है। हमारा मानना है कि निर्दोष लोगों की जान जाना अस्वीकार्य है और युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं निकलता। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों की स्थिति' विषय पर आयोजित चर्चा में हरीश ने कहा कि भारत को इस बात की चिंता है कि संघर्ष के परिणामस्वरूप ईंधन की कीमतें और अन्य चीजें पूरे विश्व को प्रभावित कर रहे हैं, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों को, जिन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। हमारा मानना है कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनकी वैध चिंताओं का समुचित समाधान किया जाए।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि स्थाई शांति के लिए सभी हितधारकों की पूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है। हरीश ने कहा कि भारत ने पिछले महीने अलास्का में अमेरिक के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई शिखर बैठक का समर्थन किया और उसमें हुई प्रगति की सराहना की।

मोदी के संदेश का किया जिक्र - ये युद्ध का युग नहीं

राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन संघर्ष का शीघ्र अंत सभी के हित में है, साथ ही उन्होंने मोदी के इस संदेश का जिक्र किया कि यह युद्ध का युग नहीं है। हरीश ने कहा, हम यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति के कूटनीतिक प्रयासों पर भी ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा,हमारा मानना है कि ये सभी कूटनीतिक प्रयास यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त कराने और स्थायी शांति की संभावनाओं के लिए अहम हैं। हरीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूदा स्थिति पर पुतिन, जेलेंस्की और यूरोपीय नेतृत्व के संपर्क में हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के बयान से कुछ घंटे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन से बातचीत की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आपसी हितों के मुद्दों और यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त कराने के प्रयासों पर विचार विमर्श किया।

जयशंकर ने की यूक्रेन के विदेश मंत्री से बात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्रेई सिबिहा के साथ यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। जयशंकर के साथ फोन पर बातचीत के बाद सिबिहा ने कहा कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष को वर्तमान युद्ध की स्थिति और यूक्रेन की ओर से न्यायोचित शांति प्राप्त किए जाने के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, हम शत्रुता की पूर्ण समाप्ति और व्यापक अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों के समर्थन में भारत की बुलंद आवाज और सक्रिय भूमिका पर भरोसा करते हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने कहा कि वह और जयशंकर इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान मुलाकात करने पर सहमत हुए हैं। जयशंकर-सिबिहा वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात किए जाने के तीन दिन बाद हुई। बैठक में मोदी ने पुतिन को बताया कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने की दिशा में हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यह मानवता का आह्वान है कि यथाशीघ्र शत्रुता को समाप्त करने का रास्ता खोजा जाए।

पेंटागन का नया नाम युद्ध मंत्रालय, रक्षा मंत्री अब युद्ध मंत्री

वाशिंगटन। अमेरिकी के पेंटागन को युद्ध मंत्रालय और रक्षा मंत्री को युद्ध मंत्री के नाम से जाना जाएगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नया कानून बनाने जा रहे हैं जिसके अंतर्गत ये दोनों नाम बदल दिए जाएंगे।

नया नाम रक्षा मंत्रालय द्वितीयक पद के रूप में इस्तेमाल होगा। सरकार को इस पर कानून बनाने के लिए पहले अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी चाहिए होगी। नाम बदलने के तर्क में कहा गया है कि 'युद्ध मंत्रालय' नाम 'रक्षा मंत्रालय' की तुलना में कहीं अधिक तत्परता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। रक्षा शब्द से केवल रक्षात्मक क्षमताओं पर ही ध्यान जाता है।

शिक्षक दिवस

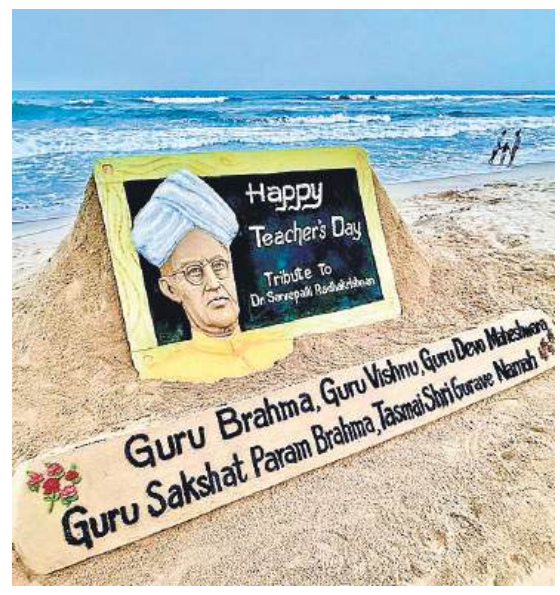

पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी में रेत की मूर्ति बनाकर देश को शिक्षक दिवस की बधाई दी। एजेंसी

वैश्विक सद्भाव के लिए दुबई में शुरू हुआ 'आई एम पीसकीपर' अभियान

दुबई। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच, दुबई में एक नया अंतरराष्ट्रीय अभियान, 'आई एम पीसकीपर' शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य वैश्विक सद्भाव के लिए संवाद और समझ को बढ़ावा देने के इच्छुक व्यक्तियों और संस्थाओं को एक मंच पर लाना है।

भारतीय फार्मा दिग्गज वॉकहार्ट के कार्यकारी निदेशक और वॉकहार्ट फाउंडेशन के सीईओ डॉ. हुजैफा खोराकीवाला ने बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में इस आंदोलन की शुरुआत की, जिसमें दो नोबेल पुरस्कार विजेताओं समेत कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने हिस्सा लिया। यह घटनाक्रम गाजा में जारी संघर्ष और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है, जहां जून में ईरान और इजराइल के बीच कुछ समय तक युद्ध हुआ था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, खोराकीवाला ने कहा कि यह अभियान इस बात पर जोर देता है कि मानवीय मूल्यों की मुद्रा से अपने लिए आंतरिक शांति खरीदी जा सकती है, जो समाज में शांति की नींव रखती है।

भारतीय छात्रों की अमेरिका में घटी रुचि, यूरोपीय देश बन रहे नई पसंद

मुंबई। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय छात्र जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों को पसंद कर रहे हैं, जहां 2024-25 में 32.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन रिपोर्ट 2024-25 में कहा गया है कि अमेरिका अब भारतीय छात्रों के लिए स्वभाविक और सबे पसंदीदा शैक्षणिक गंतव्य नहीं रह गया है। इसमें कहा गया कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि जर्मनी जैसे यूरोपीय गंतव्यों (2022 के 13.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 32.6 प्रतिशत) और संयुक्त अरब अमीरात में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है जहां 42 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र भारतीय हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया तेजी से भारतीय छात्रों के लिए व्यावहारिक और सुलभ विदेश अध्ययन स्थल बनता जा रहा है, जहां वैश्विक परिसरों से डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध हैं। दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलॉन और वेइल कॉर्नेल सहित अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट परिसर अपने घरेलू संस्थानों के समान ही डिग्री प्रदान करते हैं।

बोलीवियाः अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

ला पाज, एजेंसी

● मुरिलो पर हैं हत्या, गबन धनशोधन और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप

विवादों में रहने वाले बोलीविया के पूर्व गृह मंत्री आर्तुरो मुरिलो को कई आरोपों में अमेरिका से प्रत्यर्पित करने के बाद बृहस्पतिवार को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया।

उनके खिलाफ आरोपों में 2019 में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर दमनकारी कार्रवाई का आदेश देने के लिए मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। मुरिलो जून में अमेरिकी जेल से चार साल सजा काटने के बाद रिहा हुए थे। उन पर फ्लोरिडा की एक कंपनी से 5.32 लाख डॉलर की रिश्वत लेने और आंसू गैस बेचने का अनुबंध दिलाने का आरोप था। बुधवार रात उन्हें मियामी से निष्कासित कर बोलीविया भेजा गया, जहां वह पहले से दो मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं। उन पर हत्या, धनशोधन, सत्ता का दुरुपयोग, गबन और महंगी आंसू गैस की खरीद में पद का दुरुपयोग करने जैसे आरोप भी हैं। ला पाज पहुंचने पर अभियोजन पक्ष ने कहा कि उन्हें अधिकतम सुरक्षा वाली चोनचोकोरो जेल में भेजा जाएगा। अटॉर्नी जनरल रोजर मरिका ने कहा, मुरिलो को जेल में रहना ही होगा।

श्रीलंकाः बस दुर्घटना में 15 लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के उवा प्रांत के बडुल्ला ज़िले में एक बस दुर्घटना में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि इतने ही घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, 30 से अधिक लोग दक्षिणी श्रीलंकाई शहर तांगल्ले से पर्यटन यात्रा पर निकले थे, लेकिन बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे बस की टक्कर सामने से आ रही एक जीप से हुई, जिसके बाद बस सड़क की रेलिंग से टकराकर एल्ला कस्बे के पास 1000 फुट से अधिक गहरी खाई में गिर गई। मृतकों में नौ महिलाएं शामिल हैं। सभी लोग तांगाल्ले अर्बन काउंसिल (नगर परिषद) के कर्मचारी थे।

ट्रंप ने टेक दिग्गजों को दी दावत, मस्क को नहीं बुलाया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों के साथ ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया।

● सभी कंपनियों के सीईओ से देश में निवेश के बारे में ली जानकारी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी जगत (टेक) के दिग्गजों के एक समूह की मेजबानी की और उनकी कंपनियों द्वारा देश में किए जा रहे निवेश की जानकारी ली। ट्रंप के मेहमानों में उनके करीबी रहे एलन मस्क शामिल नहीं थे?

ट्रंप ने एक लंबी मेज के चारों ओर बैठे इन दिग्गजों को बेहद बुद्धिमान करार दिया। कंपनियों के सीईओ ट्रंप की तकनीकी प्रगति से जुड़ी आकांक्षाओं पर चर्चा करते रहे लेकिन ट्रंप ने पूरा ध्यान निवेश पर केंद्रित रखा। उन्होंने मेज के चारों ओर घूमकर उनसे पूछा कि वे देश में कितना निवेश कर रहे हैं। ट्रंप के दाहिनी ओर बैठे मेटा के सहसंस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि वह 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश कर रहे हैं। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने भी 600 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की बात कही। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 250 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान जताया। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने कहा निवेश 80 अरब डॉलर प्रति वर्ष के करीब है। ट्रंप ने यह सुनकर कहा, अच्छा है, काफी अच्छा।

मेहमानों में ट्रंप के करीबी रहे एलन मस्क शामिल नहीं थे। इस साल के शुरू में मस्क और ट्रंप के बीच एक विधेयक को लेकर विवाद हुआ था और दोनों ने एक-दूसरे पर काफी कड़ी सार्वजनिक टिप्पणियां की थीं। मेहमानों के बीच एआई में मस्क के प्रतिद्वंद्वी रहे ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन और पेमेंट प्रॉसेसिंग कंपनी 'शिफ्ट4' के संस्थापक जेरेड इसाकमैन भी शामिल थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 6 सितंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 7 सितंबर 01.41 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

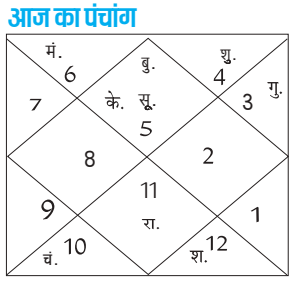

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-धनिष्ठा 22.55 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के ऊपर काम का दबाव कम होगा। महिलाएं खरीदारी पर काफी ध्यान दे सकती हैं। अपनी कल्पनाओं को साकार करने का अवसर मिलेगा। मन में नए कार्यों को लेकर उमंग-उत्साह की भावना रहेगी।

वृष आज कारोबार की स्थिति में सुधार आने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। पुराने झगड़ों को लेकर दोबारा उलझने से बचें। आपको कोई गुमी हुई वस्तु वापस मिल सकती है।

मिथुन आज व्यवसाय में सावधानी रखने की आवश्यकता है। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके ऊपर गर्व करेंगे। उच्च अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। अध्यात्मिक विषयों पर गूढ़ अध्ययन कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन संघर्ष से युक्त हो सकता है। कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं। आपका मन किसी काम में नहीं लगेगा। आलस्य करने से बचें। प्रियजनों की सलाह पर गंभीरता से विचार करें। जीवनसाथी के साथ विश्वास में कमी आएगी।

सिंह आज व्यवसाय में दैनिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्च पद मिल सकता है। थोड़े ही प्रयासों से आपके कार्य सफल हो जाएंगे। आपके मन में अनेक सवाल एक साथ चलते रहेंगे। इंटरव्यू में सम्मिलित हो रहे हैं तो दिन सौभाग्यशाली रहेगा।

कन्या आज प्रेम-संबंधों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। आपकी बातों से मित्र नाराज हो सकते हैं। जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में कुछ परिवर्तन ला सकते हैं। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत ही अच्छा रहेगा।

तुला आज सहकर्मी आपको अपमानित करने का प्रयास करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में शुभ परिणाम प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। परिवार के लोग आपके निर्णयों से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक आज आपको अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है। आपको अपनी छवि की चिंता हो सकती है। व्यवसाय में धन की कमी होने की आशंका है। आपके घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। घर में अचानक बिना बुलाए मेहमान आ सकते हैं।

धनु आज मनोरंजन के संसाधनों पर धन खर्च करेंगे। शांतिपूर्ण तरीके से समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें। किसी रिश्तेदार के घर मिलने के लिए जा सकते हैं। प्रभावशाली लोगों के बीच आपका उठना-बैठना रहेगा।

मकर आज गरिष्ठ व तला-भुना भोजन कब्ज व माइग्रेन का कारण बन सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ने की संभावना है। नई संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। अपनी नकारात्मक आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ आज आपके करियर में नया मोड़ आ सकता है। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा। यदि आप किसी समस्या से परेशान हैं तो आपको उसका समाधान मिल सकता है। धैर्यवान होकर कार्य पूर्ण करें।

मीन आज पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद उपजने की आशंका है। स्वभाव में क्रोध और चिड़चिड़ापन अधिक हो सकता है। आपकी राय लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। अधीनस्थ कर्मचारी उच्च अधिकारियों से असंतुष्ट हो सकते हैं।

सुडोकू-91

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2					3	
6				1		4		
	8				9		5	
4			2				6	
	5						4	
			8		5		1	7
	6		7			8		
		3		5				4
	9					6		

सुडोकू - 90 का हल

6	1	9	2	8	3	7	4	5
3	4	8	7	5	6	1	2	9
7	5	2	4	9	1	3	6	8
8	7	3	9	6	4	5	1	2
9	2	5	1	7	8	4	3	6
1	6	4	3	2	5	8	9	7
2	3	7	5	1	9	6	8	4
5	8	1	6	4	2	9	7	3
4	9	6	8	3	7	2	5	1

मुझे गर्व है कि मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह ना सिर्फ मेरे पसंदीदा खेल में मेरी वापसी है, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांव और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बड़ा सम्मान भी है। -रॉस टेलर

स्टेडियम

कानपुर, शनिवार, 6 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

महिला हॉकी टीम का शानदार आगाज

हांगझोउ (चीन) : उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां थाईलैंड को 11-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए। इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे। वर्तमान में भारत टीम विश्व में नौवें स्थान पर काबिज है।

मुक्केबाज खिलाड़ियों की जीत शुरुआत

लिवरपूल : भारतीय मुक्केबाज सुमित कुंडू ने शुक्रवार को यहां पुरुष मिडिलवेट वर्ग में जॉर्डन के मोहम्मद अल हुसैन को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सुमित ने मुकाबले के शुरुआती दौर से ही दबदबा कायम करते हुए अल हुसैन को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया। दोनों मुक्केबाजों ने कई बार सटीक मुक्के मारे लेकिन सुमित लगातार हावी रहे। उनके दमदार बैकहैंड ने जॉर्डन के मुक्केबाज के रक्षण को लगातार भेदा। भारतीय मुक्केबाज ने दूसरे चरण में बड़ी बढ़त कायम कर ली।

रॉस टेलर ने ली संन्यास से वापसी

नई दिल्ली : न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि अब वह न्यूजीलैंड से नहीं बल्कि समोआ की तरफ से खेलते हुए दिखाई देंगे। 41-वर्षीय मध्य क्रम के बल्लेबाज टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफ़िक टी20 विश्व कप 2026 के क्वालिफ़ायर टूर्नामेंट में समोआ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा मैं इस अवसर के लिए उत्साहित हूं। टेलर को अपनी मां की विरासत के चलते समोआ का पासपोर्ट मिला हुआ है। वह अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आख़िरी बार खेले थे। इससे उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वह समोआ के लिए खेलने के पात्र हैं।

हॉकी एशिया कप के एक मैच में जीत के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

एशिया कप फाइनल से एक कदम दूर भारतीय हॉकी टीम

राजगीर (बिहार), एजेंसी

फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एशिया कप में शनिवार को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पांच बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया से 2-2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4-1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक है। कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जाएंगी और भारत के लिए एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरूआत बहुत अच्छी नहीं रही । भारत ने शुरूआती गोल गंवा दिया लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है।

- चीन के खिलाफ अहम मुकाबले में आज करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

समय : शाम 7:30 से।

सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाए।

टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाए। बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है । उन्होंने न सिर्फ मौके बनाए बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे। अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिले हर मौके को भुनाना होगा और इसके लिए हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

पेनल्टी कॉर्नर है परेशानी का सबब

- पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरुआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3-4 से हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है।

सबालेंका और अमांडा के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

यूएस ओपन : सेमीफाइनल में सबालेंका ने पेगुला और अमांडा ने ओसाका को हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी। बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया।

पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी। अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया।

बेलारूस की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला के खिलाफ शॉट लगाती हुईं। एजेंसी

इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की। उन्होंने अपने ग्राउंडस्ट्रोक की तीव्रता बढ़ाई और दूसरे सेट को 6-3 से जीत के साथ मैच को निर्णायक बना दिया। अंतिम सेट में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने दबाव के क्षणों में अपना धैर्य बनाए रखा। अपने तीसरे मैच पॉइंट पर, उन्होंने राहत और जश्न की गर्जना के साथ जीत पक्की कर ली। 27 वर्षीय खिलाड़ी की इस जीत ने उन्हें सेरेना विलियम्स (2011-2014) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बना दिया है। मैच के बाद सबालेंका ने कहा यह वाकई एक कड़ा मुकाबला था। उसने अविश्वसनीय टेनिस खेला और मुझे यह जीत हासिल करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मैं बस अंदर ही अंदर प्रार्थना कर रही थी और अच्छे की उम्मीद कर रही थी। शनिवार को होने वाले चैंपियनशिप मैच में सबालेंका का सामना उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा ने अपने करियर के सबसे उल्लेखनीय उलटफेरों में से एक की कहानी गढ़ते हुए रोमांचक मुकाबले में जापान की नाओमी ओसाका को 6-7(4), 7-6(3), 6-3 से हराकर पहली बार यूएस ओपन फाइनल में जगह बनाई। यह जीत अमेरिकी टेनिस प्रशंसकों के लिए, यह नई उम्मीद का क्षण है, क्योंकि अनिसिमोवा 2017 में स्लोएन स्टीफंस के बाद यूएस ओपन महिला एकल फाइनल में पहुंचने वाली पहली घरेलू खिलाड़ी बन गई हैं।

भांबरी और वीनस का सफर थमा

- **न्यूयॉर्क :** भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के उनके जोड़ीदार माइकल वीनस अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में हार गए, जो किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भांबरी और वीनस को नील स्कूप्स्की और जो सैलिसबरी की छठी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 7-6(2) 6-7(5) 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया था। दिल्ली के रहने वाले 33 वर्षीय भांबरी ओपन युग में आनंद अमृतराज, विजय अमृतराज, लिएंडर पेस, महेश भूपति और रोहन बोपन्ना के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल छठे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। सानिया मिर्जा युगल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली, दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने वाली और टेनिस ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली एकमात्र अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं। भांबरी और वीनस की जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और अंतिम चार तक के अपने सफ़र में वरीयता प्राप्त जोड़ियों को भी हराया। हार के बाद भांबरी ने कहा यह मेरे लिए एक विशेष सप्ताह रहा है। इस स्तर पर खेलना और किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ा क्षण है। पिछले दशक में कई चोटों से जूझने वाले दिल्ली के इस खिलाड़ी के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ी सफलता है।

अमांडा अनिसिमोवा।

स्लोवाकिया ने जर्मनी को उलटफेर का शिकार बनाया

लंदन : स्लोवाकिया ने जर्मनी को 2-0 से हराकर फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफायर में बड़ा उलटफेर किया। डेविड हैन्को और डेविड स्ट्रेलेक ने जर्मनी की रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर स्लोवाकिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

स्लोवाकिया ने आखिरी बार 2010 में विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। इस हार से जर्मनी की 2026 में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की राह मुश्किल हो गई है। प्लेऑफ से बचने के लिए जर्मनी को शेष सभी पांच मैच जीतने होंगे।

विश्व कप ग्रुप ए क्वालीफाइंग फुटबॉल मैच में जर्मनी को हराने के बाद जश्न मनाते स्लोवाकिया के खिलाड़ी। एजेंसी

बीसीसीआई ने टीम की जर्सी प्रायोजन की दरों में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी को अब प्रायोजित करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने द्विपक्षीय सीरीजके लिए दाम प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपये कर दिए हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत और आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। रिपोर्ट में उद्योग से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ये आंकड़े मौजूदा दरों से थोड़े ज्यादा हैं। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपये और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता था। यह बदलाव ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के आने के बाद ' ड्रीम 11' के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद हुआ है।

सरकार द्वारा हाल ही में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के बाद बीसीसीआई ने भारतीय टीम के प्रमुख प्रायोजक ड्रीम 11 का अनुबंध रद्द कर दिया। यह संशोधन आगामी एशिया कप के समाप्त होने के बाद ही लागू होगा। बीसीसीआई को हालांकि 400 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। बोली के परिणाम के आधार पर अंतिम आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से प्रभावी होंगी। बीसीसीआई संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपये से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद भारतीय टीम के मुख्य प्रायोजक अधिकारों के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया बोली लगाने वाले (जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है) को भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और भारत में सट्टेबाजी या जुए में संलग्न किसी भी व्यक्ति में कोई निवेश या स्वामित्व हित नहीं होना चाहिए। भारतीय टीम यूएई में नौ सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। ड्रीम 11 ने हाल ही में ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के कारण अपने वास्तविक धन से जुड़े ऑनलाइन गेम को बंद कर दिया है।

3.5 करोड़ रुपये दाम द्विपक्षीय सीरीज के लिए प्रति मैच होगा।

1.5 करोड़ रुपये बहुपक्षीय टूर्नामेंट में प्रति मैच के लिए होगा।

जगदीशन दोहरे शतक से चूके दक्षिण क्षेत्र ने बनाए 536 रन

बेंगलुरु, एजेंसी

नारायण जगदीशन (197 रन) अपना दोहरा शतक पूरा करने से महज तीन रन से चूक गए जिससे दक्षिण क्षेत्र ने शुक्रवार को यहां दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में दूसरे दिन उत्तर क्षेत्र के खिलाफ पहली पारी में 536 रनों का प्रभावशाली स्कोर बनाया।

दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 297 रन से करने के बाद दक्षिण क्षेत्र ने पूरे दिन (88.2 ओवर) बल्लेबाजी की लेकिन बाकी विकेट खोकर केवल 239 रन ही बना सका। जगदीशन ने रन आउट होने से पहले 352 गेंद में 16 चौके और तीन छक्के लगाए। दक्षिण के बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके लेकिन टीम को सराहनीय स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे। उत्तर क्षेत्र के बल्लेबाजों के पास अब पहली पारी में 537 के स्कोर तक पहुंच कर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पूरे दो दिन हैं।

दलीप ट्रॉफी

नारायण जगदीशन। एजेंसी

मध्य क्षेत्र का पश्चिम क्षेत्र को माकूल जवाब

बेंगलुरु : दानिश मालेवार और शुभम शर्मा की अगुवाई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मध्य क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को उत्तर क्षेत्र के 438 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 229 रन बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होते समय शुभम शर्मा (60) के साथ कप्तान रजत पाटीदार (47) क्रीज पर डटे हुए थे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 69 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। टीम पहली पारी में उत्तर क्षेत्र से 209 रन पीछे है और उसके आठ विकेट शेष है। क्वार्टर फाइनल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के खिलाफ दोहरा शतक जड़ने वाले मालेवार ने धैर्य के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 76 रन बनाये। उन्होंने पहले विकेट के लिए आयुष पांडे (40) के साथ 67 रन की साझेदारी कर ठोस शुरुआत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराकर वनडे सीरीज जीती

लंदन : दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स में मैट ब्रीट्ज़के की 85 रन की रिकॉर्ड पारी की बदौलत दूसरे एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से जीत हासिल कर इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की सीरीज एक मैच शेष रहते अपने नाम कर ली।

दक्षिण अफ्रीका में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 330 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम नौ विकेट पर 325 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से जो रूट (61), जैकब बैथेल (58) और जोस बटलर (61) ने अर्धशतक जमाए। मैच आखिरी ओवर तक गया, जिसमें इंग्लैंड को एक विकेट शेष रहते 16 रन चाहिए थे, पर पुछल्ले बल्लेबाज जोफ्रा आर्चर की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद मेजबान टीम लक्ष्य तक पहुंचने से चूक गई।

विश्व चैंपियनशिप | आज से शुरू हो रही प्रतियोगिता में अनुभवी दीपिका और युवा गाथा पर रहेंगी सबकी निगाहें

तीरंदाजों की अगली पीढ़ी चमक बिखेरने को तैयार

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

अपने करियर के अंतिम पड़ाव में अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी एक बार फिर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने की कोशिश करेंगी। इसमें भारत 15 साल की गाथा खडके की अगुआई में अगली पीढ़ी का प्रदर्शन करने को तैयार है। पुणे की गाथा ने राष्ट्रीय ट्रायल्स में चमकदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार से शुरू हो रहे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की की।

अनुभवी दीपिका और अंकिता भकत के साथ गाथा की उपस्थिति ने अतीत और भविष्य की तीरंदाजों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर प्रतिस्पर्धा करने का मंच तैयार कर दिया है। ट्रायल्स में अव्वल रहीं दीपिका के साथ अंकिता और गाथा ने भारत की तीन सदस्यीय रिकर्व महिला टीम बनाई। गाथा ने जुलाई में मैड्रिड में पदार्पण किया था और चीनी ताइपे की ओलंपियन और विश्व कप पदक विजेता चिउ यी-चिंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

उनका अंतिम-16 में पहुंचना इस प्रतियोगिता में भारतीय महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा जिससे वह दीपिका और अंकिता से आगे हो गईं।

वहीं मां बनने के बाद 31 वर्षीय दीपिका के लिए विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का एक और मौका है क्योंकि ओलंपिक के साथ यह पदक भी उनकी कैबिनेट में नहीं है। 2011 में पहली बार हिस्सा लेने बाद से इस सबसे प्रतिष्ठित भारतीय तीरंदाज ने केवल टीम रजत पदक (2011, 2015) जीते हैं लेकिन कोई व्यक्तिगत पदक नहीं जीता है। यह उनकी छठी विश्व चैंपियनशिप होगी। अंकिता महिला टीम की तीसरी सदस्य हैं जिन्होंने दो साल पहले बर्लिन विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया था लेकिन पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

भारतीयों के सामने दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती होगी जिसकी अगुआई तोक्यो ओलंपिक चैंपियन एन सान तथा मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज लिम सिह्योन कर रही हैं। महिला रिकर्व में कोरियाई टीम प्रबल दावेदार हैं और यह देखना होगा कि क्या भारतीय उनकी बाधा पार कर पाते हैं। पुरुष रिकर्व में धीरज बोम्मादेवरा, नीरज चौहान और राहुल के साथ भारत की अगुवाई करेंगे।

दीपिका कुमारी। एजेंसी

भारतीय टीम

- **रिकर्व पुरुष :** धीरज बोम्मदेवरा, नीरज चौहान, राहुल। **रिकर्व महिला :** दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, गाथा खडके। **कंपाउंड पुरुष :** प्रथमेश फुगे, अमन सैनी, ऋषभ यादव। **कंपाउंड महिला :** परनीत कौर, पृथिका प्रदीप, ज्योति सुरेखा वेन्नम।